HRA AN USIUS The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 16, 1975 (श्रावण 25, 1897)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 16, 1975 (SRAVANA 25, 1897)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके । (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग Ш--खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंग्रक और महालेखा५९६क, संघ लेक हेवा भायोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III---संघ लोक सेवा आयोग के तेन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एस० सम्भरवाल को राष्ट्रपति द्वारा 9 जून 1975 से 2 अगस्त 1975 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 14 जुलाई 1975

मं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III(1) - इस कार्यालय की समसंख्यक प्रिधसूचना दिनांक 27 मई 1975 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय अचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बीं० बीं० दास शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1 जुलाई 1975 से 31 अगस्त 1975 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1—196 GI/75

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन III (2) — इस कार्यालय की सनसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 मई 1975 के प्रनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी ० के० सामन्त को राष्ट्रपति हारा, 1 जुलाई 1975 से 23 ग्रगस्त 1975 तक की ग्रातिरिक्त ग्रवधि के लिए अथवा ग्रायोमी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रधि-कारी ग्रेड में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रणासन III (3)---संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थामी सहायक श्री एस० पी० गुष्त को राष्ट्रपति द्वारा 7 जुलाई 1975 से 21 श्रगस्त 1975 तक की 46 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापत्र श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रणा० III(4)—संघ लोक सेवा ध्रायोग में केन्द्रीय शिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री भ्रार० के० मागो को राष्ट्रपति \mathbf{z} ।रा $\mathbf{7}$ जुलाई $\mathbf{1975}$ से

21 ग्रगस्त 1975 तक 46 दिन की ग्रवधि के लिए भ्रथवा भ्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रणा० III (5)—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 19 प्रप्रेल 1975 का प्रांशिक संशोधा करते हुए संघ लोक सेवा धायोग के केन्द्रीय सचिनालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्र-पति द्वारा 24 मार्च 1975 से 13 जून 1975 तक की धवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी, ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1975

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए/19036/ /75-प्रशा०-5---निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्बारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री वी० जी० देशपाण्डे को दिनांक 4 जुलाई 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-ब्राधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> गुलजारी लाल ग्रग्नवाल, प्रणासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो ।

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जुलाई 1975

सं० ग्रो० II-881/69-स्थापना—महानिदेशका, श्री सन्त राम ग्रनुभाग ग्रधिकारी को महानिदेशालय, के० रि० पु० दल, नई दिल्ली में ग्रस्थायी रूप से संयुक्त सहायक निदेशक (सी० पी० ए० यू०) के पद पर श्रगला ग्रादेश जारी होने तक नियुक्त कफ्ते हैं।

 श्री सन्त राम ने ग्रपने पद का कार्यभार दिनांक 2 जून 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० ग्रो॰ II-940/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी श्रमूल्या नाथ साह, 2 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्न दिनांक 10 फरवरी 1975 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० एफ०-8/9/75-स्थापना—-राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० कपूर पुलिस उप-ग्रधीक्षक, 13 बटालियन, के० रि० पु० दल का त्यागपत्र दिनांक 13 जून 1975 ग्रपराह्न से मंजूर किया।

दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 2/33/75 ईस्ट० (सी० म्रार० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित उप म्रधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमांडर/कवार्टेर मास्टरों) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप मागामी मादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमाँडेंट के पद पर मस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन श्रधिकारियों के पदस्थापन स्थान श्रीर उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं :--

| ऋ० सं० | नाम' | | पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा | कार्यभार छोड़ने की तिथि | पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार संभाका | पद ग्रहण करने की तिथि |
|-------------------------|-------------|---|---|-------------------------------|---|---------------------------------|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. श्री एन० | पी० गुरंग . | | उप० ग्रं० पुलिस 56 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 22-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कमान्डेंट 42 बटा० सी० श्रार० पी० एफ० | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री पी० एस० सायरस . | | • | उप० भ्रं० पुलिस 18 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ० | 19-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कमाडेंट 30 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ० | 26-5 - 75 (पूर्वाह्न) |

| 1 2 | - | | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------------------|---|---|--|---------------------------------|--|--------------------------------|
| 3. श्री घ्रार० एस० पोगट | | | उप० ग्रं० पुलिस 46 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 18-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कर्मांडेंट 33 बटा० सी० घार० पी० एफ० | 28-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 4. श्री पी० एस० वर्मा | • | ٠ | उप ग्रं० पुलिस ग्रुप सेंटर सी० ग्रार० पी० एफ० झारोढा कला नई दिल्ली । | 23-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कर्मांडेंट 25 बटा० सी० भार० पी० एफ० | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 5. श्री एस० पी० मिश्रा | • | | उप० म्रं० पुलिस 53 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 19-5-75 (पूर्वाह्न) | सहायक कर्मांडेंट 53 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ० | 19-5-7 5 (पूर्वाह्न) |
| ·6. श्री एन० एस० यादव | | | उप० ग्रं० पुलिस दो० ग्रार० टी० सी०, सी० ग्रार० पी० एफ० | 19-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कर्मांडेंट 52 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 2 1-5-7 5 (पूर्वाह्म) |
| 7. श्री एम० ग्राई० दास | • | | उप० ग्रं० पुलिस 34 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 23 - 5-75 (ग्रपराह्न) | सहायक कर्मांडेंट जी० सी० सी० द्यार० पी० एफ० नीमच | 27-5-75 (भ्रपराह्न) |
| 8. श्री एस० एन० वैस्णव | * | , | उप० भ्रं० पुलिस 32 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 23-5-75 (ग्रपराह्न) | सहायक कमाँडेंट 6 बटा० सी० म्रार० पी० एफ० | 1-6-7 (भ्रपराह्म) |
| 9. श्री पी० दामोवरन | • | | उप० भ्रं० पुलिस जी० सी० सी० भ्रार० पी० एफ० भावादी | 22-5-75 (भ्रपराह्म) | सहायक कमाँडेंट 27 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 24-5-7 (पूर्वाह्न) |
| 10. श्री एम० एस० यादव | | | उप० ग्रं० पुलिस 27 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 19-5-75 (पूर्वाह्म) | सहायक कर्मांडेंट जी० सी० सी० म्रार० पी० एफ० | 19-5-7 (पूर्वाह्न |
| 11. श्री एस० एन० निम्वालकर | | | उप० ग्रं० पुलिस जी० सी०, सी० ग्रार० पी० एफ०, नागपुर | 18-5-75 (म्रपराह्न) | सहायक कमाँडेंट जी० सी० सी० म्रा र० पी० एफ० पूना | 20-5-7 (पूर्वाह्न |
| 12. श्री एन० एन० मिश्रा | • | | उप० भ्रं० पुलिस 40 बटा० सी० भ्रार० पी० एफ० | 1 9-5-7 5 (पूर्वाह्म) | सहायक कर्मांडेंट 3 बटा० सी० म्रार० पी० एफ० | 19-5-7 (पूर्वाह्न |
| 13. श्री एच० ग्रार० चौधरी | ٠ | • | उप० ग्रं० पुलिस 15 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 24-5-75 (ग्रपराह्न) | सहायक कर्मांडेंट 41 बटा० सी० ग्रार० पी एफ० | 3-6-7: (पूर्वाह्न) |
| 14. श्री एम० बी० बेंग | • | | उप० ग्रं० पुलिस 44 बटा० सी० ग्रार० पी० एफ० | 19-5-75 (पूर्वाह्न) | सहायक कर्मांडेंट जी० सी० सी० घ्रार० पी० एफ० मुकामाघाट | 19-5-7 (भ्रपराह्न |

सं० ग्रो० II-135/75-ईस्ट०—-राष्ट्रपति भूतपूर्व मेजर जी० टी० वजीरानी (ग्राई० सी०-10458) जो कि भारतीय स्थल सेना के एक ग्रिधकारी है को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर ग्रस्थाई रूप में सहायक कमान्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने सहायक कमान्डेंट, ई० डी० पी० सैल, के पद का कार्यभार महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, श्रार० के० पुरम में 25 जून 1975 पूर्वाह्म को सम्भाला ।

> ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 जुलाई 1975 सं श्रो० II-1019/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजार्व पुलिस दल डाक्टर एम० डी० सुलेमान को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजार्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 17 अप्रैल 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

 डाक्टर एम० डी० सुलेमान को सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद में नियुक्त किया जाता है।

> ए० के० वन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (स्थापना),

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003 दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ई०-29018(1)/2/75-प्रशा०--श्री जी० एस० सन्धू, ने दिनांक 1 जून 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, सुरक्षा पेपर मिल (होशंगाबाद) के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में था, छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, भारत उर्वरक निगम (नाम रूप) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

> एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 25/24/74-प्रार० जी० (ए० डी०-I)---हस कार्यालय की प्रधिसूचना सं० 25/24/74-प्रार० जी० (ए० डी०-I), दिनांक 26 जुलाई 1974, की प्रनुवृत्ति में राष्ट्रपति, उप महा-पंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर, श्री प्रार० बी० साल की नियुक्ति पूर्णतथा अस्थायी भ्रौर तद्दर्ध ग्राधार पर दिनांक 1 जुलाई 1975, पूर्वाह्न से भ्रगले भ्रादेश होने तक बढाते हैं।

बद्री नाथ, भारत के उप-महापंजीकार ग्रौर ् प्वेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिस्वनन्तपुरम, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प० सं० सिब्बन्दी/म्र०/iv/9-86/11/100—केरल के महालेखाकार ने इस कार्याक्य के स्थायी भ्रनुभाग भ्रधिकारी (लेखा परीक्षा तथा लेखा) श्री ग्रार० रामवर्मा को 2 जुलाई 1975 (ग्रपराह्न) से स्थानापन्न रूप में लेखा ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है ।

क्र० गणेशन, उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था जगजीवन नगर, दिनांक 16 जुलाई 1975

पत्नांक प्र० 21(2)/69—-निवृत्ति प्राप्ति के फलस्वरूप कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के श्रन्तर्गत केन्द्रीय चिकित्सालय, श्रासनसोल के चिकित्सा श्रधीक्षक के सचिव (टी० बी० विग) श्री एच० एम० राय ने दिनांक 31 मई 1975 (श्रपराह्न) से श्रपने कार्यभार का त्याग किया ।

> रा० प्र० सिन्हा, कोयला खान कल्याण श्रायुक्त धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्यालय ग्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

नई दिल्ली', दिनांक 21 जुलाई 1975

> बलदेव कुमार, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय मद्रास-1, दिनांक 3 मार्च 1975 श्रादेश

विषय—1,21,500 रुपए, 2,43,000 रुपए एवं 1,21,500 रुपए के लिए जारी किए गए ऋमणः लाइसेंस सं० पी०-एस०/1784538 दिनांक 20-जुलाई 1974 की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा शुल्कप्रति एवं लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 1974 की सीमा शुल्कप्रति को रह करना ।

9/240/ए० एम० 74/एस० एस० म्राई०-2--सर्वश्री ज्यो इण्डस्ट्रीज, एवं इन्सेक्टिसाइड्स (इण्डिया) प्रा० लि० 82/3-ए सथनगडू मदास-19 को श्रप्रैल/मार्च 1974 ग्रवधि के लिए सीविन, हेक्टेक्लर, क्लोरडेन साइक्लोहेक्सेन एवं टेडियोन के श्रायात के लिए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538/श्रार०/ एम० एल०/52/एम०/37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मृत्य 1,21,500 रुपए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537/सी०/ एक्स० एक्स०/53/एम०-37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मूल्य 2,43,000 रुपए एवं पी०/एस०/1784539/टी०/ओ० म्रार०/ 52/एम० 37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मूल्य 1,21,500 स्पए प्रदान किए गए थे। फर्म ने लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की अनुलिपि सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण दोनों प्रतियों, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 1974 की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति एवं लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की अनुलिपि सीमाणुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि विषयाधीन लाइसेंस किसी भी सीमागुल्क प्राधिकार के पास पंजीकृत कराए बिना भ्रौर उनका बिल्कुल उपयोग किए विना ही खो गए/ग्रस्थानस्थ हो गए हैं। ग्रपने तर्क के समर्थन में ग्रावेदक ने ग्रलग-श्रलग शपथ पत्न दाखिल किए हैं।

मैं संतुष्ट हूं कि मूल लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति, मूल लाइसेंस पी० एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा णुलक प्रति एवं मूल लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा णुल्क प्रति खो गई/ग्रस्थानस्थ हो गई है ग्रौर उसकी ग्रनुलिपि प्रतियां जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंन सं० पी०/एस०/1784538 की मूल मीमा णुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 की सीमा णुल्क प्रति एवं पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 1974 की सीमा णुल्क प्रतियां एतद्द्वारा रह की जाती हैं।

> एम० एफ० थ्रार० बिजली, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र प्रायुक्त कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 13 जुलाई 1975

सं० ई० एस० टी०-1-2(466)—भारतीय हथकरघा तकनीक संस्थान, वाराणसी के वरिष्ठ प्राध्यापक (वस्त्र रूपांकन) श्री एस० रंगराजन को, जो 7 मई 1971 से भारतीय हस्तकला श्रीर हाथकरघा निर्यात निगम मर्यादित, मद्रास में प्रतिनियुक्त थे, उसी संगठन में स्थायी रूप से समाहृत होने पर, 6 मई 1974 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से त्यागपत्र देने की श्रनुमित दी गई ।

राजेन्द्र पाल कपूर, वस्त्र ग्रायुक्त

वम्बई-20, दिनांक 25 जुलाई 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(640)— वस्त्र श्रायुक्त, श्रपने बम्बई स्थित कार्यालय के टेकनीकल श्रन्वेपक श्री जी० रामस्वामी को बुनकर सेवा केन्द्र विजयवाड़ा में 26 मई 1975 के पूर्वाह्र से, श्रन्य श्रादेश होने तक, सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (पी० श्रीर डी०) के पद पर सहुष नियुक्त करते हैं।

बी० ना० वसु, उप-निदेशक (प्रशासन)

उद्योग व नागरिक पूर्ति मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त लघु उद्योग का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1975

सं० ए०/19018/150/74 प्रणासन (राजपिवत)— संघ लोक सेवा ग्राथोग की सिफारिण पर विकास ग्रायुक्त लघु उद्योग, कृषि मंत्रालय के खाद्य विभाग में उप तकनीकी परामर्ण दाता के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ निरीक्षक श्री मोहन सिंह को, लघु उद्योग विकास संगठन में, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (फलपरिरक्षण) के रूप में, सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री मोहन सिंह ने 15 मई 1975 पूर्वाह्न को लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (फल परिरक्षण) का कार्यभार संभाल लिया है।

> के० वी० नारायणन, निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प्र०-1/1(778)—-पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० टी० श्रमका दिनांक 30 जून, 1975 के श्रपराह्म से निवर्तन ग्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1(932)—-स्थायी ग्रधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-2) श्री जगजीत सिंह 30 जून, 1975 के ग्रपराह्न से निवर्तन ग्राय् (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1(1023)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रवर क्षेत्र प्रधिकारी श्री डी० पी० गौड को दिनांक 20 जून, 1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों तक के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन रूप से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० पी० गौड की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के ग्रधीन होगी ।

(प्रशासन शाखा-6) दिनाक 18 जुलाई 1975

सं० प्र०-6/247(121)/58—स्थायी सहायक निरीक्षण श्रिष्ठकारी (इन्जी०) श्रीर पूर्ति तथा निपटान महानिद्देशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-2 में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण श्री एम० बी० प्रभु दिनांक 30 श्रप्रैल 1975 (श्रपराह्न) से स्वैष्ठिक सेवा निवृत्ति पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

कें० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन शाखा-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प्र० 1/1(1009)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र ग्रिधकारी श्री एस० के० तालुकदार को दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री तालुकदार को सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णत: श्रस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्थामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के ग्राधीन होगी

> के॰ एल॰ कोहली, उप-निदेशक (प्रशासन)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 15 जुलाई 1975

सूचना

सं० जी०-65/बी० (कान)—1. श्री डी० के० कानूनगो वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी) राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की सूचना सं० जी०-65/बी० (कान) दिनांक 8 श्रगस्त 1973 के श्रनुसार दिनांक 18 जुलाई 1973 से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक श्रधिकारी (भौतिकी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किए गए थे, पुनः दिनांक 5 जुलाई 1975 के श्रपराह्म से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी) के रूप में परिणीत किए गए।

2. श्री पी० बी० मण्डल, वैझानिक श्रिष्ठिकारी (भौतिकी) जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की सूचना सं० ई० 1255 दिनांक 24 जुलाई 1973 के ग्रनुसार दिनांक 5 जुलाई 1973 के ग्रपराह्म से राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता से कार्य मुक्त हुए जिससे कि हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्सट्रक्शन लि० कलकत्ता में कार्यभार संभाल सकें उन्हें हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लि० कलकत्ता से दिनांक 5 जुलाई 1975 ग्रपराह्म से कार्यमुक्त होने के बाद इस कार्यालय में उसी दिनांक से वैज्ञानिक ग्रिष्ठिकारी (भौतिकी) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की ग्रनुमित दी गई।

सुजित कुमार चट्टोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन) कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

शिक्षा, समाज कल्याण ग्रौर संस्कृति मंत्रालय भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 2/32/75—पुरा० पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 के श्रन्तर्गत जो पुरावशेष नहीं हैं, ऐसे सामानों या पदार्थों का वस्तुश्रों के निर्यात के लिए पारित करने वाली बम्बई विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संख्या को अगले आदेशों तक निम्त-लिखित सदस्य को और जोड़कर बढ़ाने का निश्चय किया है:--

श्री डब्ल्यू० एच० सिद्दीकी, ग्रधीक्षण पुरातत्ववेत्ता भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पश्चिमी मंडल, बदोदरा-390001 ।

> नी० र० बैनर्जी, निदेशक (पुरावशेष) कृते महानिदेशक

भ्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० 4/3/73 एस०-एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा आकाशवाणी के निम्नलिखित तदर्थ कार्यक्रम निष्पादकों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं:--

| क्रम सं० नाम | बह केन्द्र/कार्यालय जहां काम कर रहे हैं | नियमित नियुक्ति की तारीख |
|------------------------------|--|--------------------------------|
| 1. श्री ग्रार० के० सिन्हा | दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली | 1-4-75 |
| 2. श्रीमती उर्वशी जोशी | कटक | 8-4-75 |
| 3. कुमारी मंजुला भटनागर | विदेश सेवा प्रभाग नई दिल्ली | 29-3-75 |
| 4. श्री जी० एस० शर्मा | वाराणसी | 31-3-75 |
| 5. श्रीबी० के० सरकार | हैदरा बाद | 29-3-75 |
| 6. श्री एम० के० सिंह | इम्फाल | 1-4-75 |
| 7. श्रीए च ०सी० शर्मा | रायपुर | 2 -4 -75 |
| 8. श्रीमती इन्दुबाई रमेश | ा नई दिल्ली | 28-4-75 |

दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० 4(35)/75-एस०-एक—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री विजय वर्द्धन दीक्षित को 20 जून 1975 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, जालंधर में, श्रस्थायी श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(56)/75-एस०-एक--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री फैयाज मुहम्मद खां को 5 जून, 1975 के श्रपराह्म से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में, श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(113)/75-एस०-एक----महानिवेशक, श्राकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री मुहम्मद अंसार रहमान खां को 3 जून, 1975 से अभ्रेतर आवेशों तक, श्राकाशवाणी, गोरखपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। सं० 4(125)/75-एस-एक—महानिदेणक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० वासवराज को 16 जून, 1975 में अग्रेतर ग्रादेणों तक, ग्राकाणवाणी, मैंसूर में, ग्रस्थायी ग्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1975

सं 4(12)/75-एस-एक—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा कुमारी किरण मुल्तानी को 16 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाणवाणी, नई दिल्ली म, श्रस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(32)/75-एस-एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्बारा श्री श्रासकरण शर्मा को 23 मई, 1975 से श्रग्नेतर आदेशों तक, श्राकाशवाणी, श्रहमदाबाद में, श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 4(25)/75-एस-एक—सहानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री तोंगमें थम चित्तरंजन सिंह को 7 मई, 1975 (श्रपराह्न) से अभेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, इम्फाल में अस्थायी श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(26)/75-एस-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री लक्ष्मण दत्त दीक्षित को 1 जुलाई, 1975 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, भोपाल में श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(89)/75-एस० एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मणि प्रसाद राय को 16 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, खरसाझ में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

णान्ति लाल, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई विल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० 2/20/60-एस-दो—श्री ग्रार० वार्नवस, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी, श्राकाशवाणी, मद्रास, श्रधिवर्षता की श्रायु पर पहुंचने पर 30 जून, 1975 (श्रपराह्न) से सेवा-निवृक्ष हो गए।

> र० कु० खट्टर, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 75

सं० 17-45/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीडी० एन० ईसर को 4 जून 1971 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सम्पादक (श्रंग्रेजी) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है। सं० 19-35/73-एडिमन-I—-ग्रपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप श्री आर० के० जयशीलन ने 26 जून, 1975 के अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में सहायक जन स्वास्थ्य इंजीनियर के पद का कार्य भार छोड दिया।

सं० 35-6/75-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती राज डोगरा के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान परश्रीमती कुसुम लता कंसल को 23 जून, 1975 के पूर्वाह्म से 3 सितम्बर 1975 तक विल्गिडन ग्रस्पताल. नई दिल्ली में श्राहारविद् के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 27-3/72-एडमिन-I—भारत के महापंजीयक के कार्या-लय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के निःसंवर्ग पद (आई०एस० एस० के ग्रेड-3 के समकक्ष) पर अपनी नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री टी० के० ऐकत ने 30 जून 1975 के अपराह्म को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद का कार्यभार छोड दिया।

> सूरज प्रकाश जिन्दस, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-11, विनांक 21 जुलाई 1975

सं० 20-12/75-सी० एच० एस०-2—प्रपना त्यागपत्त स्वीकार हो जाने के फलस्यरूप डा० वी० सीतारमन ने 7 जून, 1975 के श्रनराह्म की केन्द्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण श्रनुसंधान संस्थान चिगंलपट में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

दिनोक 22 जुलाई 1975

सं० 20-14/75-सी० एच० एस०-2---श्रपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० सन्थ राम सिंह ने 10 जून 1975 के श्रपराह्म को केन्द्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण श्रनुसंधान संस्थान, चिंगलपट में कनिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

> रिवन्द्र नाथ तिवारी, उप-निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग) बम्बई-400085, दिनांक 4 जुलाई 1975

श्द्धिपत्न

सं० पी० ए०/81(56)/75-प्रार०4—10 जून, 1975 दिनांक के इस अनुसंधान केन्द्र की समसंख्या अधिसूचना में श्री अविनाश केणव खरे के संबंध में ("भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) "के स्थान पर" भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी)" पढ़ा जाये।

पी० उन्नीकृष्णन, उपस्थापना ग्रधिकारी(भ) बम्बई-400085, दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० डी/198/टी॰पी॰डी॰/75/स्था-Ш--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई ड्राफ्टमैन (बी) और स्थानापन्न बैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०) श्री हरीण चन्द्र दबल ने, जो 1 मई, 1974 के अपराह्म से मेसर्स इंडी-बर्मा पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड, शिवरी, बम्बई-400015 के साथ विदेश सेवा में प्रतिनियुक्त किये गये थ, विदेश सेवा से प्रत्यावर्तन पर 2 मई, 1975 के पूर्वाह्म से इस अनुसंधान केन्द्र में बैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एम० बी०) के पर का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० ग्रार० बोंद्रे, उप स्थापना ग्रधिकारी कृते निदेशक

बम्बई-400085, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० बी/620/लेखा/स्था०-III—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री णंकर विष्णु भावे को छुट्टी रिक्त स्थान में 3 मार्च 1975 पूर्वाह्न से 31 जुलाई 1975 तक के लिए इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ए० शांत कुमार मेनन, उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग (भारी पानी परियोजनाएं)

बम्बई-400008, दिनांक 30 जून 1975

संदर्भः सं० भाषाय/संस्थ/1/डी-3/4351—भारी पानी परि-योजनाम्नों के विशेष कार्य प्रधिकारी, श्री किशोरचन्द्र मथुरादास धांधां, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (बम्बई कार्यालय) के स्थानापन्न सहायक लेखापाल को, श्री श्रन्युत मुक्रुन्द वैद्या, सहायक लेखा प्रधिकारी के स्थान पर 7 मई, 1975 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1975 (ग्रपराह्न) तक के लिए भारी पानी परियोजना (कोटा) में स्थानापन्न रूप से लेखा ग्रधिकारी II, नियुक्त करते हैं।

संदर्भ सं० भाषाप/संस्थापना/1/वी-22/4352—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य श्रधिकारी, श्री श्रचुत मुकुन्द वैद्या, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई सहायक लेखाकार तथा स्थापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी जो श्रव भारी पानी परियोजनाओं (बम्बई कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं की श्री सदानिय यशवन्त गोखले, लेखा श्रधिकारी II, भारी पानी परियोजना (कोटा) जो छुट्टी पर है, के स्थान पर 7 मई, 1975 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1975 (श्रपराह्न) तक के लिए लेखा श्रधिकारी II नियुक्त करते हैं।

टी॰ सी॰ सत्यकीर्ति, वरिष्ट प्रशासन ग्रधिकारी (तारापुर परमाणु बिजलीवर)

बम्बई-401 504, दिनांक 2 जलाई 1975

सं० टी॰ए०पी॰एस॰/प्रणा०/735-ए०/842---परमाणु उर्ज़िवभाग के तारापृर परभाणु विज्ञितिचर के मुख्य अधिक्षक, श्री थी॰ के॰ पी॰ पिल्लै की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन सास की और अवधि के लिए अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो बढ़ाते हैं।

सं० टी ०ए०पी ०एस० /प्रणा० / 735-ए० / 843 — परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजली बर के मुख्य ग्रश्नीक्षक, श्री श्रार० ग्रार० बन्दनी की सहायक कार्मिक श्रीधकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की श्रविध को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन मास की ग्रौर ग्रविध के लिए श्रयदा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाना है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाते हैं।

सं टी ०ए०पी ०एस० /प्रणा० / 735-ए० / 844— परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजली घर के मुख्य ग्रधीक्षक, श्री पी० गणपति की सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्तित की ग्रवधि को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन मास की ग्रौर ग्रवधि के लिए ग्रथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन ग्रधिकारी

(परमाणु विद्युत् प्राधिकरण)

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई-400 039, दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० ए०पी०ए०/प्रमा०/16/5/73/862—परमाणु विद्युत् प्राधिकरण के ग्रध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, स्थानापन्न कार्मिक ग्रधिकारी श्री कोरुतारा कोचुकुट्टन केलुकुट्टी को, श्री वी० वी० सब्बरवाल; जिन्हें स्थानापन्न रुप से प्रशासन-प्रधिकारी-III के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर 2 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्म से दो मास की ग्रवधि के लिए निजी सिवय नियुक्त करते हैं।

वी० शिवकुभारन, मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन भौर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० ई०(1)04251—वेधणालाग्रों के महानिदेशक, नई दिल्ली ने भारतीय कृषि श्रनुसंधान परिषद् के प्रधीन केन्द्रीय शुष्क जोन श्रनुसंधान संस्थान में प्रतिनियुक्त श्री ए० कृष्णन, सहायक मौसम विशेषज्ञ का उनके भारतीय कृषि श्रनुसंधान परिषद् में स्थायी श्रन्तर्लयन होने पर भारत मौसम विशान सेवा, श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) से 1 श्रप्रैल 1969 के पूर्वाह्म से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। श्री ए० कृष्णन ने उचित श्राज्ञा से भारतीय कृषि श्रनुसंधान परिपद में श्रन्तर्लयन होने के लिये त्याग-पत्र दिया श्रीर उनको केन्द्रीय सेवा नियम 418 (बी) के श्रन्तर्गत लाभ प्राप्त होंगे।

एम० म्रार० एन० मनियन, मौसम विशेषज्ञ नेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० ए-32013/10/75-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी ग्रधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर की गई तदर्थ पदोक्षति की ग्रवधि 30 ग्रप्रैल 1975 से 30 सितम्बर, 1975 तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी हैं:

- 1. श्री एस० कृष्णस्वामी
- 2. श्री एस० पी० सिंह
- 3. श्री एन० वैंकटपति
- 4. श्री मणाल कान्ति पाल
- 5. श्री बी० एन० गोडबोले
- 6. श्री जे० बी० गर्मा
- 7. श्री ए० जी० नरसिंहम
- 8. श्री एस० जयारामन
- 9. श्री वी० श्रीनिवासन
- 10 श्री एम० एन० ग्रदुर
- 11. श्री पी० जे० ग्रय्यर
- 12. श्री एन० श्रार० स्वामी
- 13, श्री एम० ए० वेण्गोपाल
- 14. श्री एन० एन० गोपालन
- 15. श्री ग्रार० के० वर्मा
- 16, श्री वी० ग्रलागिरी
- 17. श्री पी० सी० बनर्जी
- 18. श्री एस०पी० हरदास

2—196GI/75

- 19. श्री कें ० के नारायण
- 20. श्री एस॰ पी॰ जैन
- 21. श्री कें पी० बी० नायर
- 22. श्री बी० डी० गरेकर

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ए-38012/1/75-ई० सी०—नियंत्र क संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय के श्री आर० सी० रायचौधरी, विरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30 जून, 1975 (अपराक्ष) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए-32013/5/73-ई० सी०---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री ए० एन० श्रीवास्तव, सहायक तकनीकी श्रीधकारी को 26 जन 1975 से श्रगले श्रादेश जारी होने तक निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए-32013/11/75-ई० सी०--इस विभाग के अधिसूचना 3 मार्च, 1975 संख्या ए-32013/12/73-ई० सी०, 19/20 मार्च, 1974 सं० ए-32013/9/73-ई० सी० श्रीर 16 जनवरी, 1973 संख्या ए-32013/1/73-ई० सी० के अम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ट तकनीकी अधिकारियों की तदर्य पदोन्नति की अविधि की बरोसरी 30 जून 1975 तक प्रदान करते हैं:

- 1. श्री पी० एल० मोदगिल
- 2. श्री ए० नरेन्द्र नाथ
- 3. श्री एम० एस० कृष्णन्
- 4 श्री सी० श्रार० नरसिंहम
- श्री ग्रो० सी० एलक्जेन्डर
- श्री सी० बी० बैंकटसन
- श्री एस० वी० प्रय्यर
 श्री प्रार० सी० राय घौधरी
- 9. श्री एस० रामाचन्द्रन
- 10. श्री एस० के० चन्द्रा
- 11. श्री जी० बी० कोशी
- 12. श्री पी० ग्रार० सुर्यनन्दन
- 13. श्री एन० के० नान्
- 14. श्री ए० रामानाथन
- 15. श्री एस० के० दास
- 16. श्री बी० एस० ग्रेवाल
- 17. श्री बी० श्रार० चतुर्वेदी
- 18. श्री जे० के० भद्राचार्य
- 19. श्री पी० एस० धुनता
- 20. श्री डी० सी० मेहसा
- 21. श्री बी० के० बाबू

सं० ए-32013/12/75-ई० सी०—इस विभाग के प्रिधसूचना 19 प्रप्रैल, 1974 संख्या ए-32013/9/73-ई० सी०, 27 मई, 1974 संख्या ए-32013/9/73-ई० सी० प्रौर 29 मार्च/4 प्रप्रैल, 1975 संख्या ए-32013/9/73-ई०सी० के कम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित विरिष्ठ संचार प्रिधकारियों की तदर्थ पदोक्षति की प्रविध की बढ़ोलरी 30 जून, 1975 तक प्रदान करते हैं:

नाम भ्रौर पद तथा नियुक्ति का स्टेशन

- 1. श्री किश् टैकचन्दानी --वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
- 2. श्री बी० के० कालरा--वैमानिक गंचार स्टेशन, गोहाटी
- 3. श्री एस० सी० गोस्वामी—वैमानिक संचार स्टेशन, ग्रगरतला ।
- श्री ग्रार० पी० शर्मा—वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
- 5. श्री लाजपत राय गर्ग—वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई बिल्ली ।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक, 16 जुलाई 1975

सं० ए-35017/1/72-ई० ए०—निम्नलिखित प्रधिकारी भारतीय ग्रन्तर्गष्टीय एयरपोर्ट प्राधिकरण में स्थायी रूप में नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से नागर विमानन विभाग में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं:—

कम सं०, नाम, नागर विमानन विभाग में धारित पद तथा नागर विमानन विभाग से सेवानिवृक्ति की तारीख

- 1. श्री भ्रार० डी० प्रधान, उप-निदेशक नियंत्रक विमान क्षेत्र—1-5-74।
- 2. श्री एन० के० ड, वरिष्ठ विमानक्षेत्र प्रधिकारी---1-5-74 ।
- श्री जी० वी० गांडिल्य, विरष्ठ विमान क्षेत्र ग्रिध-कारी---1-5-74 ।
- 4. श्री जी० एन० लोकरे, वरिष्ठ विमानक्षेत्र ग्रधि-कारी---1-5-74 ।
- 5. श्री सी० जी० विश्वनाथ, वरिष्ट विमानक्षेत्र भ्रधि-कारी---1-5-74 ।
- 6. श्री के॰ एस॰ जयराम, वरिष्ठ विमानक्षेत्र ग्रिधि-कारी—1-5-74।
- 7. श्री के० के० गुलाटी, विमान क्षेत्र प्रधिकारी——
- श्री एफ० के० उमरीगर, सहायक ग्राग्निशमन ग्राध-कारी—1-7-73।

सुरजीत लाल खण्डपुर, सहायक निवेशक प्रशासन

केन्त्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 14 जुलाई 1975

मि० सं०-II(7) 5-स्था०/75/7207--इस कार्यालय के स्थापना आवेश सं०-172/75 दिनांक 8 मई 1975 जो मि० मं०-II(3) 43-स्था०/73/23362-81 दिनांक 8 मई 1975 के द्वारा पुष्टांकित किया गया तथा जिसके द्वारा केन्द्रीय उत्पादक को चार निरीक्षकों (व० श्रे०), 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद, ब्रितीय श्रणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था के अनुसरण में निम्न श्र्यक्तियों ने एतद्द्वारा स्थानों में उनके नामों के समक्ष दिखाए गई तिथियों और समय पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद द्वितीय श्रेणी के रूप में कार्यमार ग्रहण किया।

क़ ० सं० नाम भौर पदास्थापना के स्थान तथा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि

- 1. श्री सावलिया बिहारी—श्रधीक्षक, के० उ० (टक०) मु०, पटना— 31-5-75 (श्रपराह्म)
- 2. श्री मथ्रा प्र० सिंह—मधीक्षक, के० उ० कुमारधुनी रेंज— 31-5-75(पूर्वास्त्र)

मि० सं०-II(7) 5-स्था०/75/7202---इस कार्यालय के स्थापना भ्रादेश सं०-232/75 दिनांक 13 जून 1975 भो मि० सं०-II(3) 101-स्था०/74/32642-86 दिनांक 13 जून 1975 के द्वारा पृष्टांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री एच० की० झा, कार्यालय भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शृल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 ६० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सिहत के वेतनमान में प्रशासन भ्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शृल्क, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के भ्रनुसरण में श्री एच० डी० झा ने प्रशासन भ्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद, लहेरियासराय का कार्यभार दिनांक 1 जुलाई 1975 के पूर्यान्न, में ग्रहण किया।

ए**च० एन० साहु,** समा**हत**ि

निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1975 शक्ति-पत

शुद्धि-पत्न

सं ० 1041/21/75—विस्त महालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) की प्रधिसूचना सं ० 57 विनांक 4 जून 1975 में श्री श्रीधर प्रसाद का प्रधीक्षक/सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-I विनांक 16 मई 1975 से नियुक्त किए जाने पर इस निदेशालय की प्रधिसूचना सं ० 8/75 विनांक 9 जून 1975 एतद्द्रारा रह की जाती है।

सं० 9/1975—श्री ए० नटराजन ने, जो कि पिछले दिनों समाहर्तालय मद्रास, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में श्रधीक्षक श्रेणी-II के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निवेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दक्षिणी प्रादेशिक एकक, मद्रास में दिनांक 30 जून 1975 के दोपहर बाद से निरीक्षण श्रधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

बी० एस० चावला, निरीक्षण निदेशक सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद गुरूक

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विमाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1975

> पी० एस० पारवानी, प्रमासन उप-निदेशक

रेल मंत्रालय

त्रनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन लखनऊ-11, दिनाक 16 जुलाई 1975

सं० ई०-II/ब्राएटी/ब्रो/कान्फ——दिनांक 1 सितम्बर 1969 की अधिसूचना सं० ए/ईएस/सीएफएम/ब्रो के ब्रन्तर्गत अनु-संधान अभिकल्प और मानक संगठन में श्री श्रीकृष्ण दास का दिनांक 15 मार्च, 1967 से अनुभाग अधिकारी (लिपिक वर्ग) के रूप में स्थायीकरण पूर्विपक्षी प्रभाव से निरस्त किया जाता है ।

सं ६-II/ग्रारटी/ग्रो/कान्फ/I—श्री नवनीत लाल को ग्रनु-संधान ग्रंभिकल्प ग्रीर मानक संगठन में दिनांक 15 मार्च, 1967 से ग्रनुमाग ग्रधिकारी (लिपिक वर्ग) के रूप में स्थायी किया जाता है।

> टी० बी० जोसफ, महानिवेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 18 जुसाई 1975

सं पीबी/जीजी/9/मिशा -II--1. श्री पी० ग्रार० नारायणन, स्थानापन्न सहायक निरीक्षण इंजीनियर (श्रेणी II) ने भ्रनुसंधान श्रिभकल्प मानक संगठन, लखनऊ से स्थानांतरण होने पर दिनांक 9 जून 1975 के पूर्वाह्न को सवारी डिब्बा कारखाने में कार्यग्रहण किया श्रीर उन्हें स्थानापन्न सहायक

उत्पादम इंजीनियर/प्रगति/फर्निसिंग (श्रेणी II) के पद पर तैनात किया गया।

- 2. श्री सी० एस० वेंकटरामन, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक (व०मा०) (तदर्थ) को श्रेणी II सेवा को रिवर्ट किया गया भीर उन्हें दिनांक 24 जून 1975 के पूर्वाञ्च से स्थानापन्न सहायक भंडार नियंद्यक/खरीद/ शेल के पद पर तैनात किया गया।
- 3. श्री एस॰ बालसुत्रमणियन, स्थानापस सहायक भंडार नियन्नक/खरीद/गेल (श्रेणीII) को दिनांक 24 जून 1975 के पूर्वाह्न से (श्रेणी III) सेवा को रिवर्ट किया गया है।

एस० सुब्रमनियण, उप मुख्य कार्मिक श्रधिकारी कृते महा प्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पाण्डू, दिनांक 19 जुलाई 1975

- सं० ई/283/31 पार्ट VIII(O)—श्री के० सी० चौधुरी, पुल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक पुल इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 10 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 2. सं० ई/83/III/54पी०VIII(O)—श्री बी० के० नन्दी, सवारी एवं माल डिब्बा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 14 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 3. सं० ई/283/31 पी० टी० VIII(O)—श्री एस० के० धर, निर्माण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 4. सं० ई/283/32 पी० टी० VIII(O)—श्री पी० एस० राव, प्रवर नक्शा नवीस (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 5. सं० $\frac{1}{2}$ / 283 / 92 पी० टी० X (O) श्री पी० सी० दास, मुख्य लिपिक, (तृतीय श्रेणी) को स्थानापश्च रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य श्रिधकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 1 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 6. सं० $\frac{5}{283/82}$ िगि० टी०X(O)—श्री सी० एल० बन्द्योपाध्याय, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापम रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन श्रधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 3 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

- 7. $\frac{1}{8}/283/82$ /पी० टी० X (O)—श्री जे० सी० दत्त, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से दितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन श्रधीक्षक के पद पर काम करने के लिये दिनांक 4 फरवरी 1975 से मिमुक्त किया जाता है।
- 8. ई/283/31/पी० टी० VII(O)—श्री पी० के० गोस्वामी, पुल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से ब्रितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 5 फरवरी 1975 से नियुक्स किया जाता है।
- 9. $\frac{1}{8}/283/82/91$ ० टी० X(O)—श्री जी० हाजरिका, जिप्टी कन्ट्रोलर (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन ग्रधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 8 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- $10. \ \xi/283/82/पी० टी० X (O)--श्री जी० बी० घटर्जी, डिप्टी कन्ट्रोलर (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से ब्रितीय श्रेणी की सेवा में सहायक पणन एवं विकय प्रधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक <math>8$ फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 11. ई/283/84/पी॰VII(O)—श्री ए॰ सी॰ दास, लोको निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर सहायक यांतिक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 11 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 12. $\xi/283/III/120/पी<math>\circ$ III(O)—श्री बी \circ बस्मा, डिपो भंडार पाल (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक भंडार नियंत्रक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 21 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 13. पी० एन० श्रां०/65/215/पी० टी० IV--श्री ए० सी० सिंह, सहायक लेखा श्रधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को स्थाना-पन्न रूप से प्रवर लेखा श्रधिकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 14. ई/283/31/पी०टी०VIII(O) --श्री डी० के० मिल्ल, रेल-पथ निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 26 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 15. $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

कारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 28 फरवरि 1975 से नियुक्त किया जाता है।

- 16. ई/283/III/30पी०टी० V(O)—श्रीएच० सी० सैक्सेना, प्रवर श्रम कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थाना-पन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक ग्रीधिकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 6 मार्च 1975 से नियुक्त किया जाता है।
- 17. $\frac{1}{8}/283/82/91$ ० टी० X(O)— श्री टी० के० साहा, यातायात निरीक्षकः (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिष्य श्रधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 18 मार्च 1975 से नियुक्त किया जाता है।

एम० श्रार० रेड्डी, महा<mark>प्रवस्ध</mark>क

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी स्रिधिनियम 1956 स्रीर

फास्ट एण्ड सेफ्टी ट्रानस्पोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में एरणाकुलम, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 2155/विघ०/ग्रार०-4090/75—कम्पनी ग्रधिनियम 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर फास्ट एण्ड सेफ्टी ट्रानस्पोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात ना किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> पी० एस० भान्यार, कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

भ्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण बम्बई-20, दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० एफ० 48 एडी (एटी)/75—इस कार्यालय की श्रधिसूचना सं० एफ० 48 एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 22
जनवरी 1975 के भागतः उपान्तर में दी गई श्रधिसूचना
सं० एफ० 48 एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 18 जून,
1975 एसद्द्वारा रह होती है। श्रधिसूचना सं० एफ० 48
एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 22 जनवरी, 1975 श्रब
जारी रहेगी।

हरनाम शंकर, प्रध्यक्ष प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० -1001-यत: मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ १० से भ्रधिक है

स्रौर जिस की सं० जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7635 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो कपूरथला रोड जालंधर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उन्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उन्त अबिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित अधितयों, अर्घातृ:——

- 1. श्री राम कुमार भारद्वाज सपुत्र पंडित सतपाल भारद्वाज सैन्द्रल टाऊन जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्ज रिवन्द्र कुमार विजय कुमार 15 इविनिंग कालेज बिलडिंग रोड जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:--दसमें प्रमुक्त मान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7635 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्घर ।

तारीख 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 1042—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7634 नवम्बर 1974 में है तथा जो गांव वरीना तहसील जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- राम कुमार भारद्वाज सपुत्र श्री सतपाल भारद्वाज सैन्
 दाऊन जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार, ग्रशोक कुमार सपुत्र श्री लाभ चन्द्र सपुत्र श्री सरवारी लाल जैन जालन्धर शहर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके घिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि विलेख नं० 7634 नवस्थर-1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रंबीन्त्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० ~1043--- पत: मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से म्रधिक है भ्रोर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7215 नवम्बर 1974 में है तथा जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार प्रतिफल के लिए कम के दुश्यमान भ्रन्तरित यह विश्वास है भीर मुझे कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

- 1. श्रीमती (1) राम रक्षो सपुत्री सरवल सिंह (2) गुरनाम चन्द सपुत्र बाल चन्द निवासी अनृतसर (अन्तरक)
- 2. श्रात्मा सिंह सपुत्र खुशहाल सिंह निवासी रामपुर तहसील गढणकर जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं (वह ध्यक्ति, जिसके स्रिविभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिन के बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं: ---

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसाथक रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7215 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1044--यतः मुझे रवीन्द्र भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000-∕ रु० से ग्रधिक भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7214 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दम्यमान प्रतिकल के लिए ग्रग्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से क**थित नहीं किया ग**या €:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाधत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

- 1. श्री ग्रात्मा सिंह सपुत्र श्री खुशहाल सिंह जिला होशियारपुर निवासी रामपुर तहसील गढ़शंकर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्या देवी सपुत्री झान्जी 48ए ग्रोल्ड जबाहर नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पक्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7214 नवस्वर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालस्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्</mark>षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1045--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, प्रधिनियम, श्रायकर 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इ.सके **ंश्**चात 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7716 नवम्बर 1974 में है तथा जो दीपक सिनेमा चौक लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या श्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3—196GI/75

- श्री दिलबाग सिंह सपुत्र ऊधम सिंह ग्रलाईस ग्राफ कमल-जीत सिंह सपुत्र दिलबाग सिंह जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- एस० म्राई० बैंक एंड बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर। (म्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्यति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की "श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रद्ध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7716 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

सारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1046--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम,' कहा गया है) 2.69-ख**r** के ग्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7560 नवस्बर 1974 में है तथा जो बस्ती शंख जालन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलेखिल श्र्यक्तियों सर्थान :—

- 1. श्री दिलबाग सिंह सपुत्र श्री ऊधम सिंह 300 एल माडल टाऊन जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. एस० श्राई० बरिक्स विलिंडग प्राईवेट लिमिटेड दीपक सिनेमा चौक लुधियाना (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में में सम्पत्ति हैं)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घत्रि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो 'उक्त स्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7560 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता फ्रिधिकारी जालन्धर में सिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, मक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 की) धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1047--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य ६० 25,000/- से श्रधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नं० 7413 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो जालन्धर में 'स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्पत सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त आधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधरा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रथीत :——

- श्री नन्द किशोर सपुत्र श्री बनारसी दास मकान नं० 170, मुहल्ला महिन्द्रु जालन्धर । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला वित पत्नी जुग लाल, रमेश रानी पुत्नी केवल कृष्ण व कान्ता रानी पत्नी सुभाषकुमार, प्रवीण कुमार पत्नी विजय कुमार जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो 'उकत अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

अमुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7413 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर ,दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०:-1048--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1048 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित

बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का गरण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रति-त से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती शाली बाई पत्नी शाम लाल निकट भ्रोल्ड बस स्टैन्ड प्रताप रोड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तारा चन्द गोयल सपुत्र श्री हरि सिंह निकट फिश मार्कीट जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7250 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 ज्लाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०—1049—-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7592 नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती गुंजा जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्वाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री उद्धम सिंह बस्ती गुंजा जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्यारा सिंह सपुत्र श्री हाक्म सिंह बस्ती गुंजा जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसर्में प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7592 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० नं० 1050--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1050 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप चौक जालन्धर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाब द प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से के दृश्यमान प्रतिफल लिए ग्रन्तरित के की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठिनियम, के भ्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

- 1. मदन मोहन भारद्वाज सपुत बक्शी तुलसी दास प्रतीप चौक जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सोमनाथ अग्रवाल श्राफ दाना नगर जिला गुरदासपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7527 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालम्घर

तारीख : 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ० ए० पी० नं ० — 1051 — यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7306 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

भ्रतः अब उक्त अधिनियमकी, धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:~-

- 1. श्री श्रव्छर सिंह सपुत्र श्री राम सरन मुहल्ला प्रेम नगर जालन्धर (श्रन्तरक)
- श्री धर्मवीर सुपृत्र श्री जगत राम 930 मुहल्ला गोविन्द गढ़ जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ध्रधें होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7306 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31-7-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० ए १० -- -

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 1052---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार (1961 年1 भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- **र**० से अधिक है उचित बाजार मुल्य श्रौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1052 नवम्बर 1974 में है तथा जो गोराया में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान सिए भ्रन्तरित है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ्बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिफल प्रतिशत से मधिक के पन्द्रह दश्यमान भ्रन्सरक (भ्रन्तरकों) और ग्रीर (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यत: प्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपबारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री धन्नू सपुत्र श्री नाभा, गांव गुराया तहसील फिल्लौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तीर्थ राम सपुत्र श्री साधु राम निवासी बडा पिन्ड तहसील फिल्लौर जिला जालंधर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3237 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1053--यतः मुझे रवीन्त्र कुमार आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रधिकृत विलेख नं० 1864 नवम्बर 1974 में है तथा जो दाना मंडी जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नकोवर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे **बुश्यमान प्रतिफलके पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अस्तरक** (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भारतीय आय-कर अधिनियम, को. जिन्हें 1922 (1922 11) उदत का अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं द्वाराप्रकट नहीं किया गया या या किया जाना छिपाने में सुविधा के सिए। घाहिए था,

अतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:---4-196 GI/75

- 1 श्री जगजीत सिंह, हरवन्स सिंह सपूत्र महंगा सिंह सपुत रूड सिंह पन्डोरी खास मार्फत हरवन्स लाल सपुत श्रीनथ्मल
- 2. श्री करतार सिंह सपुत्र श्री रूड सिंह पन्डोरी तहसील
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1864 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 31 जुलाई 1975 मोहरः 🤚

प्ररूप धाई० टी० एम**० एस०**--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1974

निदेश सं० ए० पी० 1054---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार **प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं ० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2001 नवम्बर 1974 में है तथा जो नकोदर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को प्रवीकत सम्पत्ति के उचित मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने की शारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) मीर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में धास्तविक कप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उबत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री नीलकान्त, मशि प्रकाश, प्रीतम देवी, शकुन्तला देवी राम बन्ती सपुत्री कृष्णलाल नकोदर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गुरबब्श कौर पत्नी अमर जीत सिंह सपुत्र प्यारा सिंह नकोदर रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पित में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति. जिसके बारे में श्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह संपन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2001 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्रं कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख:--31 जुलाई 1975 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरोज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए०पी. नं० 1055----यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2002 नवम्बर 1974 में है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रोर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भ्रोर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- नील कान्त, शशि प्रकाश, प्रीतम देवी, शकुन्तला देवी रामा बन्ती सपुत्र, सपुत्री कृष्णलाल, नकोदर (ग्रन्तरक)
 - 2. अमरजीत सिंह सपुत्र प्यारा सिंह नकोदर रोड जालन्धर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है।

 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख तं० 2002 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1056--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7399 नवम्बर 1974 में है तथा जो पत्तरकलां जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य दुश्यमान प्रतिफल के धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—

- श्री साधु सिंह सपुत्र श्री कन्ह्या सिंह श्रलाईस गनेश सिंह गांव पत्तर कलां जिला जालन्धर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री अर्जैब सिंह सपुत्र रतन सिंह गांव पत्तर कला जिला जालन्धर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतक्कारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7399 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए०पी०नं०-1057—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०7447 नवम्बर 1974 में है तथा जो लप्पेवाली जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री श्रमर चन्द सपुत्र ढेरु राम निवासी पतारा, जिला जालन्धर । (श्रन्तरक)
- श्रीमती रत्न कौर पत्नी रक्ष्या राम सपुत्र श्री भगत राम जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितब क्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --ध्समें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7447 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रत्नोन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई, 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०

मायकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं० 1058—यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7448 नवम्बर 1974 में है तथा जो (लप्पेवाली) जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार

मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) धौर भन्तरित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः क्षत्र, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों श्रर्थातः—

- श्री ग्रमर चन्द सपुत श्री हेरू राम निवासी पतारा जिली जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती बलबीर कौर पत्नी चमन लाल निवासी [शैरपुर खेखल तहसील जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियो शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7448 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1059--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7196 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप कालोनी जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राध**-**कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्पत्ति वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह भि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- मदन मोहन भारद्वाज सपुत्र जीवन दास मार्फत बक्शी तुलसी दास सपुत्र बक्शी प्रताप ग्रिखिवार नहरू गार्डन रोड जालन्धर (श्रन्तरक)
- सोमनाथ अग्रवाल सपुत्र राम प्रकाश अग्रवाल दीना नगर गुरदासपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह ध्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवाधित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुखा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7196 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्राययुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

सारीख: 31-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1060--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया इसके 269-घ के अधीन सक्षम धारा प्राधिकारी की को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7264 नवस्वर जालन्धर में स्थित है में है तथा जो (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख नवस्थर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उप-घारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:-

- श्री ऊधम सिंह सपुल श्री जगत सिंह निवासी ग्रवतार नगर जालन्धर । (श्रन्तरक)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

ं को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7264 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रतीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्रक्रम भाई । टी० एन० एस०---

भायकर भिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ० ए० पी० नं ०-1061--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7335 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो काजी मन्डी दौलतपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत प्रक्षिक है और यह कि प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबल 'उक्त प्रिवित्यम', के भ्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; भ्रीर/या
- (■) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निस्निलिख व्यक्तियों, श्रवीत्:-5-196GI/75

- 1. श्री राममूर्ति सपुत्र श्री ग्रमी चन्द ई० जे० 316 रिम्राण पुरा जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज त्रिलोक चन्द हंस राज मन्डी फैन्टन गम्ज जालन्धर मार्फत त्रिलोकचन्द। (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7335 नवस्थर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखः 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ए पी -- 1062 -- यतः मृझे, रवीन्द्र कुमार, अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ह्यये से अधिक है और ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7417 नवम्बर 1974 में है तथा जो गार्डन एक्सटैनशन बाई पास जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुधी में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिरद्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों अर्थातः —

- श्री ग्राम कुमार भारद्वाज सपुत्र पंडित सत पाल भारद्वीज जालन्धर, जी० ए० ऊषािकरण पत्नी मिल्लिय नाथ मार्पत सत पाल पंडित एण्ड कम्पनी मिलाप नौक जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- श्री दिलीप सिंह, पूर्ण सिंह सपुत्र बुध सिंह लकड़ मन्डी जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7417 नवम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) मुजॅन रेंज जालस्थर ।

तारीषाः 31 जुलाई 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1063--पतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7502 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (घीर) इससे उपाबद्ध भनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (म्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के वीच ऐसे मन्तरण के लिए सप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 2. श्रीमती बलवीर कौर पत्नी तीर्थ सिंह सपुत्र प्रवतार सिंह गांव शंकर तहसील जिला जालन्धर (श्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किनी अन्य वाक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभापित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7502 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रबीन्द्र **कुमा**र,

सक्षम श्रधिकारी,

सहाक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज; जालन्धर ।

तारीख : 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश न० ए० पी० नं०-1064-पतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2590 नवम्बर 1974 में है तथा जो दस्हा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दस्हा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्लरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-म की उपभारा (1) के ज्योन निम्निचित व्यक्तियों, ग्रवील:——

- 1. श्रीमती कर्ण देवी विधवा श्री ढोला राम निवासी दसूह । जिला होशयारपुर। (धन्तरक)
- 2. महिन्द्र कौर पत्नी चरणजीत सिंह निवासी दसूहा जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां मुक्त करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण--- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2590 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी वसूहा में लिखा है।

> रवीन्द्रं कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

सारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, विमॉक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ए पी नं - 1065--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, 1961 **(**1961 **फ**ा 43) आयकर अधिनियम इसमें इसके अधिनियम' वश्चात 'उन्त कहा गया 🛊) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7211 नवम्बर 1974 में है तथा जो बाजार शेखां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्त अधिनियम', या घन-कर-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अन 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के जनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-म की उनकारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

- श्री रोणन लाल व राम कुमार सपुत श्री लाल राम सरन जालन्धर गहर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुलजारी लाल सनुत्र श्री राम सरण पता श्री देवी दास जालन्धर । (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)। ई

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7211 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय (निरीक्षक), सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त ध्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ० ए०पी० नं ०-1066--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7423 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो सूरा ब्रहम (जालन्धर) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें गारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री बरासिंह सपुत्र श्री गंगा सिंह गांव पट्टी प्रभनतपुर जिला जालन्धर (धन्तरक)
- 2. श्री स्वर्ण सिंह, कर्म सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह, गुरदीय सिंह, कुलदीय सिंह, श्रमरीक सिंह, लखबीर सिंह, विलोक सिंह सपुत्र चेन सिंह वे भूपिन्द्र सिंह सपुत्र करनैल सिंह गांव सलीम पुर जिला जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7423 नवस्वर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

सारीखः : 31 जुलाई 1975

प्र**रूप आई** • टी • एम • एस •--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी०-1067---यत: मुझे, रबीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25000/- से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रिअस्ट्रीकृत विलेख नं० 7736 नबम्बर 1974 में है तथा जो चाननपूर (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य

से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्री भजनसिंह, भजीत सिंह, जुगिन्द्र सिंह सपुत्र पुत्रा सिंह सपुत्र जीवा सिंह गांव सपटा तहसील जिला जालन्धर (धन्तरक)
- 2. हजूर सिंह सपुन्न श्री भगत सिंह सपुत्र श्री निहाल सिंह गांव गुदीनवाली तहसील जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों मा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7736 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालस्थर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रामकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ए०पी० नं 1068---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, **कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7737 नवम्बर 1974 में है तथा जो ललियां कला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण म्निधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, दिनांक 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ्र वश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्*ल्य*, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) मौर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त म्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः स्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) सबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :---

- 1. श्री निरंजन सिंह, महमा सिंह सपुत श्री सुन्दर सिंह माफ लिल्यां कलां तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री दीदार सिंह, निर्मल सिंह सपुत्र श्री स्वर्ण सिंह गांव लिल्यां कलां जालन्धर (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण --द्रसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7737 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकरी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखा: 31 जुलाई 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०1069---यतः मुझे, रवीन्द्र कूमार, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी संख्या जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7318 नवम्बर 1974 में है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

6—196GI/75

- 1. भृपिन्द्र कौर पत्नी श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह 615 सैक्टर 16 डी॰ (अन्तरक)
- 2. श्री महिन्द्र राम सपुत्र श्री फुमन राम गुरचरण सिह सपुत्र श्री लेखराज जी० टी० रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7318 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्ध्रर

जालन्धर, विनांक 31 जुलाई 1975

निदेश न० ए० पी० 1070—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घिषक है और जिसकी सं० जैसा कि रिजस्द्रीकृत विलेख न० 7391 नवम्बर 1974 में नथा जो काटलोपुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रवित्र रूप से अधित नहीं भिष्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री चानन सिंह मतवना श्री इन्द्र सिंह गांव काटलोपुर तहसील जिला जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्यारा सिंह, जोगिन्द्र सिंह, सतनाम सिंह सपुत्र श्री चानन सिंह, गांव जाखल तहसील जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7391 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन र्रोज, जालन्धर ।

तारी**ख** : 31 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1071---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295 नवम्बर 1974 में है तथा जो ललियां कलां जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ध्रिष्ठित्यम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :---

- 1. श्री मल सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह गांव ललियां कलां जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. बिचित्र सिंह, सपुत्र इन्द्र सिंह गांव लित्यां कलां जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबख है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295 नवम्बर 74 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर म लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० -1072-यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पये से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7271 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो बहगनी पिन्ड तहसील जालन्धर में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर

1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त ध्रिष्ठि-नियम, के ध्रिधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उनत प्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रयीन :--

- 1. श्री स्वर्ण सिंह सपुत्र श्री मिलखी वासी चक्क हुसैना लम्बा पिन्ड जालन्धर (श्रन्तरक)
- श्री ग्रमरिसह लाल सिंह, चानन सिंह सपुत्र श्री गन्डा सिंह लम्बा पिन्ड जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हैं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां करता हूं:—

उक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 7271 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रबीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं ० ए० पीं ० नं ०-1073--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रु० से अधिक है 25,000/-भौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विक्लख न० 7223 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य लिखित में वास्तविक रूप से कथित से उभक्ष भन्तरण महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों;
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः—

- 1. श्री रहमत नसीब सपुत्र श्री लहना मसीह गांव धोगडी तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह सपुत्र श्री ज्ञान सिंह गांव रुडकी खास, तहसील गढ़णंकर, जिला होणियारपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिणाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7223 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 31 जुलाई 1975 मोहर : प्रसप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए०पी०-1074---यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है ग्रौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7383 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ख्रौर इससे उपाबद्ध **ग्रन्मु**ची में <mark>ग्रौ</mark>र पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम,' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. श्री जगन नाथ सपुत्र श्री रधु राम ग्राफ जन्डू सि**धां जिला** जालन्धर (ग्रन्तरक)
- श्री डोगल सिंह सपुत्र महिन्द्र सिंह सतनाम सिंह सपुत्र श्री सन्ता सिंह श्राफ कपूर पिन्ड जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7383 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

तारी**ख**ः 31 जुलाई, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1075—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7554 नथम्बर 1974 में है तथा जो कपूरिपन्ड (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख नवम्बर

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र दारा सिंह कपूरिपन्ड जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मलिकयत सिंह, नोहन सिंह, सुरिन्द्र सिंह, केवल सिंह सपुत्र बलवन्त सिंह कपूरिपन्ड (जालन्धर) (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - (4) जो व्यक्ति सप्पित्त में इिव रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7554 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1076--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7497 नवम्बर 1974 में है तथा को भाव नागरा (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में र्वाणत है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पुर्वोक्त सभ्यति के उचित बाजार मृख्य से किम के वृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, श्रयात्:—

- (1) श्री रेशम सिंह, अजीत सिंह गांव नागरा तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री चानन सिंह, महिन्द्र सिंह, श्रमरीक सिंह सपुत श्री दलीप सिंह गांव नागरा तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7497 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1077—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नवम्बर 1974 में है तथा जो भोगपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है थ्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों. को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
7—196 GI/75

- (1) श्री बक्णी सिंह सपुत्र जीवन सिंह गांव तथा डाकखाना भोगपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री चानन सिंह, जसवन्त सिंह, यापिजीत सिंह ग्रमरीक सिंह संपुत्र कैप्टन निरंजन सिंह नगरनवली जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि जंब 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नमस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सझम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर -

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं ए० पी० नं 1078--प्रतः मुझे रकीन्द्र कुमार श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वास करने का कारण ह उचित बाजार मृल्य 25,00% - रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1228 नवस्वर 1974 में है तथा जो गांव पनमा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्गां में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशतःसे अधिक है और अन्तरक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण

के लिए तय पाया पदा प्रतिका, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्त-

रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिएथा, किएने में सुविधा के निए;

श्रतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. श्रथीत् :---

- (1) श्रीमती चानन कौर सपुत्नी श्री केसर सपुत्न श्री भूपा निवासी गांव लिट, पोस्टब्राफिस दसूहा (ग्रन्तरक)
- (2) उजागर सिंह सपुत श्री मन्ता सिंह मपुत्र भुला गांव पनमा जिला हुग्धारपुर, राम नाथ नमूना दास गुर-भजन सिंह, दर्शन सिंह निवासी लिट तहसील भूगा। (ग्रन्तिरती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिल**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिको अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रब्शें और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

भूमि जैसा कि रिक्षिक्षित क्लिख नं० 1228 नवस्वर 1974 को रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भूगां में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ऋधिकारी सहाद : प्रारंकर ऋायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक्ष प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०-1079---यत: मुझे रवीन्द्र कूमार, भ्रधिनियम, (1961 কা 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) 269-खा के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसको स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1167 नवम्बर 1974 में है तथा जो नंगल थाथल (तहसील हुणयारपुर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, भूँगा में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 🕺 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः श्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्थात :----

- (1) श्री बाबू राम सपुत्र श्री विजिरया सपुत्र श्री ग्रर्जन निवासी नंगल थाथल तहसील हुणयारपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीशलाल सपुत्र दीना नाथ प्रोतम दास गुरमीत सिंह थाथल तहसील हुशयारपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में रुचि रखता है।

 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रीधनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

े भूमि जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता विलेख नं० 1167 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भूँगा में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**: 31 जुलाई 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1080:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० जेंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3160 नवम्बर 1974 में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उनत श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) श्रीमती उमा वती सपुत्री अनता सपुत्र श्री मथरा गांव थाथल तहसील हुणयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मंगल सिंह, जगदीश सिंह, रवीन्द्र लाल सपुत्र श्री राम दास कश्मीर देवी पत्नी मंगल सिंह निवासी शेरपुर वरयाना तहसील हुशयारपुर (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3160 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुणयारपुर में लिखा हैं।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1081--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3108 नवम्बर 1974 में है तथा जो नगराली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिर्तः (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

ग्रतः अब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों ग्रथीतु:——

- (1) श्री जगत सिंह सपुत्र जीवन सिंह सपुत्र महन सिंह निवासी नगराला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पवन कुमार सपुत्र वेद प्रकाण सपुत्र श्री ग्रनन्त राम खुलट मुहल्ला जगतपुरा हुशयारपुर (श्रन्तिरती)
 - (3) जैसा कि नं 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3018 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हुमयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः: 31 जुलाई 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० नं० 1082—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धात्रीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3095 नवम्बर 1974 में है तथा जो सिवल लाईन हुशयारपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वागार बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का सम्पत्ति यथापुर्वोक्त का मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाचा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री बिपन लाल सपुत्र लाला गोपीमल निवासी कुट्याला हाऊस, हुशयारपुर मुर० मुख्त्यारेश्राम

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती हरवन्स कुमारी विधवा जुगिन्द्र लाल (2) विशान लाल, कुथ्याला सपुत्र श्री बिशान लाल हुशयारपुर श्री यशपाल सपुत्र श्रीराम दयाल सिवल लाईन हुशयारपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं .3095 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हुशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1083—यतः, मुझे, रखीन्द्र कुमार,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2998 नयम्बर 1974 में है तथा जो मिलाप नगर हुणयारपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हुणयारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नयम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है 'कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिया बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल तो ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

मतः मब उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के भूमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्चात्:—

- (1) श्री देसराज खुराना सपुत्र श्री सोहना राम सपुत्र श्री हीरालाल निवासी माडल टाउन हुशयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री केवल कृष्ण तपुत्र श्री शामलाल निवासी बस्ती दोलत कानपुर, श्री हरभजेन सिंह सपुत्र श्री बन्ता सिंह जिला हुशयारपुरसपुत्र ग्रमी अन्द गांव मान पी० एस० हुशयारपुर (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जान के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2998 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हृशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्नयुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० नं० 1084--यतः मुझे, रवीन्द्र, कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2485 नवम्बर 1974 में है तथा जो गन्धोबाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची यें ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गंढशकट में रजिस्टी-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है

भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथील :---

- (1) श्री हरकुःण सिंह सपुत्र धनया सिंह सपुत्र और सिंह, गांव गन्धोगल तहसील गढंशकट (श्रन्तरिक)
- (2) श्री गुरदेव सिंह, सन्तोख सिंह सपुत्र दरणन सिंह गांव गन्धोंगाल तहसील गढंणकट धवतार सिंह, गुरमेज सिंह (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2485 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी गढणंकर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अम्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की म्रारा 269-म (1) के अभ्रीत स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1085---यतः, मझे, रबीन्द्र कुमार, श्रधिनियम, 1961 (1961 भायकर 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् श्रधिनियम' 'उक्त गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7494 नवम्बर 1974 में ह तथा जो जट्टेराली तहसील जालन्धर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:——
8—196GI/75

- (1) श्री भ्रमर जीत सिंह सपुत्र श्री रेशम सिंह श्रीमती धन कौर विधवा जवन्द सिंह, नित्रासी मदर तहसील, जालन्धर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह, श्रजीत सिंह, निर्मल सिंह, दिलवाग सिंह सपुल लक्ष्मन सिंह, निवासी जल्डू सिधा तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7494 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई॰ टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1086---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1523 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो मुकेरियां में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियां में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोंक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का गन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उकत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) श्री मंघट मल मपुत्र गुरदिता मल गांव मुकेरियां (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवेन्द्र कुमार सपुत्र श्री ग्रवनाण लाल निवासी मुकेरियां (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में गम्पत्ति हैं)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ग्रवि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्या गया है ।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1523 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुकेरियां में हैं।

> रवीन्द्र कुमार मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1087--- यत:, मुझे, रबीन्द्र कुम₁र, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्प 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2975 नवम्बर 1974 में हैं तथा जो माष्टल टाउन ह्रायारपूर में स्थित है (ब्रीर इससे उनाबद्ध ब्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हशयारपुर में रजिस्टीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से जन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नः लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो बुद्ध सिंह सपुत्र दलेल सिंह सपुत्र खुशहाल सिंह, माङल टाऊन हुशयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सत्वन्त कौर पत्नी हरबक्श सिंह सपुत्र महंगा सिंह गांव तहसील हुशयारपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) श्री जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके वारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति ों हितवद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों, का जो उनस ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2975 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1088—प्रतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मृल्य 25,000/-६० से अधिक है श्रौर
जिसकी सं० जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2995
नवम्बर 1974 में है तथा जो हुश्यारपुर में स्थित है (श्रौर
इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है),
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुश्यारपुर में राजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधिक है ग्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर /या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिमियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम सुन्दर सपुत्र श्री ग्रमर नाथ सपुत्र ग्रमी चन्द सेठी, निवासी माडल टाऊन हुणयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी रविन्द्र नाथ पाठक सपुत्र श्री भगत राम, निवासी मजारा ठींगरां जिला हुशयारपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्प्रिम हैं)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2995 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहरः

प्ररूप श्राई०टी ०एन०एस०----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1974

निवेश सं० ए० पी० नं० 1089—यतः, मुझे, रबीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3258 दिसम्बर 1974 में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, हुशयारपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित
की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर
श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री कीमती लाल सपुत्र श्री डोगर मल सपुत्र श्री मेहर चन्द जैन बाजार सराफां हुशयारपुर (अन्तरक)
- (2) श्री परस कुमार सपुत्र श्री डोगर मल सपुत्र मेहर चन्द बाजार सराफां जालन्धर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3258 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी हुशयारपुर में है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1090--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- **र० से अधिक** है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2973 नवस्थर 1974 में हैं तथा जो निकट हरिबाग हुणयारपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णं रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए

अत: अब. 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', भी धारा 269-च की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात्:—

- (1) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री नंद लाल सपुत्र श्री मुन्शी राम निवासी मुहल्ला प्रेम गढ़ हणयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र सिंह ग्रेबाल सपुत्र करम सिंह सपुत्र प्रताप सिंह निवासी बरीना जिला हुशयारपुर (2) नंदलाल सपुत्र श्री मुन्गी राम, रामगढ़ हुशयारपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2973 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर त्रायुक्त, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं ० ए० पी० नं ० 1091—पत: मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू से श्रधिक है और जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3136 नवम्बर 1974 में है तथा जो कच्चा टोवा होशयारपुर में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री श्रमर नाथ सपुत श्री मस्तान चन्द सपुत श्री गिरधारी लाल कच्चा टोवा होणयारपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मती कृष्णा रानी पत्नी दयाल **चन्द** मार्फत ईशर दास कच्चा होत्राहोशपारपुर (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िकसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों की, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3136 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी होणयारपुर में हैं।

> ्रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप स्राई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1092—यत: मुझे रवीन्द्र कुमार भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3156 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रेम गढ़ होशयारपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशयारपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974

के उचित पू**र्वो**क्त सम्पत्ति वाजार को दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित है भीर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह है और मन्तरक (मन्तरिको) भ्रोर प्रतिशत ग्रधिक भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम,' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-घ की उषधारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत्:—

- (1) श्री गुरमेल सिंह सुपुत्र श्री उधम सिंह निर्वासी प्रेमगढ़ होणयारपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री निर्मल सिंह सुपुत्र श्री तखात सिंह गांव मोना कलां तहसील होणयारपुर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3156 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी होशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा</mark> 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० -1093-यतः मझे रवीन्द्र कुमार भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने है कि स्थावर का कारण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7431 नवम्बर 1974 में है तथा जो लिलयां कला में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्टी-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रतः धव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9-196 GJ/75

- (1) श्री सुरजीत सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह गांव लिलियां कलां तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री दीदार सिंह, निर्मल सिंह सपुत श्री स्वर्ण सिंह गाव लिखां कलां तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति: जिसके ग्रिधभोग में संपत्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित्यबंध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के **लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:— ६समें अयुक्त मान्यों भौर पदों का, भी 'उक्त मधि-नियम', के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, भी उस अध्याय में दिया गया है।

वमुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7431 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायनार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई, 1975

निदेश नं ० ए० पी० - 1094 --- यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ६० 25,000-/ से श्रक्षिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7735 नवम्बर 1974 में है तथा जो लम्बा पिन्ड जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन, नवम्बर, 1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है स्रौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :---

- (1) श्री राम सिंह सपूल श्रासा राम लम्बा पिन्ड जालन्धर (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री सत पाल सपुत्र श्री बुटा राम जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में यभापरिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस ऋध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7735 नवम्बर 1974 को रजिस्दीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31 जुलाई, 1975

प्रारूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं०-1095--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण 🕻 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक है **ग्रीर** जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3502 दिसम्बर 1974 में हैं तथा जो गांव रटेवाल (फिल्लौर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तित्ती द्वार। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त भ्रधिनियम को धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रयति :---

- (1) श्री ग्रजीत राम सपुत्र श्री गुलजाटा राम गांव रटेवाल तहसील फिल्लौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विकराम चन्द सपुत्र श्री गुलजाटा राम, लैंफटीडैन्ट ए० सी० एच० जटेवान जिला करनाल (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**च**ो

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3502 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर :

तारीख: 31-7-1975

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16 कलकत्ता 16, दिनाँक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 270/एकुरे III/75-76/कल०-----श्रतः मुझे, एल० के० वालसुक्रमनियन श्रायकर श्रधिनियम, 1961~(1961~का 43),

(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रष्ड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्राभिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-11-74 को

क भ्रधान, ताराख 30-11-74 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोजत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रौर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269- ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269- घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

- (1) श्री बलोराम मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरु रोड, कलकत्ता-26 (श्रन्तरक)
- (2) उत्तरा कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि॰ 12/2 पाम एविन्यु, कलकत्ता-16 (भ्रन्तरिती)
- (3) सर्व/श्री 1. राम कुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल रामबतार, 3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माष्ट्रति, 5. सुदर्सन बणिक, 6. सन्धा राणी मजुमदार श्रीर हिमानसु कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग श्रीर विश्वनाथ नाग, 8. महादेब नाग, 9. श्राबदुल हक, 10. श्राबदुल हक, 11.

<u> गोख तिनकरि, 12. भारकर चक्रबर्ती, 13. भारस्कर चक्रबर्ती</u> 14 भ्रानिल कुमार धर, 15 यतीन्द्र नाथ घोष, 16 महादेब चन्द्र पाल, 17. श्रनुराधा नाग, 18. पार्बती चौधुरी, 19. राम, पिरीत प्रसाद साउ, 20. रामपिरीत प्रसाद साउ श्रीर श्रशोक कुमार राय, 21 शिवसंकर चौधुरी, 22 रामबाहादूर चौधुरी 23 जगदीम चौध्री, 24 सिताराम चौध्री, श्रीर सिताराम चौधुरी, 25 श्रनिमा नाग, 29 समत दत्त, 27 राजेन्द्र साउ, 28 सारतिद सदीर, 29 श्रशोक दत्त, 30 शोभा साउ, 31. रामलगन साउ, 32. पन्चा नस्कर, 33. सन्सोष प्रमानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 26. कुनीब साउ, 37. भन्कल साउ, 38 दूलाल नाग, 39. श्रुखिल दास, 40. निखिल दास, 41 प्रसादी सि, 42 दुलाल हालदार, 43 सूर्य बागी, सूर्य बागी, 44 लक्षी मण्डल, लक्षी मन्डल 45 गुलाबी साउ, 46, जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन गायान, 48. पालम सदीर, 49 मुक्ताराम मोड़ल, 50 बहुवर्तीक, 51 भारत 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शोख फिकस-द्दीन, 55, शेख गोलाम, 56. शेख बुलबुल, 57. शेख दिलबार, 58. सेन्द्रल फिसारीज कार्पी०, 59. प्रबद्दल हक, 60. प्रसान्त कुमार माइति, 61. रक्तु ठाकूर, 62. तारा नाग, 63. श्रादि बालीगंज शिल्प समबाय लिं०, ग्रादि बालीगंज शिल्प समिति लि०, 63. दुलाल मन्डल, 65. ननी मन्डल, 66. निर्मेल प्रामानिक, 69. गया साउ, 68 ग्रसरिफ साउ, 69 निखिल चन्द्र कून्डल, 70. नारायण गोयल दोर, 71. हारान चन्द्र दे, 72. बिषपद दास, 73. बिपिन चन्द्र बेरा, 74. दादल चन्द्र सरकार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रीविनयम', के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीधा 11 कठ्ठा जमीन और तालाब साथ उस पर बनाया गया समुचा पका या श्रस्थायी स्ट्राक्चर का श्रविभक्त, 1/4 ग्रंश जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रब स्थित है और ब्रड स्ट्रीट मार्केट, नाम से परिचित श्री र जो रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 7020/1974 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुक्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III

तारीख : 26-7-1975 54, रफी श्रहमद किंदवाई रोड, मोहर : कलकत्ता-16

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- III, 54, रफी श्रष्टमद किदवई रोड, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० 271/एकु० रे० III/75-76/कलकता—प्रतः मझे एल० के० बालसूत्रमनियन,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है जिसकी सं० 13 है तथा जो अड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-11-74 को

पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- (1) श्री ग्रसिम कुमार मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरू रोड, कलिकता-26 (ग्रन्तरक)
- (2) उत्तरा कोग्रगारेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमि०, 12/2 पाम एथिन्यु, कल०-16 (अन्तरिती)
- (3) सर्व/श्री 1. रामकुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल राम-बतार 3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माइति, 5. सुदर्सन बणिक, 6. सन्धा राणी मजुमदार श्रीर हिमानसु कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग श्रीर बिश्वनाथ नाग, 8. महादेव नाग, 9. श्राबदुल हक, 10. श्राबदुल हक, 11. शेख तिनकरि, 12. भास्कर चक्रबर्ती, 13. भास्कर चक्रबर्ती, 14. श्रीनल कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल, 17. श्रनुराधा नाग, 18. पार्वती चौधुरी, 19. रामपिरीत प्रसाद साउ, रामपिरीत प्रसाद साउ, 20. श्रशोक कुमार राय,

21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, 23. जगदीश चौध्री, 24. सिताराम चौध्री, सिताराम चौध्री 25. ग्रनिमा नाग, 26. समत दत्त, 27. राजेन्द्र साउ, 28 तारपिद सदीर, 29 श्रशोक दत्त, 30 शोभा साउ, 31. रामलगन साउ, 32. पन्चा नस्कर, 33. सन्सोष प्रामानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कूनीब साउ, 37. ग्रन्काल साउ, 38. दुलाल साग, 39. ग्रखिल दास, 40 निखिस वास, 41 प्रसादी सि, 42 दुलाल हालदार, 43. सूर्य बागी, सूर्य बागी, 44. लक्षी मन्डल, लक्षी मन्डल, 45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन गायान, 48 पालन सद्धीर, 49 मुक्ताराम मोडल, 50. बदु बर्तीक, 51. भारत भन्डल, 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शेख फिकरहीन, 55. शेख गोलाम, 56. **गोख बुलबुल, 57. गोख दिलबार, 58. सेन्ट्राल फिसारीज** कर्पो०, 59. ब्राबद्ल हक, 60. प्रसान्त कुमार माइति, 61. रक्तु ठाकुर, 62. तारा नाग, 63. भादि बालीगंज शिल्प समबाय लि०, भ्रादि बालीगंज शिल्प समिति लि०, 64. दुलाल मन्डल, 65. ननी मन्डल, 66. निर्मल प्रामानिक, 67. गया साउ, 68. श्रासरिफ साउ, 69. निखिल चन्द्र कुन्डल, 70. नारायन कोपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे, 72. बिष्पद दास, 73. बिपिन चन्द्र बेरा, 74. बादल चन्द्र (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

करीब 1 बिघा 11 कठ्ठा जिमन श्रौर तलाब साथ उस पर बनाया समुचा पाका या श्रस्थायी स्ट्राकचरका श्रिविभक्त 1/4 श्रंण जो 13 बड स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रब स्थित भौर बड स्ट्रीट मार्केट नाम से परिचत श्रौर जो रेजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 7021/1974 का श्रमुसार है।

एल० के० बालसुम्रमिनयन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता -16.

तारीख: 26-7-1975

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 26 जुलाई 1975

272/एक्रे III/75-76/कल---- अत: मुझ, निदश सं० एल० के० बालसूब्रमनियन (1961 की भ्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार 25,000/-€ο से भ्रधिक है जिसकी सं 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, जलकत्ता में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-11-पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशव से अधिक है श्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्री मन्मथ नाथ मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरू **रोड**, कल०-26 (ग्रन्तरक)
- (2) उत्तरा को श्रपारेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमि० 12/2 पाम एविन्यु कल ०-16 (भ्रन्तरिती)
- (3) सर्वे/श्री 1. रामकुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल रामवतार 3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माइति, 5. सुदर्सन बणिक, 6. सन्धा राणी मजुमदार श्रौर हिमानस कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग ग्रौर बिश्वनाथ नाग, 8. महादेख नाग, 9. ग्रावदुल हक, 10. ग्राबदुल हक, 11. शख तिनकरि, 12. भास्कर चक्रबर्ती, 13. भास्कर चक्रबर्ती, 14. ग्रानिल कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल, 17. श्रनुराधा नाग, 18. पार्बती चौधुरी, 19. रामपिरीत प्रसाद साउ, रामपिरीत प्रसाद साउ, 20. ग्रशोक कुमार राय,

21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, जगदीश चौधुरी, 24 सिताराम चौधुरी, सिताराम चौधुरी 25. ग्रनिमा नाग, 26. समत दत्ता, 27. राजेन्द्र साँउ, 28. तारपिद सदीर, 29. अशोक दस, 30. शोभा साउ, 31. रामलगन साउ, 32. पन्त्रा नस्कर, 33 सन्सोष प्रामानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कुनीब साउ, 37. ग्रन्काल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. ग्रखिल दास, 40. निखिल दास, 41. प्रसादी सिं, 42. दुलाल हालदार, 43. सूर्य बागी, सूर्य बागी, 44. लक्षी यन्डल, लक्षी मन्डल, 45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन गायान, 48 पालन सद्धीर, 49 सुक्ताराम मोहल, 50. बदु बर्तीक, 51. भारत मन्डल, 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शेख फिकिस्ट्रीन, 55. गेख गोलाम, 56. **शेख बुलबुल, 57. शेख** दिलबार, 58. सेन्ट्राल फिसारीज कर्पो॰, 59. ग्राबदुल हक, 60. प्रसन्त कुमार माइति, 61. रक्तु टाकुर, 62. तारा माग, 63. आदि बालीगंज शिल्प समबाय लि०, म्नादि बालीगंज शिल्प समिति लि०, 64. दुलाल मन्डल, 65. ननी मन्डल, 66. निर्मल प्रामानिक, 67. गया साउ, 68. भ्रासरिफ साउ, 69. निखिल चन्द्र कुन्डल, 70. नारायन कोपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे, 72. विषुपद दास, 73. बिपिन चल्द्र बेरा, 74. बादल चन्द्र सरकार ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त म्रिधिनियम, के म्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब । बिघा 11 कट्टा जभिन ग्रौर तलात्र साथ उस पर बनाया समुचा पाका या ऋस्थायी स्ट्राकचरका ऋबिभक्त 1/4 ग्रंश जो 13 ब्रंड स्ट्रीट, कलकत्ता पर ग्रंबस्थित ग्रीर **ब्रंड** स्ट्रीट, मार्केट नाम से परिचत ग्रौर जो कि रेजिस्ट्रार, श्रालिपुर 24 परगना द्वारा रजिस्द्रीकृत दलिल सं० 8065/ 1974 का श्रनुसार है। .

> एल० के० बालसूब्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-JII 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 26-7-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-¹¹¹, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 26 जुलाई 1975

_270/एक्रे ^{HII}/75-76/कल०—-श्रतः मुझे, निर्देश सं० एल० के बालसङ्गमनियन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) के अधीन सक्षम प्राधिकार<u>ी</u> 269-ख धारा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- **रुपये** से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो बड़ स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबङ श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **मधी**न, तारीख 2-12-1974

भ्रधीन, तारीख 2-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिधों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से प्रथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:---

- (1) श्री सौरेन्द्र नाथ मुखार्जी, 31मोतिलाल नेहरू रोड, कल०-26 (भ्रन्तरक)
- (2) उत्तरा कोग्रपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी सिमि० 12/2 पाम एकिन्यु, कल०-16 (श्रन्तरिती)
- (3) सर्वं/श्री 1. रामकुमार मतिवन, 2. रघुबीर दयाल रामवतार 3. शेख किन. 4. प्रसान्त कुमार माइति, 5. सुदर्सन बिणक, 6. सन्धा राणी मजुमदार श्रौर हिमानसु कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग श्रौर विश्वनाथ नाग, 8. महादेव नाग, 9. श्रावदुल हक, 10. श्राबदुल हक, 11. शेख तिनकरि, 12. भास्कर चऋवर्ती, 13. भास्कर चऋवर्ती, 14. श्रनिल कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल, 17. श्रनुराधा नाग, 18. पावंती चौधुरी, 19. रामिपरीत प्रसाद साउ, रामिपरीत प्रसाद साउ, रामिपरीत प्रसाद साउ, 20. श्रशोक कुमार राय, 21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, 23. जगदीश चौधुरी, 24. सिताराम चौधुरी, सिताराम चौधुरी

28. तारिपद सदीर, 29. अशोक दत्त, 30. शोभा साउ, 31. रामलगन साउ, 32. पन्चा नस्कर, 33. सन्सोष प्रामानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कुनीब साउ, 37. श्रन्काल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. श्रिष्ठिल दास, 40. निखिल दास, 41. प्रसादी सिं, 42. दुलाल हालदार, 43. सुर्य बागी, सूर्य बागी, 44. लक्षी मन्डल, लक्षी मन्डल, 45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन गायान, 48. पालन सद्धीर, 49. मुक्ताराम मोइल, 50. बदु बर्तीक, 51. भारत मन्डल, 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शेख फिक्स्हीन, 55. शेख गोलाम, 56. शेख बुलबुल, 57. शेख दिलवार, 58. सेन्ट्राल फिसारीज कर्पो०, 59. श्राबदुल हक, 60. प्रसान्त कुमार माइति, 61. रक्तु ठाकूर, 62. तारा नाग, 63. श्रादि बालीगंज

शिल्प समबाय लि॰, भ्रादि बालीगंज शिल्प समिति लि॰,

64. दलाल मन्डल, 65. ननी मन्डल, 66. निर्मल प्रमानिक,

67. गया साउ, 68. म्रासरिफ साउ, 69. निखिल चन्द्र कुन्डल, 70. नारायन कोपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे,

72. बिषुपद दास, 73. बिपिन चन्द्र देरा, 74. बादल चन्द्र

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

25 श्रनिमा नाग, 26 समत दत्त, 27 राजेन्द्र साउ,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसुची

करीब 1 बिघा 11 कठ्ठा जिमन श्रीर तलाब साथ उसपर बनाया समुचा पाका या अस्थायी स्ट्राकचरका श्रविभक्त 1/4 श्रंश जो 13 ब्रष्ड स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रबस्थित श्रीर ब्रष्ड स्ट्रीट मार्केट नामसे परिचत श्रीर जो रेजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज, करकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7036/1974 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, 54 रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 26-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 75/एक्यू०/सहारनपुर/726/74-75-भ्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

भायकर ग्रक्षिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत श्रिष्टान्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुरूप है तथा जो चकरोता बस स्टैन्ड सहारनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती सजन बती पत्नी लाला पधम प्रसाद जैन निवासी गांव जादोदा पन्डा तहसील देव बन्द मोहल्ला रानी बाजार, जिला मेरठ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री लाला हर भगबान दास पुत्र लाला कर्मचन्द नियासी 6/972 चकरोता वास स्टैन्ड के सामने सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

रिहायशी तथा व्यवसायी प्लाट नं० 6/972 साथ में एक बड़ा शैंड जो चकरोता बस स्टैन्ड के सामने सहारनपुर में स्थिति हैं 40,000 रुपये में बेचा गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 26 जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन● एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्राय ए० सी०/ए० सी० क्यू०/38/75-76--यत: मझे, डी० रामाराव **ग्रा**यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मृह्य श्रीर जिसकी सं० सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3 मकान नं $\circ \cdot \frac{2}{6+3}$ के पश्चिम भाग वाला हिस्सा है तथा जो नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रव 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उर्क्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, भर्मीत्:-10--196 G1/75

- (1) मेसस ग्रमृत फार्मसी प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर द्वारा डायरेक्टर श्री प्रताप राव कृष्णराव प्रधान (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री विगायकराव लक्ष्मगराव बाबने
 - (2) श्री वासुदेवराव लक्ष्मणराव बावने
 - (3) श्री मधुकरराव लक्ष्मणराव बावने (ग्रन्तरिती)
- (3) (1) भारतीय हाँटेल, नागपुर: निचली मंजिल
 - (2) नागपुर साड़ी केंद्र, नागपुर : पहली मंजिल
 - (3) श्री डी॰ व्ही॰ नवगरे: दुसरी मंजिल (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं $\frac{2}{0+3}$ -3 मंजिल का ग्राधा हिस्सा, पिक्चम भाग, सर्कल नं 19/27, वार्ड नं 1/3 जिसका परिमाप $42' \times 13' - 9''$ है जो सीताबर्डी मेन रोड नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है।

डी० रामाराव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपुर।

तारीखा: 31-7-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सह।यक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-460(201)/1-1/75-76—यतः मुझे जे० कथ्रिया आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 67, 68, सब ग्लाट नं० 26, एक पी० नं० 387, टी० पी० एस० नं० 19 है, तथा जो नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई िकसी भाय की बाबत, उक्त ध्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीन :---

- (1) श्रीमती चांदतीवेन टी० देसाई, 30 महाराष्ट्र सोमायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रानंदीनी फ्लैटस को-श्रापरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, रजिस्ट्रर्ड श्राफिस: हंसाविला, नवरंगपुरा क्रासींग के निकट ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)
- (3) 1. -श्री रमेशचंद्र चीमनलाल गांधी, 2. श्रीमती हेमलत्ताबेन के० पटेल, 3. श्रीमती खेरशेद महेरजी श्रवारी, 4. विराफ पेशोत्तन दूकानदार, 5. इन्दीराबेन के० हेगडे, 6. विणावेन एच० देसाई, श्रानंदीनी प्लैटस को-श्रापरेटी हाउसींग सोसायटी लिमिटेड, सैंट झेवियस हाई स्कुल के निकट, श्रहमदाबाद-9

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (बाँछकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 607 वर्ग गज है श्रीर जिसका सर्वे नं० 67, 68, सब प्लाट नं० 26, एफ० पी० नं० 387, टी० पी० एस० नं० 19 है श्रीर जो नवरंगपुरा श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

तारी**खः** 9-7-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 31-पी०/श्रर्जन--श्रतः मुझे बिशस्भर नाथ श्रायकर श्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भरौली बाजार देवरिया है तथा जो मकान जिसका क्षेत्र फल 1043 वर्ग फीट है जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/12/1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रंब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :----

(1) श्री महाबीर प्रसाद मोदी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पीताम्बर लाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्र फल 1043 वर्ग फीट है जो ग्राम भरौली बाजार जिला देवरिया में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 7-7-1975

प्रकृप झाई० टी० एन० एस० —

क्षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 52-प्रार/ग्रर्जन-प्रतः मुझे बिशम्भर नाथ भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 भा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं प्रौर जिसकी सं० — है तथा जो भरौली बाजार में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 4-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्प्रंह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; जोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :——

(1) श्री महाबीर प्रसाद मोदी

(श्रन्तरक

(2) श्रीमती रुकमनी देवी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्या

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट जो ग्राम भरौली बाजार जी० देवरिया में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री महाबीर प्रसाद मोदी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लालता देवी

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 19-एल०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जबत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी में० -- है तथा जो भरीली वाजार देवरिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय देवरिया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुथिधा के लिए;

धतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पडटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट जो ग्राम भरौली बाजार जी० देवरिया में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई 1975

निदेश सं० 9-एन०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ भायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० एस० एम० 271/1 है तथा जो ग्राम चांदपूर देहात जिला वाराणसी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती सुशीला देवी जजोदिया (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नवनीत ग्ररुण (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के प्रजेंन के लिए एतद्दारा कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एम० प्लाट नं० 271/1 एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3633 वर्ग फीट है जो ग्राम चांदपुर देहात जिला वाराणसी में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज लखनऊ ।

तारी**ख** : 9-7-1975

प्रहम ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राई० ए० सी० श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 28 जून 1975

निर्देश सं० ए० सी० 219/प्रार०-IV/कल०/75-76-प्रतः मुझे, एस० वट्टाचायी
प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर
जिसकी सं० 14 है तथा जो महात्मा गांधी रोड में
स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्रधीन, तारीख 2-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भ्रम उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भग्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषात्:--- (1) श्री राधा गोविन्द नन्दी, राजन्द्र नारायन नन्दी र नन्दलाल नन्दी, राधा पद नन्दी, हरिसाधन नन्दी,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्य नन्दी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस : श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रविभाजित श्राधा हिस्सा 5 कट्टा के लगभग जमीन श्रौर उस पिर मकान का, जो के 14 महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता में है।

> एस० वट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1V,कलकत्ता

तारीख: 28-6-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भुवनेष्वर

भुबनेश्वर, दिनांक 24 मई 1975

निर्देश सं० 19/75-76/ग्राई० ए० सी० (ए०/ग्रार०)/ यत: मुझे, जी० बी० यान्ट ष्यायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर श्रौर जिसकी सं० सी० एस० प्लट नं० 105/1, 106/2 है, जो मंगलाबाग में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जिला सब रेजिस्टार कटक में भारतीय रजिस्टी-करण श्रधिनियम, 1908 य(1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति तारीख 6-12-1974 बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रीर मुक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रब, उक्त घ्रधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री रमेण कुमार भोसिका, 2. कमल किशोर भासिका, 3. श्रीमती ग्रम्बिका देवी, स्वामी स्वर्गत दुर्गादत भोसिका (ग्रन्तरक)
- (2) दि० उत्कल ग्रटो मोबाईलस् पी० भी० टी०, एस० टी० डी०, क्यांटन मेंट रोड, कटक टाउन म्यानेजि जाग्रिरेक्टर, श्री नगिन भगवानजी पारिस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों को, जो उक्त अधिमियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जिमन श्रौर मकान कयांटन मेंट रोड़, मंगत्लाबाग, कटक टाउन में सी० एस० प्लट नं० 105/1, 106/2 पर स्थित हैं। यह जिमन 6-12-1974 तारिख में कटक जिला सब रेजिस्ट्रार श्रिफिस में रजिस्टार हुआ, जिसकी डकुमेंट नं० 7867 हैं।

जी० बी० यान्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज भुबनेश्वर ।

तारीख 24-5-1975 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रोज शिलांग

शिलांग, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश सं०ए० 96/75-76/515-536-श्रतः मुझे, एगवर्ट सिंग थायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरसम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है श्रीर जिसकी संब्बकसा पत्ता नंब 3, दाग नंब 3092, 3098 स्रौर दाग नं० 3099 का भाग से एपरलेनिड ट् दाग नं० 3100, 3101 श्रौर 3102 है तथा जो सिलचार टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिलचार में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताकीख 14-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

धत: प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :—

- (1) श्री श्रनिल कुमार चन्दा सन श्रफ मिरतक कसिनी कुमार चन्दा, जिसके मकान औठुभूम, सानतिनिकेदन, जिला बिरबुम में हैं।
- श्री जुक्सा मॉनका चन्दा, बिदवा श्रसोक कुमार चन्दा जिसकी मकान 54 ई, सुजान सिंग पार्क, नई दिल्ली में हैं।
- श्रीजुक्ता श्रंजली पाल बाईफ श्रफ श्री निकिल रंजन पाल जिसकी मकान 54 ई०, सुजान सिंग पार्क, नई दिल्ली में है।
- 4. श्रीजुक्ता मलाबिका करलेकार, बाईफ श्रफ श्री हिरनमय करलेकार जिसकी मकान 116, गल्फ लिण्ड, नई दिल्ली में हैं।
- 5, श्री ध्ररिजित कुमार चन्दा, सन श्रफ मिरतक श्ररुत कुमार चन्दा जिसकी मकान दिगबोड, श्रासाम में हैं।

- 6. श्री श्रमाजित कुमार चन्दा, सन श्रफ मिरतक श्ररुण कुमार चन्दा जिसकी मकान 131 नेताजी सुभाष रोड, टोलिगंगा, कलकत्ता।
- श्रीजुक्ता जैएश्री सेन वाइफ ग्रफ समरेन्दा चन्द्र सेन जिसकी मकान 182 नेताजी सुभाष चन्द्र रोड, टोलिगंगा, कलकत्ता।
- 8. श्रीजुक्ता जयन्ती नेवराजानी वाईफ श्रफ श्री भीर-तिरथ दास नेवराजानी जिसकी मकान 1, वार्लि-गटन एभेनु, लन्डन, यू० के०
- श्रीजुक्ता लटिका सरकार वाईफ प्रफ श्री चन्चल सरकार, एल०~1/10 हाउज खास, नई दिल्ली।
- 10. श्री शिशिर कुमार दत्ता सन श्रफ मिरतक हेम चन्द्र दत्ता जिसकी मकान 16 हिन्दुस्तान पार्क, बालीगन्ज, कलकत्ता।
- 11. ग्रागे बताई हुई श्री ग्रनिल कुमार चन्दा मारागिया ग्रपुर्भ कुमार चन्दा का उईल का सिन एक्झीक्यूटर ग्रीर ट्रास्ती मध्ये में वह एक है, मानुस 9,10,11 का बारेमे श्री ग्रनुजीत कुमार चन्दा ग्रलाइस, श्री टरूनान्दु ग्रलाइस चुनो। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल लाल, सन ग्रफ मिरतक किसोन लाल लाला सेन्तराल रोड, सिलचार टाउँन, जिला कचार। (ग्रन्तरिती)
- (3) मेसर्स सुरमा इलेकट्रिक स्टोर्स सिलचार (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अकृष्टि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अज्ञिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

बह सब टुकरा टुकीरी जमीन बक्सा पत्ता नं० 3 के मौंजा सिलचार टाउन, जिला कछार भ्रासाम प्रदेश में स्थित हैं। उसकी मपाई 78 फिट पुरब से पश्चिम सक भौर 43 फिट उत्तर से दक्षिण तक दाग नं० पूरा 3093, 3089 श्रीर कुछ बाग नं० 3099 श्रीर 100 फिट पुरब से पश्चिम की स्रोर 84 फिट उत्तर से दक्षिण तक जो दाग नं० 3100, 3101 श्रीर 3102 में पूरि पड़ि हैं इन सब कि जोड़ लगभग 16 कला, 2 छताकें जिसकी उत्तर में छोटी रास्ता बि० एन० एन० के० गर्लस हाई स्कूल की स्रोर दक्षिण में नाला श्रीर उसके बाद चनदास का जभीन, पुरब में दि० एन० एन० के० गर्लस हाई स्कुल, पश्चिम में पि० डबस्यू० दि० रोड से बिरी हुई हैं।

एग**व**र्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 19-5-1975 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर: ग्रजैन रेंज शिलांग।

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-l अहमदाबाद

स्रहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1975

निर्देश सं० 23-1-464(186)/1-1/74-75-यतः मुझे जे० कथूरिया ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अग्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 256-257, सब प्लाट नं० 2ए०, टी० पी० एस० 3 है, जो शेखपुर खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख 30-12-1974
पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िमसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री मैसर्स निर्मल लैंग्ड कारपोरेशन की ग्रोर से, भागीदार श्री भरत कुमार सीताराम देहलीवाला, पद्म प्रभु सोसायटी, पालड़ी, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रेयस शापिंग सेंटर श्रोनर्स एसोसियेशन की श्रोर से मन्द्री (सैकेंटरी) श्री महेन्द्र कुमार नाथा लाल णाह, शाहीबांग, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रचल सम्पत्ति जिस का फ़ायनल प्लाट नं० 256-257, सब प्लाट नं० 2ए०, टी० पी० स्कीम नं० 3 हैं तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा), ग्रहमदाबाद में स्थित हैं ग्रौर जिस का क्षेत्रफल 9231/13 वर्ग गज हैं (यामी 3000 वर्गगक का 40/130 ग्रविभक्त भाग ।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

तारीखा: 23-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० भ्रर्जन 181/गाजियाबाद/74-75/535--- म्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० श्रमुसूची के श्रमुसार है तथा जो रामनगर, गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती राजरानी पत्नी श्रीवोधराज नि० मौहल्ला कुम्हारान वार्ड नं० 3 मुरादनगर, परगना जलालाबाद, जि० मेरठ (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती महेन्द्र कौर तत्नी श्री लखवीर सिंह नि० 161, गोपाल नगर, गाजियाबाद (ग्रन्तरिती)
 - (3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति जो रामनगर गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित प्लाट नं० 14 जिसका क्षे० फ० 170 7/9 वर्ग- गज है जिसमे दो कमरे, लैटरीन, वाथरूम, भ्रौर किचिन बना हुन्ना है। इसका हस्तान्तरण 40,000/- मे किया गया है।

एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर।

तारी**ख** : 2-6-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश सं० ए०-95/गौ०/75-76/363-73--- ग्रतः मुझें, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० डाग सं० 586, के० पि० पट्टा सं० 282 है तथा जो गाँव जाफिगग मौजा बेलतला, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावन अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटि में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रंब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्री देवानं सुना उल्ला लाखटिकया, गौहाटि (ग्रन्तरक)
- (2) 1. अनुप कुमार सान्याल, केयर ग्राफ बैद्यनाथ जुयेलरी, लाखटिकया, गौहाटि
 - डालिम पाठक उकील, बेलतला, पोस्ट म्राफिस दिसपुर, गौहाटि (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमन की माप 5 (पाँच) बिधा 2 (दो) कट्टा है है जो डाग सं० 586, के पि० पट्टा सं० 282 से घिरे हुए है श्रौर गाँव जाफिगग, मौजा बेलतला, जिला कामरूप, श्रासाम प्रदेश में स्थित है।

> एगर्बाट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 2-5-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलंग, दिनांक 30 मई 1975

निर्देश सं० ए०-103/वि० वि० म्नार०/75-76/700-11 एगबर्ट सिंग —−श्रतः मुझे**,** भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसभा स्थाबर अधिक है बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भौर जिसकी सं० 1. एन० एल० भ्रार० ग्रान्त नं० 165 (160)-दाग नं० 1 से 11, 13 से 25, 74, 83, 86, 88 से 103, 105 से 124, 104/125, 23/126 मीर 74/127 मौजा रंगागोरा मैं। 2. एन० एल० ग्रार० ग्रान्त नं॰ 236(234) दाग नं॰ 14 से 19, 28 से 44, 56 से 59 ग्रीर 66 मीजा रंगागोरा में। 3 एन० एल० ग्रार० ग्रान्त नं० 257 दाग नं० 27, 46 से 53, 60 से 65*,* 67 से 72, 75 से 82, 84 श्रौर 87, सब-रेजिस्ट्रर दफतर तिनसुकिया में हैं। 4. एन० एल० ग्रार० ग्रान्त नं० 40 (37) दाग नं० 60 से 64 ग्रीर 79 से 83 मौजा तिन-सुकिया में। 5. एन० एस० ग्रार० ग्रान्त न० 76(73) दोग नं॰ 30 से 34, 36 से 39, 41 से 51, 55 से 58 ग्रौर 59 मीजा तिनसुकिया में। 6. पत्ता नं० 1-दाग नं० 1 से 22, 27 से 29, 52 से 54, 65, 66, 5/68 श्रीर 64 से 77 मौजा तिनसुकिया में। 7 पत्ता नं 1-दाग नं 104 मौजा रंगागोरा में। 8. पत्ता नं० 1-दाग नं० 1 से 20, 23 से 28, 30, 31, 36, 40, 43 से 50 मौजा रंगागोरा में। 9. पत्ता नं० 12-दाग नं० 55, 61, 66, 67, 69 ग्रौर 72 मौजा रंगागोरा में। 10 पत्ता नं० 40 -दाग नं० 24 मौजा रंगागोरा में। 11 पत्ता नं० 33-दाग नं० 77 भीर 78 मौजा तिनसुकिया में। 12 पत्ता नं० 33-दाग नं० 131 मीजा रंगागोरा में। 13 पत्ता मं० 15 -दाग नं० 30, 31, 45 घौर 50 मौजा रंगागोरा में। है तथा जो मौजा तिनस्किया भ्रौर रंगागोरा तिनस्किया सेज-डिबीजन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्रा ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिवरूगई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आकस छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे असने में सुविधा के लिए; और/या (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) दि जोकाई (म्रासाम) टि॰ कम्पनी लिमिटेड, 29 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नन्दलाल ग्रगरवाला, बिसमाइल, पो० ग्र० चनुग्रा (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पंच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधिष हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह दुका दुकरी जमी जिसको हुकनपुकरी टि इस्टेट कह जाती है और इसके माप 2889.14 एकर्स लगभग असके अंदर प्लानटेसंस गांव और बहुत मकान, कल कारखाना इत्यादि खड़े हैं।

> एगवर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख: 30 मई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश सं० ए० 102/जे० ब्रार० टि०/75-76/685-94

--श्रतः मुझे, एगबर्ट सिंग

श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त श्रिधिनियम' कहा
गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं०

| | | | |
|---|----------------------------|---|--|
| से० नं० | ग्रान्त श्रथवा पत्ता | नं ० | मौजा |
| 1. पि०नं० | 1 (ग्रान्त नं ० 146 | 5/387) पार्त | . खाङगिया |
| 2. पत्तानं० | | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | <u></u> |
| | 1-ग्रान्त नं० 39/4 | । ३(पार्त) | . — दुँ— |
| 4. पि०न० | 1-ग्रान्त नं 163 | /570/179 पार्त | . —दु— |
| 5. पि०न० | 1-ग्रान्त नं ० 135/ | 20 पार्त | . — <u>g</u> — |
| 6. पि०नं० | 1- — द — . | | . — दु — |
| | 1-ग्रान्त नं० 172 | 441 | . — g — |
| | 9 | • | . <u> </u> |
| 9. पि०नं० | 1 | - | . — - - |
| | 5 | | |
| 11. पि०नं० | 1 | | · |
| | 15 (नया) . | | . - |
| ा 3. पि० नं० | 11 (नया) . | | · ———————————————————————————————————— |
| 14. पि०नं० | 1/के०ए० | • | . — - - - <u>-</u> - |
| | 18 (नया) . | • | . खाङगिया |
| 16. पि०नं० | | | . —দ্ব— |
| 17. पि०नं० | 284 (एन० 31) | 6) . | . काकादंगा |
| 18. पि०नं० | | | . —दु |
| 19. पि०नं० | | • | . — 5 — |
| है तथा जो मौजा खानगिया ग्रीर | | | |
| | तसागर जिला में | | इससे उपावद |
| ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी | | | |
| | जोरहाट में, र ि | | |
| | 16) के अधीन, | | |
| , | | | |
| को पूर्वी क् त | | उचित बाजार | • |
| कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे | | | |
| यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित | | | |
| ्याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के | | | |
| पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और | | | |
| अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया | | | |

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री हेमेन्द्र प्रसाद बरूवा, श्री रोमेन्द्र प्रसाद बरूवा, श्रीमती कमल कुमारी बरूवा, ट्रस्तीस आफ सिभ प्रसाद बरूवा फेमिली ट्रस्त, क्लब रोड, जोरहाट (श्रन्तरक) (2) मेसर्स बरासाली टि॰ कम्पनी प्राइवेट लिमि॰ ना-ग्राल, जोरहाट (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गठ्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साङसुमा टि० ईस्टेट के जमीन के माप प्राय 1003.07 (दाग नं० 114, 115) (भाग) 116 और 117 के पत्ता नं० 9 पेरिग्रोदिक में से 18.06 एकर्स जमीन बाद गई हैं। यह गाँव साङसमा मौजा खाङगिया में हैं। इसके प्रन्यर चाय का गांच, बहुत मकान भ्रौर इत्यादि खड़े हैं भीर इन सब को मिला के साङसुमा टि० इस्टेट कहलाती हैं जो सिबसागर जिला में स्थित है।

एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 31 मई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 51--न्नार०/म्रर्जन---न्नतः मुझे, बिशम्भर नाथ म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिध-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 88 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईहै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रत: अब उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रंनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्री एम० चन्द्र मिश्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम प्यारी देवी

(भन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के अर्जन के लि*ये* कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 88 जो कि 10000 वर्ग फिट है जो कि महाभगर लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

त्रस्प भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 19755

निर्देश सं० 54-एम०/अर्जन—अतः मुझे, बिशस्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० — है तथा जो ग्राम भरौली देवरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देवारिया में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी झाय की वाबत, 'उक्त झिंबिनयम,' के म्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर झिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त झिंधिनियम', या धन कर झिंधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ झन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं 'उक्त श्रधिनियम,' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-य की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः ;—= (1) भी महावीर प्रसाद मोदी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल

(ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो 'उक्त अधिनियम,' के ग्रध्माय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रखं होगा, जो उस ग्रध्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 1043 वर्ग ग्रज में है यह ग्राम भरौली जिला देवरिया में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: **७** जुलाई 1975

प्ररूप प्रार्द• टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ं 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 4/14-ए०, भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/845/65-65/ 1292--यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 15-ए०/16 हैं, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त मधिनियम', के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- ं(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', ग्रधिनियम, धन-कर 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवातः --2-196GI/75

- (1) श्री बलराज मिगलानी सुपुत्र श्री भेरया लाल मिगलानी, निवासी 15-ए०/16, ईस्ट पटेल नगर, नई , (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बुज नन्दन गुप्ता, सुपुन्न श्री राम रूप गुप्ता, निवासी 15-ए०/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति, दारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त म्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड जायदाद जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जिसका नं० 15-ए०/16, है, श्रीर जो कि ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व:सर्विस लेन पश्चिम : सङ्क उत्तर:जो० बी० पी०

दक्षिण : जी० पी० बी०

भं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1 जुलाई 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 25 जून 1975

ज्योतीन्द्र नाथ **मा**यकर ष्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे प्लीट सं० 3932 तीजी सं० 9386 है तथा जो डूमरॉब में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रारा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपकारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) एम० एस० डूमराँव प्रोपरटीज एण्ड इन्टर प्राइजे... (प्रा०) लिमिटेड, डूमराँव, जिला-भोजपूर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी खेमानी जौजे स्वर् काशी नाथ खेमानी द्वारा शंकर क्लौथ स्टोर चौक बाजार डूमराँव. जिला भोजपूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

एक टुकड़ा जमीन जिसका रकबा उकर्ठा 13 घूर है जिसका सर्वे (प्लौट सं० 3932 तथा तौजी सं० 9386 जो डूमराँव शहर में स्थित है जो कि दस्तावेज गं० 11830 दिनांक 18-12-74 में पूर्णतमाः वर्णित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजनः रेंज पटनाः ।

तारीख: 25 जून 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की **धारा** 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर पायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज, ग्रहमदाबाद सहसदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्युल 23-1-564/(197)/16-6/74-75--धतः मुझे. जे० कथुरिया.

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के श्रधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 401 प्लाट नं० 1 श्रीर 2, है तथा जो मवडी प्लाट राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजट्री-

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

तारीख 26-12-1974 को

कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-

करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन.

धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक
है धीर ध्रन्तरक (अन्तरकों) धीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप
से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की शवत उक्त धिंतियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

ग्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की बारा 269-म के शनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

- (1) श्री मैंसर्ज पटेल मावजी कानजी एन्ड बर्द्स जेइल रोड दरवाजा, राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) एक्युमेक्स लिमिटेड, तयल कुंज एनेक्ष डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद रोड, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (स्त) इस सुकना के शाजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कम्पाउन्ड वाल सहित खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल लगभग 15555.5 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं 401 प्लाट नं 1 तथा 2 है श्रीर जो मवडी प्लाट भक्तीनगर रेलवे स्टेशन के पीछे राजकोट में स्थित है श्रीर जिसका पूर्व विवरण विक्री दस्तावेज नं 3811 दिनांक 26-12-1974 में सब रजिस्ट्रार राजकोट द्वारा दिया गया है।

जे० कथूरिया. सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेज, महमदाबाद ।

तारीख: 3-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 1 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए०-107/नौगार्ज/75-76---यतः, मुझे, श्री एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संग्दान नंग 865, 864, 884, पि० पि० न० 382 है तथा जो हाइवर गांव में स्थित है (प्रौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री भोतिलाल दान्ना, मारवारी पाली नौगांउ सहर (ग्रासाम) (श्रन्तरक)
- श्री मोहनलाल ग्रीर वाल, श्री दिप चन्द कोथारी हाईवर गांउ, नौगांउ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्यन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विथा गया है।

अनुसूची

जमीत के माप 1 (ए क) काथा जो कि दाग नं० 865, 864, 884, पि० पि० नं० 382, हाईवर गांउ जिला नौगांउ, घ्रासाम प्रदेश में स्थित है ।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 1 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, दिनांक 24 मार्चे 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 138/74-75--यत:. मुझे,

के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति

को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/—से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-42 नामपत्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के

पुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :——

- 1, श्री धनंता विजय श्रीधर नामक. 5-8-42 फते सुल्तान लेन. नामपल्ली हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. मेससं नन्दनाम कन्स्ट्रकशन कम्पनी स्योनेजिंग पार्टनर्स श्री एनः नरहरी रेड्डी श्रीरएमः एलः प्रसादाराव द्वारा 3-4-863 बरकत पुरा, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण । → - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—ईमारत तथा जमीन नं० 5-8-42, फते सुल्तान लेन, नाम्पल्ली, हैदराबाद क्षेत्रफल 3460 वर्गफीट :— पूरब—काम्पौन्ड वाल ग्रन्तरक का, पश्चिम—काम्पौन्ड वाल श्रन्तरक का, उत्तर—काम्पौन्ड वाल श्रन्तरक का, दक्षिण—काम्पौन्ड वाल श्रन्तरक का

> के०एस०वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 24-3-1975

प्रकृष प्राई० शैं० एन० एस् -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 219-घ(1) के दृष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः प्रायकर भ्रायुक्तः (निरीक्षणः) ग्रजन् रेज-III, कलकत्ताः

कलकताः दिनांक 23 प्रप्रैल 1975

निर्देण सं० 250 एकु०रे -Ш/75-76/कल०---यतः. मुझे. के० एल० बालसङ्गमनियनः

श्राप्यकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 21 है, जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है. (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से बणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन

तारीख 7-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई जिली आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी प्रायं या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का !1) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब 'उम्त श्रधिनियम,' की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—~

- 1. श्री पार्बती प्रसन्न घोष 10/1, रेनी पार्कः कलकत्ता (श्रन्तरक)
- 2 प्रबोर कुमार दत्त भिनका'. 9 बि० लई, सिनहा रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)
- 3. श्री मिहिर कुमार दत्त समीर कुमार दत्त शिक्षिर कुमार दत्त श्री मित प्रतिमा दत्त, 9 बि० लर्ड सिनहारोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में पॉरभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया दैं।

भनुसुची

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक स्कोः फुट जनीन का श्रबिभक्त 1/4 श्रंण जो सं० 21 गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित और जो रेजिस्ट्रार स्नाफ एसुरेन्सेय, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7 183/1974 का स्ननुसार है।

> एल० के० बालसुक्रमितयम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-III, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलक्क्सा-16

तारी**ख** : 23-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एम० --

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1975

निर्देश मं० 251/एकुरे-III/75-76/कल०----यतः. मृक्रे. एस० के० बालमुख्रमणियन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस भाजार मुल्य 25,000/- ७० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 क 16) पके ग्रिधीन तारीख 7-12-1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अग्निक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने था उससे बनने में सुविधा के लिए, ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए:

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :---

- श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1, रेगी पार्क, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- 2. श्री समीर कुमार उस मिनिका', 9 बिर लर्ड सिनहा रोड कलकत्ता (श्रन्थरिती)
- 3. श्री मिहिर कुमार दत्त, प्रबीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार इत्त. श्री मिति प्रतिमा दत्त. 9 बी०, लर्ड मिनःहा रोड, कलकत्ता (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबह ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अधिष्ठ, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा:
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गर्क्स और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भया है।

भनुसूखो

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक 9 स्कोः फुट जमीन का श्रिबभिक्त 1/5 श्रंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर श्रिवस्थित श्रौर जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्मेस, कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलल सं० 7184/1974 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुक्रमितयन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज,-III 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 252/एकुरे 3/75-76/कलकत्ता--यतः, मुझे, एल० के० बालमुब्रमनियन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (धन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के **अधीन कर देने के अन्तरक के** दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री पार्बती प्रसन्न घोष 10/1 रेनी पार्क, कलकता (ग्रन्तरक)
- 2. शिशिर कुमार दत्त 'मिनिका' 9 बी० नर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (स्रन्तरिती)
- अी मिहिर कुमार दत्त, प्रवीर कुमार दत्त, समीर कुमार
 दत्त, श्रीमती प्रतिमा दत्त, 9 बि०, लर्ड मिनहा रोड, कलकत्ता

(वह ब्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक 9 स्कोः फुट जमीन का ग्रबिभक्त 1/5 श्रंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर श्रबस्थित श्रौर जो रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 7185/1974 का श्रनुसार है ।

एल० के० बालसुन्नमिनयन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-111, 54 रफी ग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1975

निर्वेण सं० 187/एकुरे-III/75-76/कलकत्ता—— प्रतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ठ० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीम तारीख 7-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से प्रतिफल के दुश्यमान लिए की गई है और ग्रन्तरित यह विष्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल प्रतिफल दुश्यमान एंसे प्रतिमत से प्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त घ्रधिनियम,' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रन्य म्यस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम', या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः 'उनत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उनत अधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—196GI/75

- 1. श्री पार्बती प्रसन्न घोष 10/1, रेनी पार्क, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- 2. मिहिर कुमार दस 'मिनका', 9 बि०, लर्ड सिनहा रोड कलकत्ता (धन्तरिती)
- 4. प्रबीर कुमार दत्त, समीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार दत्त, श्रीमती प्रतिमा दत्त, 9 बी०, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक 9 स्को : फुट जमीन का स्रविभक्त 1/4 ग्रंग जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता ग्रौर स्रवस्थित भौर जो रेजिस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 7182/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमिनयन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 23-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 23 भ्रप्रैल 1975

निर्देश सं० 253/एकुरे-III/75-76/कलकत्ता—यतः, मुझे, एल० के० बालसुत्रमनियन (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25.000/- करसे श्रधिक है

मूल्य 25,000/- ह० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदाय रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः, श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा, 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्यों ग्रथीत:—

- 1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1 रेनी पार्क, कलकत्ता (श्रन्तरक)
- 2. प्रतिमा दत्त, 'मिनका' 9 वि, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)
- 4. श्री मिहिर कुमार दत्त, प्रबीर कुमार दत्त, समीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार दत्त, वी, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक 9 स्को : फुट जमीन का ग्रविभक्त 1/5 ग्रंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर ग्रबस्थित ग्रौर जो रेजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत सं० 7186/1974 का ग्रनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० 88/गोहाटी/74-75/4229-39-प्रतः मुझे एगबर्ट सिंह
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० पि० स० 1068 है तथा जो गोला घाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय गोलाधःट में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-12-1974 को पूर्वोक्त समात्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है

भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

- जदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—— (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्री राम चन्द्र महन्त, जोर हाट।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) तोफानी वोरा केअर प्रभात वोरा।
 - (2) अनुपमा वोरा केन्नर श्री निष्प बोरा निस्पेक्ट्रर सेल-ट्रैक्स, नौगांग। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

जमीन की माप 2 विगहा 2 कट्टा श्रीर 11 क्षेचा जो पि० सं० 1068 द्रोरा परिविध्ठित श्रीर गोला घाट टाउन जिला-शिव-सागर ग्रासाम में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 10 मार्च, 1975

प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा-269ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 31 मार्च, 1975

निर्देश सं० 41-ए/ग्रर्जन--श्रतः मुझे विशम्भर नाथ

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया प्राधिकारी को की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० -- है तथा जो लांलपुर हमीर में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता भक्षिकारी के कार्यालय तह० बिलारी मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण **मधिनियम, 19**08 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 12 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक हैं भीर भन्तरक (भन्तरकों), भीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम,' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव 'उन्त प्रधिनियम' की घारा 269-ग के धनुसरण में में, 'उन्त प्रधिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्निखित व्यक्तियों प्रधीत:—

1. श्री जियाउल रहमान

(ग्रन्तरक

2. श्री ग्रजीज ग्रहमद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के तिर् कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त भव्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त श्रीधनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**सू**ची

38-73 का 1/4 भाग जिसमें ट्यूबबैल, इमारत ग्रौर मशीनरी शामिल है। जोकि ग्राम लालपुर हमीर, तहसील बिलारी जिला मुरावाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 31 मार्च, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, धारवाड-4

धारवाड-4, दिनांक 27 मई 1975

निर्देश सं० 77/75-76/ए०सी०क्यू०----अतः मुझे आर० पार्थसारथी

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से ग्रिधिक है भीर जिसकी स० ग्रार० एस० न० 10/सी० भीर सी० टी० एस० न० 420 है, जो केशवापुर, हुबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाव ग्रिया में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हुबली में डाक्युमेंट न० 2592 के ग्रन्तर्गत 24 विसम्बर 1974 के दिन भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीमन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- श्री बसनगोंडा फकीर गोंडा पाटील, केशवपूर, हुबली ।
 - (2) श्री फकीर गोंडा बसनगोंडा पाटील, केंशवपूर, हबली।
 - (३) श्री नरसिंह गगाधर शेवड़े, मालमङ्डी, धाखाड ।
 - (4) श्री देवदास नरसिंह ग्रेवडे, केनारा बैंक, द्राफिक ऐत्यांड क्रांच, हुबसी । (श्रन्तरक)

- 2. मैसर्स नारायणजी कानजी, केशवापूर, हुबली प्रपने पार्टनरों के जरिये।
 - (1) श्री नारायणजी कानजी;
 - (2) श्री मोतीचंद नारायणजी;
 - (3) श्रीवीरचंद नारायणजी;
 - (4) श्री चमनलाल नारायणजी भीर
 - (5) श्री रत्तीलाल नारायणजी, मर्चेन्टस, केशवपूर, हवली ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री वामन लिंगो कुलकर्णी;
 - (2) श्री भीनाजी नारायण वीक्षित, कान्ट्राकटर;
 - (3) श्री वेंकप्पा भीमप्प यडल्ली, फैर बुड़े मर्चेंटस, श्रीर
 - (4) एड्वर्ड इंफीज, केशवापूर, हुबली । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में
 हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

केशवपूर, हुबली में ग्रार० एस० नं० 10/सी० ग्रीर सी० टी० एस० नं० 420 में 38 गुंठा विस्तीर्ण का बिन् शेन्की जमीन, जिसकी सीमाएं :---

पूरब में : हुबली-कुसुगल् रोड; पश्चिम में भ्रौर उत्तर में : पब्लिक रोड भ्रौर दक्षिण म : डा० श्रहमद भ्रौर मिसेस् डिसोजा के सी० टी० एस० नं० 419 का श्रास्ती ।

> म्रार० पार्यसारथी सक्षम प्राधिकारी । सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज, धारवाड ।

तारीख: 27 मई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

क्षायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जून 1975

निर्देश सं० राज० स० श्रायु० श्रर्जन/245—यतः मुझे, एस० श्रार० वैश्य श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट है नं० 548 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13

दिसम्बर 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के चि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गरा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 की 11) या 'उक्त' अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिर था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं. 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1. श्री राजकुमार जावा पुत्र श्री किशनदयाल जावा, केमिस्ट मकान नं० 217, मोडल टाऊन करनाल (हरयाना) (श्रन्तरक)
- श्रीमती संतोष जावा पत्नी श्री ईश कुमार जावा, प्लाट नं० 548, राजा पार्क, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाधित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गली नं० 7, राजा पार्क जयपुर स्थित प्लाट नं० 548 एवं उस पर निर्मित एक ड्राविंग रूम, तहखाना, रसोई, स्नानघर एवं दो छोटे कमरे । प्लाट का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज।

> एस० ग्रार० वैश्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 19 जून 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 55-म्रार०/ए०सी०क्यू०--म्रतः मुझे विशम्भर आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु०से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 163 है तथा जो शाहनजफ रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 प्रक्तूबर 1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ब) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, 'उक्त ग्रधिनियम' की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :— 1. श्री महेश्वर दयाल माथुर

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दयाल व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 163 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 16 बिसवा 15 बिसवासी (22932 वर्ग फीट) है । जोिक शाहनजफ रोड पर स्थित है।

विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

सारीख: 17-7-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ब्रामकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 17-वी/अर्जन---यतः, मुझे, बिशम्भर नाथ आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० एस० एम० 271/1 है तथा जो ग्राम चांदपुर वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-12-74 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है धौर अन्तरक रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम 1922 (1922का 11) या 'उक्त मधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः प्रव 'उन्त प्रधिनियम,' की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं, 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तिमों, प्रयात :——

- 1. श्रीमती सुणीला देवी जजोदिया । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार श्रग्रवाल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त भ्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एम० प्लाट नं० 271/1 का विभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 3670 वर्ग फीट है। जोकि ग्राम चांदपुर, जिला वारा-णासी में स्थित है।

> श्विशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, लखनऊ ।

तारीखा: 17-7-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्रार० सी० ए० 82/75-76—यतः मुझे ग्रार० रंगच्या भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/--रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 23-6-851 शाली बंडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 26 दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर अन्तरक (श्रन्तरहों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त श्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रघीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:—

- श्रामती इंदिरा सूरी पत्नी श्री जयपाल सूरी 23-6-853/4,
 शाली बंडी, हैंदराबाद।
 (ग्रन्तरक)
- डाक्टर बी० मुधीर सपुत्र श्री बी० बालय्या 3-6-563, हिमाचल नगर, हैंदराबाद। (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उका समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 23-6-851 का भाग जो राम बकशा बंडा, शाली बंडा, हैदराबाद में स्थित हैं। क्षेत्रफल---232.85 वर्ग मीटर्स।

> ग्रार० रंगय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 22 जुलाई 1975

मोहर:

14-196GI/75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1975

No. I. 535(EG)/74-75/Acq. File No. 200.---श्रत: मुझे, B. V. Subbarao श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं 0 11-4-10 है तथा जो Prabhakara Street, Kakinada स्थित है (ग्रीर इससे उपाबध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से भ्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- Dantu Venkataramanamangatayaru, being minor by guardian, mother Smt. Suryakantam, W/o Bhaskararao, Dantuvari St. Kakimada.
 - Smt. Kavuta Gowri Subhadra, W/o Renukara, Dantuvari St. Kakinada,
 - 3. Sri Dantu Veeravenkatarama Subramanya Suryarao, Dantuvari St. Kakinada.

(ग्रन्तरक)

Sri P. Rajagopal,
 Pro-: Satkar Hotel,
 Kakinada.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Schedule property is Land and building as registered vide Deoc. Nos. 6038/74; 6039/74 and 6040/74 of S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज Kakinada.

तारीख: 30-6-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

J. No. 1(490) /EG/74-75/Acq. File No. 213.---यत:, मुझे B. V. Subbarao आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से अधिक बाजार म्ल्य श्रीर जिसकी सं land Ac. 6-83 cents है, जो Gangalukurru village में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध म्रानसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, Ambajipeta में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 15-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) Shri Sripada Narasimha Somayajulu, Gangalakurru.

(भ्रन्तरक)

(2) Shri Garimolla Visweswararao, Gangalakurru.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्मब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 20th November, 1974 vide document No. 1628 registered on 7th December, 1974 before the S.R.O. Ambajtpeta.

B. V. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 21-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

J. No. 5(560)/EG/74-75/Acq. File No. 212,---श्रत: मझे, B. V. Subbarao भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० R.S. No. 279/3 land 1-09 with sheds, buildings etc. है तथा जो Vetlapalam में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध **प्रनुसूची में ग्रौर** पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Samalkota में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्नौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत:—

- (1) I. Kondapally Ramakrishna
 - 2. Kondapally Subbayamma
 - 3. Kondapally Veera Venkata Satyanarayana
 - 4. Vegulla Suryanarayana

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. Bikkina Krapanandam
 - 2. Yenduri Venkatarao
 - 3. Yenduri Kannayya
 - 4. Yenduri Badri Luxminarayanamma (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

The schedule property as pcr sale deed dated 31st July, 1974 vide document No. 2255 registered before the S.R.O. Samalkota on 31-12-1974.

B. V. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, Kakinada,

तारीख : 22-7-1975

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 22nd July 1975

J. No. I (432)/KR/74-75/Acq. File No. 214-यत:, मुझे, B. V. Subbarao ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चातु 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 27-30-3, Governorpeta, है तथा जो Vijayawada में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, Vijavawada में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-12-74 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत् :-- Shri Maganti Subramanyam,
 S/o Venkateswarlu,
 Vijayawada.

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. Shri Puchalapalli Sundarayya2. Shri Makineni Basava Punnaiah
 - 3. Meturu Hanumantharao Prajasakti Office,

Governorpeta, Vijayawada,

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

The schedule property as per sale deed dated 20th December, 1974 vide document No. 4190 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 22-7-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 83/75-76---यतः मुझे श्रार० रंगय्या श्रधिनियम, 1961 (1961 प्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ब्रौर जिसकी सं० 1-86 मिरयाल गुडां है जो मिरयाल गुडां में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मिरयालगुंडा में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनेका कारण है पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मीर प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिक्षितियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय जा किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. भर्यातः ——

- (1) श्री पी० विश्वनाथम्, मकान नं० 26-97, मिर्क याल गूंडा।
 - (2) श्री पी० वेंकटेश्वरल, मकान नं० 26-97, मिर-याल गृंडा ।
 - (3) श्री पी० पी० मोहन राव, मकान नं० 26-97, मिरयाल गूंडा। ं(श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री जे० लिंगय्या (2) श्री जे० शंकरय्या सभी श्री पटेय्या के सपुत्र
 - (3) श्री जे० रंगथ्या हैं मकान नं० 9-11,
 - (4) श्री जै० नरसय्या $\begin{cases} \text{मिरयाल गूंडा, नलगोंडा} \\ (5) & \Rightarrow \Rightarrow \text{ लेका} \end{cases}$
 - (5) श्री जे० प्रेमसागर हे जिला ।
 - (6) श्री जी० कोटय्या, म० नं० 26-62, मिरयाल-गुंडा पोस्ट ।
 - · (७) श्री पी० नारायना नं० नं० 10-34 मिरयाल-गुंडा पोस्ट।
 - (8) श्री जी० नरसध्या म० नं० 24-11 मिरयाल-गुंडा पोस्ट ।
 - (9) श्री पी० वीरप्पा, तिप्परती पोस्ट, नलगोंडा जिला
 - (10) श्री पी० वेंकट नरसय्या, सज्जापूर निवासी, हुजूर नगर तालुका, नलगोंडा जिला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिंघनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में विधा गया है।

अनुसूची

पदमावती रायस मिल् जी० पी० नं० 1-86, जो मिरयाल गृंडा, विवेका नगर स्ट्रीट, नलगोंडा जिले में स्थित है। क्षेक्षफल 768 वर्ग गज है।

> स्रार० रंगय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) (भार साधक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 22 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 221/प्रार०-IV/कल०/75-76---श्रतः मुझे एस० बङ्गाचार्या धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक श्रौर जिसकी सं० 28/1 बी० है तथा जो झामापुकुर लेत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 दिसम्बर 1974 को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जक्त ग्रिधिनियम', या धन कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :---

- श्री सुरजित दास ग्रौर श्रीमती श्रीन्द्रा दास । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमा राय। (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती लीला दास गुप्ता, मंजु, विष्णु, देबेस, भोला नाथ. बोमकेश श्रीर नारायन चौधुरी, डा० भोलानाथ पाइन, ए० एन० मिस्ना, श्रीनल चटली श्रीर सत्यक्षत सरकार । (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्रविभाजित आधा हिस्सा, प्रेमिसेस सं० 28/1 बि०, आमा-पुकुर लेन, कलकत्ता-9, जिसका पुरा परिमान 5 कट्टा 2 छटाक का लगभग है थ्रीर उसपर स्थित मकान ।

> एस वहाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 22 जुलाई 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II हैदराबाद हैद्रावाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० म्रार० ए० सी० 57/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 16/552 संकर श्रग्रहारम् है, जो नल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसुनी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 4-12-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय कर 'ग्रिधिनियम', 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना

ग्रीर ग्रत: श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ण रूप सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं। श्रत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात :---

(1) श्री सी० एतमम् मुदलियार पृत्र मी मुदलियार जयराम कूल ड्रिंकस, ट्रंक रोड, नेल्लूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० लक्ष्मी नाथारम्मा पत्नी श्री रामल् पोलीस कानस्टेंबल, कलुवाइ, ग्रानमाकूर तालूक (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्येयाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ढारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16/552, संकर श्रग्रहारम् नेल्लूर।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (चिरीक्षण), श्रजंन रेंज-II, हैंदराबाद ।

नारीखा: 9-7-1975

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 17th July 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Honble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri A. P. Jain, Stenographer, to officiate as Private Secretary to Honble the Chief Justice of India until further orders, vice Shri K. K. Sehgal, Private Secretary to Honble the Chief Justice of India granted leave,

R. SUBBA RAO, Deputy Registrar (Admn.).

and the second of the second o

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th July 1975

No. A.32014/1/75-Admn,HI.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 9th June 1975 to 2nd August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 14th July 1975

No. A.32014/1/75-Admn.HI.(1).—In continuation of this office notification of even number dated 27th May 1975, th: President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st July 1975 to 31st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

Na. A.32014/1/75-Admn.III.(2).—In continuation of this office notification of even number date 27th May 1975, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st July 1975 to 23rd August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75.Admn.III.(3).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 7th July 1975 to 21st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III(4).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 7th July 1975 to 21st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III(5).—In partial modification of this office notification of even number dated 19th April 1975, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia,

a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24th March 1975 to 13th June 1975.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. Incharge of Administration Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 18th July 1975

No. A-38/65-AD-V.—Shri A. C. Panda. Deputy Supdt, of Police Central Bureau of Investigation on deputation from Orissa State Police relinquished charge of his office as Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Bhubaneshwar Branch on the afternoon of 24th May 1975 on completion of his term of deputation.

The 21st July 1975

No. A/19036/10/75-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, S.P.E. hereby appoints Shri V. G. Deshpande, a deputationist Inspector of Maharashtra State Police as Dy. Supdt, of Police in the C.B.I./SPE with effect from the forenoon of 4th July 1975, until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer(E) C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th July 1975

No. O.II-881/69-Estt.—The D. G. has been pleased to appoint Shri Sant Ram, Section Officer as Joint Assistant Director (Accounts) in the CPAU, Dte. Genl., CRP Force, New Delhi on temporary basis until further orders.

2. Shri Sant Ram took over the charge of his post on the forenoon of 2nd June 1975.

The 18th July 1975

No. O.II-940/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Amulva Nath Sahu, JMO 2nd Bn CRPF wef the forenoon of the 10th Februray 1975.

The 21st July 1975

No. F.8/9/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri S. C. Kapoor. Dy. SP of 13th Bn., CRPF w.e.f. the afternoon of 13th June, 1975.

No. F. 2/33/75-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Dy. SsP (Coy. Comd Quarter Masters) as Assistant Commandants in the CRP Force until further orders.

2. Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each:

| Sl. No. | Name | | - | | | Rank & unit of handing over charge | Date of handing over charge | Rank & unit of taking over charge | Date of taking over charge |
|--------------|--------------|---|---|---|---|--|-----------------------------|-----------------------------------|-------------------------------|
| (1) | (2) | | ` | | | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1. Shri N. | P. Gurang . | | | | | Dy. SP, 56th Bn CRPF | 22-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. 42nd Bn CRPF | 26-5-75 (FN) |
| 2. Shri P. | S. Savarus . | • | | | , | Dy. SP, 18th Bn CRPF | 19-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. 30th Bn CRPF | 26-5-75 (FN) |
| 3. Shri R. | S. Phogat . | | | | ٠ | Dy. SP, 46th Bn CRPF | 18-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. 33rd Bn CRPF | 28-5-75 (FN) |
| 4. Shri P. S | S. Verma . | | | • | | Dy. SP, GC CRPF, Jharodakalan, NDLI | 23-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. 25th Bn CRPF | 26-5-75 (FN) |

| (1) | (2) | | | | | (3) | (4) | (5) | (6) |
|------------------|-------------|---|---|---|---|---------------------------|--------------|--------------------------------------|--------------|
| 5. Shri S. C. | Misra . | | - | | | Dy. SP, 53rd Bn CRPF | 19-5-75 (FN) | Asstt. Comdt. 53rd Bn CRPF | 19-5-75 (FN) |
| 6. Shri N. S | . Yadav . | , | | | | Dy. SP, 2nd RTC CRPF | 19-5-75 (AN) | Assit. Comdi. 52nd Bn CRPF | 21-5-75 (FN) |
| 7. Shri M. I. | Dass . | • | | | • | Dy. SP, 34th Bn CRPF | 23-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. GC CRPF Neemuch | 27-5-75 (AN |
| 8. Shri L. N. | Vaishnav | | • | | | Dy. SP, 32nd Bn CRPF | 23-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. 6th Bn CRPF | 1-6-75 (AN) |
| 9. Shri P. Daı | nodran . | • | | | | Dy. SP GC CRPF Ayadi | 22-5-75 (AN) | Asett. Comdt. 27th Bn CRPF | 24-5-75 (FN) |
| 10. Shri M. S. | Yadav . | | , | ٠ | | Dy. SP, 27th Bn CRPF | 19-5-75 (FN) | Asstt. Comdt. GC CRPF Durgapur | 19-5-75 (FN) |
| 11. Shri S. N. 1 | Nimbalkar . | • | | | | Dy. SP GC CP.PF Nagpur | 18-5-75 (AN) | Asstt. Comdt. GC CRPF Poona | 20-5-75 (FN |
| 12. Shri N. N | . Misra | | • | • | | Dy. SP, 40th Bn CRPF | 19-5-75 (FN) | Asstt. Comdt. 3rd Bn. CRPF | 19-5-75 (FN) |
| 13. Shri H. R | . Choudhary | • | | | • | Dy, SP, 15th Bn CRPF | 24-5-75 (AN) | Assit. Comdt. 41st Bn CRPF | 3-6-75 (FN) |
| 14. Shri N. B. | Beg | | | • | • | Dy. SP, 44th Bn CRPF | 19-5-75 (FN) | Asstt. Comdt. GC CRPF Mokamehghat | 19-5-75 (AN) |

The 22nd July 1975

No. O.II-135/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Major G. T. Vazirani (IC-10458), a serving Officer of the Indian Army, as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Assistant Commandant EDP Cell, in the Dte. General, CRP Force, R. K. Puram, on the forenoon of 25th June, 1975.

The 25th July 1975

No. O.II-1019/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Md. Sulaiman as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an ad-hoc basis, initially for a period of one year with effect from the forenoon of 17th April, 1975.

2. Dr. Md. Sulaiman, is posted to 2nd Bas Hospital, CRPF, Hyderabad.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 11th July 1975

No. E-29018(1)/2/75-Ad.I.—Shri G. S. Sandhu, Assistant Commandant/Central Industrial Security Force, Security

Paper Mill. (Hoshangabad) with Headquarters at New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forence of 1st June, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Fertilizer Corporation of India (Namrup) with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st July 1975

No. 25/24/74-RG(Ad,I).—In continuation of this office notification No. 25/24/74-RG(Ad,I) dated 26th July 1974, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. B. Lal as Deputy Registrar General (Vital Statistics) on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st July 1975 until further orders.

BADRI NATH.
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Seey.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE AND INSURANCE)

INCOME-TAX DEPARTMENT

Bangalore, the 10th July 1975

No. SIB/287/IT/75-76/CIT-I.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assessees.

- (i) being individuals or Hindu Undivided Families who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh; and
- (ii) being Firms, or other Associations of persons, have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs. during the financial year 1974-75 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other porticulars of the assessees aforesaid are hereby published as under:

SCHEDULE I

Individuals, Hindu Undivided Families who have been assessed on an income over Rs. 1 lakh during the Financial year 1974-75

| Sl. | No. Name and addres, of the assessee | Status | Income returned | Tax payable by the assessee |
|-----|---|--|-----------------|--|
| | | Astt. year | Income assessed | Tax paid by the assessee |
| | (1) (2) | (3) | (4) | (5) |
| | | and the second s | Rg. | Rs. |
| 1. | Sri B. K. Amanullah Khan, Horse Trainer. | Individual | | 89,611 |
| | 45/1, Miller Read, Benson Town, Bangalore. | 1971-72 | 1,34,590 | And the second s |
| 2. | Kum. Arethi, Pr. M/a. Mangalore Ganesha Beedi Works, | Individual | 1,78,740 | 1,32,240 |
| | Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 1,78,740 | 1,32,240 |
| 3. | Sri M. Ananda Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, | Individual | 8,46,320 | 7,84,400 |
| | Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 3,47,160 | 7,84,400 |
| 4. | Sri Attur Vasudeva Prabhu, Pr. M/s. Attur Vasudeva Prabhu Bunder, | Individual | 1,06,790 | 66,084 |
| | Mangalore. | 1974-75 | 1,06,830 | 66,084 |
| 5. | Sri Y. Abdullah Kunhi. Pr. M/s, Y. Moiden Kunhi & Co. | Individual | 1,90,580 | 1,44,965 |
| | Ashoknagar, Mangalore. | 1973-74 | 1,92,570 | 1,44,965 |
| 6. | Smt. Chandravathi Ghorpade, C/o. Mysore Co., No. 27, | Individual | 1,13,950 | 72,634 |
| | Palace Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,13,950 | 18,200 |
| 7. | Sri Changchun, Prop: Continental Restaurant, | Individual | 2,07,625 | 1,64,019 |
| | No. 4, Brigade Road, | 1973-74 | 2,12,500 | 1,64,019 |
| | Bangalore. | Individual | 2,30,600 | 1,86,482 |
| | | 1974-75 | 2,35,480 | 1,86,482 |
| 8. | | Individual | 1,22,350 | 78,190 |
| | C/o Kirloskar Asea Ltd., Hebbal, Bangalore. | 1974-75 | 1,19,990 | 78,190 |
| 9. | Sri M. Govindarao, | Individual | 7,91,770 | 7,30,022 |
| | Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 7,92,480 | 7,30,022 |
| 10. | Sri Hansraj Juneja, | Individual | 1,91,983 | 1,45,840 |
| | M _/ s. Hansraj & Co. No. 11, S. J. P. Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,93,220 | 1,45,840 |
| 11. | Sri V. D. Hindocha, C/o. King & Patridge, | Individual | 1,45,960 | 1,04,986 |
| | Coffee Board Buildings, Vidhana Veedhi, Bangalore. | 1974-75 | 1,15,900 | 1,04,986 |
| 12. | Smt. M. Hemato ia, Pr. M/s. Mangabre Ganesha Beedi Works, | Individual | 17,39,990 | 16,58,275 |
| | Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 17,41,150 | 16,58,275 |
| 13. | Sri M. G. lyenga, | Individual | 1,14,924 | 73,526 |
| | C/o. Mysore Electrical Industries, Yeshwantpur, Bangalore. | 1974-75 | 1,14,920 | 73,526 |
| 14. | Smt. S. F. Irani, | Individual | 1,21,400 | 82,091 |
| | Krupalaya, Mysore. | 1974-75 | 1,24,230 | 82,091 |
| 15. | Sri M. Janardhana Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, | Individual | 24,56,869 | 23,58,222 |
| | Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 24,57,210 | 23,58,222 |
| 16. | Sri Jagadeesh M. Shah, | Individual | 1,01.608 | 64,348 |
| | No. 113, Buil Temple Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,05,560 | 61,352 |
| 17. | Sri T. Krishna Rao, Advocate, | Individual | 1,27,790 | 85,579 |
| | No. 229, Upper Palace Orchards, Bangalore. | 1974-75 | 1,27,980 | 85,579 |
| 18. | | Individual | 1,12,540 | 72,239 |
| | No. 317, N. R. Colony, Bangalore. | 1974-75 | 1,13,520 | 66,497 |

| (1 | (2) | (3) | (4) | (5) |
|----|---|--------------------|----------------------|-----------|
| 9. | Smt. M. Kaveribai, | Individual | 4,63,900 | 4,10,858 |
| | Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 4,65,020 | 4,10,858 |
|). | Sri Kasturi Suresh Pai, | Individual | 1,46,465 | 1,02,093 |
| | Pr. M/s. P. V. Pai & Co., Mission St., Mangalore. | 1973-74 | 1,45,970 | 1,02,093 |
| | Sri A. S. Lakshman, | Individual. | 1,02,130 | 55,387 |
| | No. 14, Tannery Road, Bangalore | 1970-71 | 1,04,060 | 47,531 |
| | Sri V. P. Mahendra, | Indívidual | 1,06,852 | 66,427 |
| | Lakshmivilas High Grounds, Bangalore. | 1974-75 | 1,06,830 | 63,414 |
| | Sri B. Madhaya Pai, | Individual | 9,46,580 | 8,81,591 |
| | Pr. M/s. Bharat Beedi Works, Kadri, Mangalore. | 1972-73 | 9,46,580 | 8,81,591 |
| | Sri B. Manjunatha Pai, | Individual | 9,40,760 | 8,75,892 |
| | Pr. M/s. Bharat Beedi Works, Kadri, Mangalore. | 1972-73 | 9,40,760 | 8,75,892 |
| | Shri Y. Mehammad Kunhi | Individual | 1,77,920 | 1,34,237 |
| | Pr. M/s. Y. Moideen Kunhi & Co., Ashoknagar, Mangalore. | 1973-74 | 1,80,910 | 1,34,237 |
| | Sri Y. Moideen Kunhi | Individual | 1,96,970 | 1,49,325 |
| | Pr. M/s. Y. Moideen Kunhi & Co., Ashoknagar, Mangalore. | 1974-75 | 1,97,310 | 1,49,325 |
| | Sri J. G. L. Morris, | Individual | 1,81,340 | 1,34,918 |
| | By Agent D'Souza & D'Silva. Advocates, Bangalore. | 1974-75 | 1,81,650 | 1,34,918 |
| | Sri M. J. O'Leary, | Individual | 1,26,930 | 84,576 |
| | No. 8/1, Residency Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,26,930 | 84,576 |
| | Sri F. Prussakowsky, | Individual | 1,28,560 | 1,82,014 |
| | Motor Industries Co. Ltd., Bangalore. | 1972-73 | 2,30,910 | 1,82,014 |
| | | Individual | 2,23,970 | 1,77,538 |
| | | 19 73- 74 | 2,26,330 | 1,80,272 |
| | | Individual | 2,24,460 | 1,75,709 |
| | | 1974-75 | 2,24,460 | 1,79,316 |
| | | Individual | 3,63,720 | 2,56,657 |
| | | <u> </u> | 3,63,720 | 2,57,822 |
| ı. | Smt. M. Pushpalatha, | Individual | 14,81,760 | 14,05,414 |
| | Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Mysore. | 1974-75 | 14,82,980 | 14,05,414 |
| | Sri. S. Prabhakar Tholar | Individual | 1,03,960 | 1,09,627 |
| | M/s. Prabhakar Tile Works, Goondapur, South Kanara. | 1974-75 | 1,54,160 | 1,09,627 |
| | Sri Ravi L. Kirloskar, | Individual | 1,83,730 | 1,39,214 |
| | C/o. Kjrloskar Flectric Co., Malleswaram, Bangalore. | 1974-75 | 1,86,690 | 1,39,214 |
| }. | Sri B. Raghurama Prabhu, | Individual | 16,28,870 | 15,48,430 |
| | Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinobha Road, Mysore. | 1974-75 | J6,28,880 | 15,48,430 |
| ļ. | Smt. B. Rama Bai | Individual | 1,57,630 | 1,14,213 |
| | Pr. M's. Mangalore Ganesha Beedi Works Vinobha Road, Mysore. | 1974-75 | 1,57,640 | 1,14,213 |
| 5. | Sri M. Rajagopala Pai, | 11.U.F. | 1,12,290 | 80,030 |
| | 'Sahukar Mahal', Car St., Mangalore. | <u></u> 1974-75 | J ,12,460 | 80,030 |
| 5. | Sri Y. N. Shiyanaudan | H.U.F. | 31,395 | 67,968 |
| | No. 15, Ramaiah Lane, Bangalore. | 1972-73 | 1,21,587 | 7,665 |
| 7. | Sri S. G. Sundaraswamy, | Individual | 1,89,710 | 1,45,669 |
| | Advocate, No. 25 'Keshava Nivas', Gandhinagar, Bangalore-9. | 1974-75 | 1,93,830 | 1,45,669 |
| 3. | Sri Sundcep M. Shah, | Individual | 1,01,017 | 63,960 |
| | No. 113, Bull Temple Road, Bangalore. | 1974-75 | 1.04,970 | 60,723 |
|). | Sri Sunil M. Shab, | Individual | 1,01,342 | 64,258 |
| | No. 113, Bull Temple Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,05,290 | 61,033 |

| (1) (2) | | (3) | (4) | (5) |
|---|---------|-----------------------|----------------------|--------------------|
| Smt. K. Shankaramma, M/S. K. G. V. Swamy & Sons, Arasikere, Hassan Dist. | | Individual | 48,524 | 1,27,903 |
| | | 1973-74 | 1,68,345 | 1,16,903 |
| Sri Shah Jayanthilal Khetsi. | | H.U.F. | 1,07,505 | 75,192 |
| Pr: M/s. Sha Jayanthilal Khetshi, Bunder, Mangalore. | | 1974-75 | 1,07,510 | 75,192 |
| . Sri M. Suresh Rao, | | Individual | 10,67,720 | 10,01,882 |
| Pr: M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore | | 1974-75 | 10,68,650 | 10,01,882 |
| Sri M. P. Shankaranarayana Shenov | | Individual | 2,09,760 | 1,59,551 |
| Pr: M/s. Mangalore Ganesha Beedi Vinoba Road, Mysore. | Works, | 1974-75 | 2,09,760 | 1,59,551 |
| . Sri B. Subbaraya Baliga, | | Individual | 2,74,178 | 2,23,980 |
| Pr: M/s. Mangalore Ganesha Beedi Vinoba Road, Mysore, | Works, | 1974-75 | 2,74,178 | 2,23,960 |
| . Sri A. Shamaprasada Rao, | | Individual | 1,04,570 | 65,680 |
| Pr: M/s. Aravind Motors. Balamatta, Mangalore. | | 1974-75 | 1,04,420 | 65,680 |
| . Sri Siraj Ahmed Haji, | | Individual | 1,02,414 | 72,773 |
| S. Umachagi, Gadag | | 1974-75 | 1,13,430 | 72,773 |
| . Sri S. P. Umachagi, Gadag. | | Individual | 1,13,094 | 84,538 |
| , | | 1974-75 | 1,25,650 | 84,538 |
| S. Sri G. K. Velu. | | Individual | 1,48,647 | 1,14,172 |
| Pr. M/s. G. K. Vale & Co., M. G. Road, Bangalore. | | 1972-73 | 1,59,100 | |
| M. G. Road, Bangaiore Sri Vijavraj Lunia. | | Individual | 1,14,500 | 1,04,558 73,558 |
| Minor by Guardian K. Poolchand, I | Io. 27, | 1973-74 | | |
| Heins Road, Bangalore. Sri D. N. Vatcha. | | 1973-74 Individual | 1,14,500 1,99,730 | 73,558 1,51,552 |
| Motor Industries Co. Ltd., | | | | |
| Bangalore. Kum, Vatsala. | | 1974-75 Individual | 1,99,730 | 1,51,552 |
| Pr. Mangalore Ganesha Beedi Work | 5, | | 1,81,330 | 1,34,623 |
| Vinoba Road, Mysore. | | 1974-75 | 1,81,330 | 1,34,623 |
| Sri M. Viswanatha Rao, Pr. Mangalore Ganesha Beedi Work | 5. | Individual | 10,47,620 | 9,80,837 |
| Vinoba Røad, Mysore. | | 1974-75 | 10,48,120 | 9,80,837 |
| Sri M. Vinoda Rao, Pr. M/s. Mangalore Gancoha Beedi | Vorks, | Individual | 9,84,800 | 9,20,129 |
| Vinoba Road, Mysore. | , | 1974-75 | 9,86,490 | 9,20,129 |

SCHEDULE II

Firms, Associations of Persons and Companies who have been assessed on an income of over Rs. 10 lakks during the financial year 1974-75

| Sl. No. Name and address of the assessee | | and address of the assessee Status Asst. Year | | Tax payable by the assessee Tax paid by the assessee | |
|--|--|---|-----------|---|--|
| (| (1) (2) | (3) | (4) | (5) | |
| 1. | M/s. Ampo Batteries Ltd., | Co. | 38.05.837 | 24,73,659 | |
| | Unity Buildings, Bangalore. | 1974-75 | 39,43,110 | 24,73,659 | |
| 2. | M/s. Anand Transport and Printers, | Regd. Firm | 25,31,570 | 6,82,338 | |
| | Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 25,31,740 | 6,82,338 | |
| 3. | M/s. Bharath Beedi Works, | Regd. Firm | 51,89,330 | 14,15,834 | |
| | Kadri, Mangalore. | 1974-75 | 51,89,330 | 14,15,834 | |
| 4. | M/s. Karnataka State Road Transport Corporation, | Company | 88,01,520 | 48,80,601 | |
| | Bangalore-27. | 1971-72 | 88,73,820 | 48,80,601 | |

| (1) (2) | (3) | (4) | (5) |
|--|------------|---------------|-----------|
| . M/s. Mysore Minerals Ltd., | Company | 19,29,670 | 12,29,383 |
| 67/2, Lavelle Road, Bangalore. | 1974-75 | 21,20,870 | 12,29,383 |
| . M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, | Regd. Firm | 1,55,86,270 | 42,84,533 |
| Vinoba Road, Mysore. | 1974-75 | 1,55,83,170 | 42,84,533 |
| . M/s. Prakash Beedies (P.) Ltd., | Company | 16,99,940 | 10,60,374 |
| Kodialbail, Mangalore. | 1974-75 | 16,99,800 | 10,60,374 |
| . M/s. Robert Bosch Gmbh, | Company | 41,56,110 | 30,09,881 |
| C/o. Motor Industries Co. Ltd., Adugodi, Bangalore. | 1974-75 | 52,04,830 | 30,09,881 |
| . M/s. United Breweries Ltd., | Company | 1,05,88,130 · | 64,36,740 |
| No. 24, Grant Road, Bangalore. | 1974-75 | 1,11,45,870 | 64,36,740 |

In the above cases (Schedules I and II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Incometax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

A. BALASUBRAMANIAN, Commissioner of Income-tax Karnataka-I, Bangalore

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 16th July 1975

No. Estt.A/VII/9-86/Vol./II/1100.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri. R. Ramavarma, permanent Section Officer (Audit & Accounts), to officiate as Accounts Officer with effect from 2nd July 1975 afternoon.

K. GANESAN, Deputy Accountant General (Admn)

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivannagar, the 16th July 1975

No. Adm.21(2)/69.—Consequent on his retirement from service under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on superannuation. Shri H, M. Roy relinquished charge of the Office of the Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital, Asansol (T. B. Wing), on 31st May 1975 in the afternoon.

R. P. SiNHA, Coal Mines Welfare Commissioner Dhanbad.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st July 1975

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/305/55-Admn(G)/9040.—The President is pleased to appoint Shri K. P. Narayan, permanent Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Calcutta to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office for a period of three months with effect from 17th June 1975 (forenoon).

B. D. KUMAR, Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras-I, the 3rd March 1975

ORDER

SUBJECT—Cancellation of Customs and Exchange Control
Copies of Licence No. P/S/1784538 dated
20th July 1974, Customs Copy of Licence No.
P/S/1784537 dated 20th July 1974 & Customs
Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20th
July 74 issued for Rs. 1,21,500 Rs. 2,43,000 &
Rs. 1,21,500 respectively.

No. P/9/20/A.M.74/SSI.2.—M/s. Geo Industries & Insecticides (India) Private Ltd., No. 82/3-A. Sathangadu, Madras. 19 were issued import licences No. P/S/1784538/-R/ML/52/M/37-38 dated 20th July 1974 for Rs. 1,21,500. No. P/S/1784537/C/XX/53/M/37-38 dated 20th July 1974, for Rs. 2,43,000 and No. P/S/1784539/T/OR/52/M/37-38 dated 20th July 1974 for Rs. 1,21.500 for April/March 1974 Period for import of Sevin, Hebtachlor, Chlordane, Cyelohaxane and Tediom. The firm have applied for issue of Duplicate Copies of both Customs and Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 dated 20th July 74 and Customs Copy of licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, on the ground that the respective original licences have been lost/misplaced without having been registered with any customs authorities and utilised at all. In support of their contention they have filed affidavits separately.

I am satisfied that the Customs & Exchange Control copy of the original licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784537 dated 20th July 74 and Customs copy of the original Licence No. P/S/1784539 dated 20th July 1974, have been lost/misplaced and duplicate copies of the same may be usued to the firm.

The original Customs and Exchange Control Copies of the Licence No. P/S/1784538, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20th July 1974, are hereby cancelled. Issued from File No. P.9/260/A.M.74/SSI.2).

M. F. R. BIJLI,
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

For Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 13th July 1975

No. EST.1-2(466).—Shri S. Rangarajan, Permanent Senior Lecturer (Textile Designs) in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi, who was on Foreign Service with the Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., Madras, from the 7th May 1971 has been permitted to resign from Government Service with effect from the afternoon of the 6th May, 1974 on his absorption permanantly in that Organisation.

R. P. KAPOOK, Textile Commissioner

Bombay-20, the 15th July 1975

No. Est.I-2(640).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th May, 1975 and until further orders. Shri G. Ramaswamy, Technical Investigator, in the Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director, Grade II (P & D) in the Weavers' Service Centre, Vijayawada,

B. N. BASU, Deputy Director (Adma)

and the second control of the second control

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPL!ES DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 16th July 1975

A-19018/150/74-Adm.a.(G)—On the recommenda-No. A-19018/150/74-Adm. (G)—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Mohan Singh a permanent Senior Inspector in the Ministry of Agriculture, Department of Food, Office of the Deputy Technical Adviser, as Assistant Director (Grade II) (Fruit Preservation) in the Small Industry Development Organisation, Shri Mohan Singh assumed charge as Assistant Director (Grade II) (Fruit Preservation), at Small Industries Service Institute, Srinagar, on the forenoon of 15th May 1975.

K. V. NARAYANAN, Director (Admn.)

TRANSPORT OF THE PARTY OF THE

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 16th July 1975

No. A-1/1(778).—Shri S. T. Amanna, permanent Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June 1975 on attaining the age of superannuation

No. A-1/1(932).—Shri Jagatjit Singh, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1023).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. P. Gaur. Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals. Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals. New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 20th June, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri D. P. Gaur as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 18th July 1975

No. A-6/247(121)/58.—Shri M. B. Prabhu a permanant Assistant Inspecting Officer (Engg.) and officiating Dy. Director of Inspection in Grade II of the Indian Inspection Service Class I in the Bombav Inspection Circle, under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Government service w.e.f. 30th April 1975 (A.N.) on voluntary retirement.

> K. L. KOHLI, Deputy Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 16th July 1975

No A-1/1(1009).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Talukdar, Junior Field

Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st July, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Talukdar as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

Deputy Director (Administration)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 15th July 1975

No. G-65/B(Con).—1. Shri D. K. Kanungo, Scientific Assistant (Physical) National Test House, Calcutta, who was promoted to officiate as Scientific Officer (Physical) in the same office w.e.f. 18th July 1973 vide National Test House, Calcutta Notification No. G-65/B(Con) dated 8th August 1973 has been reverted to the post of Assistant (Physical) in the National Test House Scientific with effect from the afternoon of 5th July 1975.

2. Shri P. B. Mondal Scientific Officer (Physical) who was released from National Test House, Calcutta w.e.f. the afternoon of 5th July 1973 to enable him to take up his new assignment under Messrs. Hindusthan Steel Works Construction Ltd., Calcutta vide National Test House, Calcutta Notification No. E-1255 dated 24th July 1973 has on reversion to this office after release from the Hindusthan Steel Works Construction Ltd. Calcutta was fight afternoon of 5th July Construction Ltd., Calcutta w.e.f. the afternoon of 5th July 1975 been allowed to assume charge of the office of the scientific Officer (Physical), National Test House, Calcutta "e.f. the same date.

> S. K. CHATTOPADHYAY, Asstt. Director (Admn.) for Director, National Test House.

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA New Delhi, the 21st July 1975

No. 2/32/75-Ant.—It has been decided to further augment the strength of the Bombay Experts Advisory Committee for passing the articles, objects or things of export which are not antiquities under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, by the addition of the following member until further orders :-

Shri W. H Siddiqi. Superintendia Archaeologist. Archaeological Survey of India. Western Circle. VADODAR 4-390001.

> N. R. BANERJEE. Director (Antiquities) for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th July 1975

No. 4(3)/73-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following ad hoc Programme Executives, All India Radio, on a regular basis with effect from the date shown against each:

| S ¹ . No. | Name | St | ation/Office where working | Date of regular appoint- ment |
|-------------------------|--------------------------|----|---|--|
| (1) Sh | ri R. K. Sinha | | TV Centre, New Delhi. | 1-4-75 |
| (2) Sn | nt. Urbashi Joshi | | Cuttack | 8-4-75 |
| ` ' | um. Manjula Bhat- gar | | External Services Division, New Delhi. | 29-3-75 |
| (4) Sh | ri G. S. Sharma | | Varanasi | 31-3-75 |
| (5) Sh | ri B. K. Sarkar | | Hyderabad | 29-3-75 |
| (6) Sh | ri M. K. Singh | | Imphal | 1-4-75 |
| (7) Sh | ri H. C. Sharma | | Raipur | 2-4-75 |
| (8) Sn | nt. Indubai Ramesh | | New Delhi | 28-4-75 |

The 16th July 1975

No. 4(35)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Vijay Wardhan Dixit as Programme Executive All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from the 20th June, 1975 and until further orders,

No. 4(56)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Faiyaz Mohd. Khan as Programme Executive, Radio Kashmir Srinagar in a temporary capacity with effect from the afternoon of 5th June, 1975 and until further orders.

No. 4(113)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohd. Ansar Rahman Khan, as Programme Executive, All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with effect from the 3rd June. 1975 and until further orders,

No. 4(125)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. Basavaraj as Programme Executive. All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from the 16th June, 1975 and until further orders.

The 18th July 1975

No. 4(12)/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Kumari Kiran Multani as Programme Executive, Television Centre, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 16th June, 1975 and until further orders.

No. 4(32)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Askaran Sharma as Programme Executive, All India Radio Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the 23rd May, 1975 and until further orders.

The 22nd July 1975

No. 4(25)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Nongmaithem Chittaranjan Singh as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 7th May, 1975 and until further orders.

No. 4(26)/75-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lakshaman Dutta Dixit as Programme Executive. All India Radio Bhopal in a temporary capacity with effect from the 1st July, 1975 and until further orders.

No. 4(89)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mani Prasad Rai as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from the 16th June 1975 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 15th July 1975

No. 2/20/60-SSI.—Shri R. Barnabas, Sr. Administrative Officer, All India Radio, Madras retired from service with offect from the afternoon of 30th June, 1975 on attaining the age of superannuation.

R. K. KHATTAR, Deputy Director of Admn. for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th July 1975

No. 17-45/74-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. N. Issar in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Editor (English) in the Central Health Education Bureau, Directorare General of Health Services, with effect from the 4th June, 1971.

No 19-35/73-Admn, I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri R. K. Jayaseclan relinquished charge of the post of Assistant Public Health Engineer at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of the 26th June, 1975.

No. 35-6/75-Admn,-I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Smt. Kasum Lata Kansal in the post of Dietician Willingdon Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 23rd June, 1975 vice Smt. Raj Dogra on leave, up to the 3rd September, 1975.

The 21st July 1975

No. 27-3/72-Admn.I.—Consequent on his appointment to the ex-cadre post (equivalent to Grade III of I.S.S.) of Senior Research Officer in the Office of the Registrar General of India, Shri T. K. Aikat, relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Assessment) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the afternoon of 30th June, 1975.

S. P. JINDAL, Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi-I, the 21st July 1975

No. 20-12/75-CHS II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. V. Seetharaman, relinquishment charge of the post of Junior Medical Officer (ad hoc), Central Leprosy Teaching Research Institute, Chingleput, on the afternoon of the 7th June, 1975.

The 22nd July 1975

No. 20-14/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. Santh Ram Singh relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad hoc), Central Leprosy Teaching Research Institute, Chingleput, on the afternoon of the 10th June, 1975.

R. N. TEWARI, Deputy Director Administration (CHS)

Per constitution of the contract of the contra

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

 $Bombay-400\ 085\ the\ 4th\ July\ 1975$

CORRIGENDUM

No. PA/81(56)/75-R-IV.—In this Research Centre's Notification of even number dated June 10, 1975, the words appearing as "a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre "after Shri Avinash Keshav Khure may be read as" a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre".

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer(R)

Bombay-400085, the 15th July 1975

No. D/198/TPD/75/Estt.H.—Shri Harish Chandra Dabral, a permanent Draughtsman (B) and officiating Scientific Officer/Engineer Grade (SB) of Bhabha Atomic Research Centre who was deputed on foreign service with M/s Indo Burma Petroleum Company Ltd, Sewri, Bombay-400015 with effect from the afternoon of May 1, 1974, has, on reversion from foreign service, assumed charge of his post of Scientifle Officer/Engineer Grade (SB) in this Research Centre with effect from the forenoon of May 2, 1975.

> P. R. BONDRE, Dy, Establishment Officer for Director.

Bombay-400085, the 22nd July 1975

No. B/620/Accts./Estt,III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhave a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from 3rd March 1975 FN to 31st July 1975 AN against leave vacancies.

> A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400008, the 30th June 1975

Ref. No. HWPs/Estt/1/D-3/4351.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kishorchandra Mathuradas Dhandha, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of the Heavy Water Projects (Bombay Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project from May 7, 1975 (FN) to June 21, 1975 (AN) vice Shri Achyut Mukund Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Kota).

Ref. No. HWPs/Estt/1/V-22/4352,—Officer-on-Spccial Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Bombay Office) in the same grade, to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Kota) from May 7, 1975 (FN) to June 21, 1975 (AN), vice Shri Sadashiv Yeshavant Gokhale, Accounts Officer II granted leave.

> T. C. SATHYAKEERTHY Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504, the 2nd July 1975

No. TAPS/ADM/735-A/842.-The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad hoc appointment of Shri V. K. P. Pillai as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

No. TAPS/ADM/735-A/843.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad hoc appointment of Shri R. R. Bandooni as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

16--196 GI/75

No. TAPS/ADM/735-A/844.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad hoc appointment of Shri P: Ganapathy as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

> K. V. SETHUMADHAVAN Chief Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 14th July 1975

APA/Adm/16/5/73/862.- The Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri Koruthara Kochukuttan Kelukutty, an officiating Personnel Assistant as Private Secretary with effect from the forenoon of July 2, 1975 for a period of two months vice Shri V. V. Sabharwal promoted to officiate as Administrative Officer-III.

> V. SIVAKUMARAN Chief Adm. & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 16th July 1975

No. E(1)04251.—Resignation of Shri A. Krishnau Assistant Meteorologist on deputation in the Central Arid Zone Research Institute under the Indian Council of Agricultural Research from the Indian Meteorological Service, Class II (Central Service Class II) has been accepted by the Director General of Observatories, New Delhi with effect from the forenoon of 1st April. 1969 on his permanent absorption in the ICAR. Shri Krishnan resigned for absorption in the I.C.A.R. with proper permission and the benefits under C.S.R. 418(b) will be admissible to him.

> M. R. N. MANIAN, Meteorologist. for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th July 1975

No A.32013/10/75-EC.-The President is pleased to extend beyond 30th April, 1975 the ad hoc promotion of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th September, 1975 or till the posts held by them are filled on a regular basis whichever is earlier.

- 1/ Shri S. Krishnaswamy
- Shri L. P. Singh
 Shri N. Venkatapathy
- Shri Mrinal Kanti Pal
- Shri B. N. Godbole Shri J. V. Sharma 6.
- Shri A. G. Narasimhan Shri S. Jayaraman Shri V. Srinivasan Q

- 10. Shri M. N. Adur 11. Shri P. J. Iyer 12. Shri N. R. Swamy
- 13. Shri M. A. Venugopal
- Shri N. N. Gopalan

- 14. Shri N. N. Gopalan 15. Shri R. K. Verma 16. Shri V. Alagiri 17. Shri P. C. Bancrjee 18. Shri S. P. Hardas
- 19. Shri K. K. Narayana
- 20. Shri S. P. Jain 21. Shri K. P. B. Nair
- 22. Shri B. D. Garekar

The 11th July 1975

No. A. 38012/1/75-EC.—Shri R. C. Roychoudhary, Senior Technical Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 30th June, 1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 21st July 1975

No. A. 32013/5/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Srivastava, Assistant Technical Officer in the Civil Aviation Department to the post of Technical Officer on purely ad hoc basis with effect from 26th June 1975 in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi until further orders

No. A. 32013/11/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/12/73-EC dated the 3rd March, 1975, No. A. 32013/9/73-EC, dated the 19/20th March, 1974 and No. A. 32013/1/73-EC dated the 19/20th January, 1973, the President is pleased to extend the ad hoc promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department upto the 30th June 1975

- 1. Shri P. L. Modgil
- 2. Shri A. Narendra Nath
- 3. Shri M. S. Krishnan
- 4. Shri C. R. Narasingham
- 5. Shri O, C. Alexander
- 6. Shri C. V. Venkatesan
- 7. Shri S. V. Iyer
- 8. Shri R. C. Roy Chowdhury
- 9. Shri S. Ramachandran
- 10. Shri S. K, Chandra
- 11. Shri G. V. Koshy
- 12. Shri P. R. Suryanandan
- 13. Shri N. K. Nanu
- 14. Shri A. Ramanathan
- 15. Shri S. K. Dass
- 16. Shri B, S. Grewal
- 17. Shri B. R. Chaturvedi 18. Shri J. K. Bhattacharya
- 19. Shri P. S. Dhunta
- 20. Shri D. C. Mehta
- 21. Shri V. K. Babu

No. A. 32013/12/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/73-EC dated the 19th April, 1974, No. A. 32013/9/73-EC, dated the 27th May, 1974, and No. A. 32013/9/73-EC, dated the 29th March/4th April, 1975, the President is pleased to extend the adhoc promotion of the following Senior Communication Officers in the Civit Aviation Penart. ing Senior Communication Officers in the Civil Aviation Department up to 30th June, 1975 :--

| Name & designation | Station of posting |
|---------------------------|---|
| 1. Shri Kishu Tekchandani | . A.C.S.N., Madras. |
| 2. Shri V. K. Kalra . | . A.C.S., Ganhati. |
| 3. Shri S. C. Goswami . | . A.C.S., Agartala. |
| 4. Shri R. P. Sharma . | . A.C.S., Calcutta. |
| 5. Shri Lajpat Rai Garg . | . A. C. S., Safdarjung Air- port, New Delhi. |

H. L. KOHLI,

Dy. Director (Administration) for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th July 1975

No. A. 35017/1/72-EA.—The following officers retired from Government service in the Civil Aviation Department on their permanent absorption in the International Airports Authority of India, with effect from the dates noted against their names :--

| St. Nos | Name | | Post held in the C.A.D. | Date of rettre-ment from C.A.D. |
|------------|----------------|-----|-----------------------------|---------------------------------|
| 1. Shri R | D. Pradhan | | Dy. Dir./C of AS | 1-5-74 |
| 2. Shri N | . K. Dey . | . • | Senior Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 3. Shri G | . V. Shandilya | • • | Senior Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 4. Shri G | . N. Lokre | | Senior Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 5. Shri C | G. Viswanath | | Senior Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 6. Shri K | , S. Jayaram | | Senior Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 7. Shri K | . K. Gulati | | Aerodrome Officer | 1-5-74 |
| 8. Shri F. | K. Umrigar | | Asstt. Fire Officer | 1-7-73 |

S. L. KHANDPUR

Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 14th July 1975

C. No. II(7) 5-ET/75/7201-In pursuance of this Office Estt. Order No. 172/75 dated 8th May, 1975 issued under Endt. C. No. II(3)43-ET/73/Loosc/23362-81 dated the 8th May, 1975, appointing four Inspectors (S.G.) of Central Excise to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of pay of Rs.650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40 1000-E.B.-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, the following have assumed charge as Superintendent, Central Excise Class-II at the respective places and with effect from dates and hour indicated against each :-

| SI. No. | N an ie | Place of Posting | Dt. of assumption of charge |
|------------|---------------------|---|-----------------------------------|
| 1. Shr | i Sawajia Bihari | Superintendent of C. Excise (Tech.) Headquarters Office Patna. | 31-5-75 (A.N.) |
| 2. Shr | i Mathura Pd. Singh | Superintendent of C. Excise, Kumardhubi Range. | 31-5-75 (F.N.) |

C. No. II(7)5-ET/75/7202.—In pursuance of this office Estl. order No. 232/75 dated 13th June 1975 issued under Endt. C. No. 11(3)101-ET/74/32642-86 dated 13th June 1975 appointing Shri H. D. Jha, Office Superintendent of Central Excise and Customs to officiate as Administrative Officer of Central Excise and Customs Class-II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB s. 650-30-740-55-61V-ED-55-600-8-60-40-1200 plus usual allowances as admissible under rules, Shri H. D. Jha assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Laheriasarai in the forenoon of 1st July 1975.

> H. N. SAHU Collector

→ DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th July 1975

CORRIGENDUM

C. No. 1041/21/75.—With the issue of Notification S. No. 57 dated the 4th June, 1975 by the Ministry of Finance (Department of Revenue and Shreedhar Prasad to officiate as Supdt./Asstt. Collector of Central Excise Class I w.e.f. 16th May 1976, Notification No. 8/75 dated the 9th June, 1975 of this Directorate is hereby cancelled.

No. 9/1975.—Shri A. Natarajan, lately posted as Supdt, of Central Excise Class II in the Madras Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at Madras on 30th June 1975 (afternoon).

B. S. CHAWLA
Director of Inspection
Customs and Central Excise

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 18th July 1975

No. 27-E/H(5)/69-ECI.—The President is pleased to accept with immediate effect the resignation from service, tendered by Shri J. L. Humar, Surveyor of Works in the office of S.S.W. II, Northern Zone, C.P.W.D. New Delhi, on 22nd April 1975.

P. S. PARWANI Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS

ORGANISATION

Lucknow-11, the 16th July 1975

No. EII/RT/O/Conf.—The confirmation of Shri S. K. Das as Section Officer (Ministerial) in the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 15th March, 1967 as per Notification No. A/ES/CFM/O dated 1st September 1969 is rescinded with retrospective effect.

No. EII/RT/O/Conf/I.—Shri Naunit Lal is confirmed as Section Officer (Ministerial) in the Research Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 15th March, 1967.

T. V. JOSEPH Director General

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 18th July 1975

No. PB/GG/9/Misc. II.—Sri P. R. Narayanan, Officiating Assistant Inspecting Engineer (Class II) on transfer from Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow re-

- ported for duty in I.C.F. and posted as officiating Assistant Production Engineer/Progress/Furnishing (Class II) with effect from 9th June 1975 F.N.
- 2. Sri C. S. Venkataraman, Officiating District Controller of Stores (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service and posted as officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell with effect from 24th June 1975 F.N.
- 3. Sri S. Balasubramanian, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) has been reverted to Class III service with effect from 24th June 1975 F.N. effect from 9th June 1975 F.N.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 19th July 1975

- 1. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri K. C. Chowdhury, BRI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Bridge Engineer with effect from 10th January 1975.
- 2. E/283/III/54 PVII(O).—Shri B. K. Nandy, C&WI (Cluss III) is appointed to officiate in Class II Service purely on adhoc measure as Assistant Mechnical Engineer with effect from 14th January 1975.
- 3. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri S. K. Dhar, IOW (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 17th January 1975.
- 4. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri P. S. Rao, SDM (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 17th January 1975.
- 5. E/283/82 Pt. X(O).—Shri P. C. Das, CC-I (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Commercial Officer with effect from 1st February 1975.
- 6. E/283/82 Pt. X(O).—Shri C. L. Bandopadhayay, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent w.e.f. 3rd February 1975.
- 7. E/283/82/Pt. X(O).—Shri J. C. Dutta, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent with effect from 4th February 1975.
- 8. E/283/31 Pt. VII(O).—Shri P. K. Goswami, BRI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 5th February 1975.
- 9. E/283/82 Pt. X(O).—Shri G. Hazarika DYC (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent with effect from 8th February 1975.
- 10. E/283/82 Pt. X(O).—Shri G. B. Chatterjee, DYC (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Marketing Sales Superintendent with effect from 8th February 1975.
- 11. E/283/54/PVII (O).—Shri A. C. Das, LI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service purely on ad how measure as Assistant Mechanical Engineer with effect from 11th February 1975.
- 12. E/283/III/129 PIII(O).—Shri R. Barua, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Controller of Stores with effect from 21st February 1975.
- 13. PNO/65/215/Pt IV.—Shri A. C. Singh, Asstt. Accounts Officer (Class II) is appointed to officiate as Senior Accounts Officer w.e.f. 17th February 1975.
- 14. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri D. K. Mitra, PWI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 26th February 1975.

- 15. E/283/III/30 Pt. V(O).—Shri D. K. Goswami, CDI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Personnel Officer with effect from 28th February 1975
- 16. E/283/III/30 Pt. V(O).—Shri H. C. Saxena, SLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Personnel Officer with effect from 6th March 1975.
- 17. E/283/82 Pt. X(O).—Shri T. K. Saha, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Commercial Superintendent with effect from 18th March 1975.

M. R. REDDY General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Fast and Safety Transports Private Limited

Ernakulam, the 9th July 1975

No. 2155/Liq/R-4090/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the datehereof the name of Fast and Safety Transports Private Limited, Chembukavu, Triour-1, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> P. S. ANWAR Registrar of Companies Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 15th July 1975

No. F. 48-Ad(AT)/75.—This Office Notification No. F. 48-Ad(AT)/74-P. II dated 18th June 1975 issued in partial modification of Notification No. F. 48-Ad(AT)/74-P. II dated 22nd January 1975 hereby stands cancelled.

The Notification No. F. 48-Ad(AT)/74. P. II dated 22nd January 1975 will now stand.

HARNAM SHANKAR President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1001.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at Kapurthala Road, Jullundur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Regstering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Pat Sat Pal Bhardwaj of Central Town, Jullundur. (Transfetor)
- (2) M/s, Ravinder Kumar, Vijay Kumar, 15-Evening College Building Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7635 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1044.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and betaring No. As per schedule situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

 Shri Atma Singh s/o Khushal Singh r/o Rampur Tch. Garshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi d/o Jhangi Ram r/o 48/A, Ord Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7214 of Nov. 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR,

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1043.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

 Shri Atma Singh s/o Khushal Singh r/o Rampur, Teh. Garshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ram Rakhi d/o Sarwal Singh, 2. Gurnam Chand s/o Bal Chand r/o Amritsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7215 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1042.-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Variana, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Pt, Sat Pal Bhardwaj of Central Town, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri. Vijay Kumar, Ashok Kumar, s/o Shri Labh Chand s/o Sardari Lal Jain of Jullundur City. (Transferse)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7634 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Jullundur.

Date: 31-7-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Jullandur, the 31st July 1975

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1045.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Deepak Cinema Chowk Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

17-1 6GI/

(1) Shri Dilbag Singh s/o Udham Singh alias of Kamaljit Singh s/o Dilbagh Singh of Jullundur.

(Transferor)

6915

(2) S. I. Bank & Building Pvt, Ltd. Dcepak Cinema Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7716 of Nov. 74 of Registering Authority, Juliandur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
mmissioner of Income-Tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 31-7-1975

Şeal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1046.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Basti Shaikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

 Sh. Dilbagh Singh s/o Udham Singh, 300/L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) S. I. Bank and Buildings Pvt. Ltd. Deepak Chiema Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 'Said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions must herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7560 of Nov. 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULIJUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1047.—Whereas, 1, Ravinder Kuman being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As per Schedule situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

 Shri Nand Kishore s/o Banarsi Das, H. No. 170, Moh. Mahendru, Jullundur City.

(Transferor)

- (2) Smt, Kamlavati w/o Jug Lal Ramesh Rani d/o Kewal Krishan and Kanta Rani w/o Subash Kumar and Parveen Kumari w/o Vijay Kumar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7413 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1048.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Partap Road, Jullandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur in Nov. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Shali Bai w/o Sham Lal Near Old Bus stand, 34-Partap Road, Present: Sham Trading Coy, 6055 Main Bazar, Jullundur City.
 - (Transferor)
- ,2) Shri Tara Chand Goyal s/o Hari Singh, near Fish Market, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7250 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1049.-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Guzan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Udham Singh of Basti Guzan, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Piara Singh s/o Hakam Singh of Basti Guzan, Jullundura (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7592 of Nov. 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1050.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule, situated at Partap Chowk, Nuremahal Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madan Mohan Bhardwaj s/o Bakshi Tulsi Das-(Transferor)
- (2) Shri Som Nath Aggarwal of Dena Nagar, District Gurdaspur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7527 of Nov. 1972 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Scal:

FORM JTNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1051.—Whereas, J. Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act5), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs, 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Achar Singh s/o Sh, Ram Saran Mohalla Prem Nagar, Ramesh Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Vir s/o Jagat Ram, 930, Mohalla Goyindgarh, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7306 of Nov. 1974 of Registering authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Sh. Dhanu s/o Nama V. Goraya, Teh. Phillaur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1052.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule, situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Tirath Ram s/o Sadhu Ram r/o Barah Pind.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4)Any other person interested in the house.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3237 of Nov. 74 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1053.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

As per schedule, situated at Dana Mandi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Nakodar in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18---196GI/75

 S/Sh. Jagjit Singh, Harbans Singh Ss/o Mehnga Singh s/o Rur Singh, Pandouri Khas through Kartar Singh s/o Rur Singh, Pandori.

(Transferor)

(2) Sh. Harbaus Lal s/o Nathu Mal, Nakodar.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the shop.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 1864 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandar, the 31st July 1975

Ref. A.P. 1054.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Neel Kant, Shashi Parkash, Pritam Beyi, Shakuntala Devi, Rama Banti Ss & Ds/o Sh. Krishan Lal, Nakodar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Gurbax Kaur w/o Amarjit Singh s/o Piara Singh of Nakodar Road, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 2001 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR.

Competent. Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jullundur

Date: 31-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Amarjit Singh s/o Piara Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

Pritam Devi, & Ds/o \$h.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

Krishan Lal, Nakodar.

(1) Sh. Neel Kant, Shashi Parkash, Shakuntala Devi, Rama Banti Ss

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd, Deed No. 2002 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

> RAVINDER KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1055,-Whereas, J. Ravinder Kumar. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

As per schedule, situated at Nakodar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Nov. 1974

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1056.-Whereas, I. Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Patar Kalan (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ DГ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Sadhu Singh s/o Ghanaya Singh alias Ganesh Singh of Vill. Pattar Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh s/o Battan Singh of V. Pattar Kalan, Dist. Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7399 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Date: 31-7-1975

Seal:

4(Strike off where not applicable)

Acquisition Range, Jullundur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1057.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Amar Chand s/o Dheru Ram r/o Patara, of Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Ratan Kaur w/o Rakha Ram s/o Mangat Ram, Juliundur.

(Transferee)

- *(3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7447 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1058.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Jullundur (Ladowali Road) (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Chand s/o Dheru Ram r/o Patara, (Transfero)
- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Chaman Lal r/o Sherpur Shekhl, Teh. Jullundur,

(Transferee)

- *(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd, deed No. 7448 of Nov., 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1059.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Partap Colony, Near Radio Station, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'maid Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Madan Mohan Bhardwaj s/o Bakhsi Tulsi Dass s/o Bakshi Jiwan Das c/o Daily Partap Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Som Nath Aggarwal s/o Ram Parkash Aggarwal, Dina Nagar, Gurdaspur.

 (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Murabba. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Murabba as mentioned in Regd. deed No. 7196 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1060.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Udham Singh s/o Jagat Singh (R. O. Avfar Nagar, Juliundur). (Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kumari w/o Des Raj Sood Juffundur through Dwarka Nath, E.S. 114, Nakodar Road, Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7264 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent, Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1061.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kazi Mandi, Daulatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely;

19-196GI/75

(1) Ram Murti s/o Amin Chand of E.J. 316. Riazpura, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Tarlok Chand, Has Raj, Mandi Phantam Ganj, Jullundur Through Sh. Terlok Chand Sehgal.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7335 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1062.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per Schedule situated at Garden Axtation, Bye Pass, Jullundur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Nov. 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sham Kumar Bharwaj s/o Pt. Sant Paul Bharwaj, Jullundur, G.A. Usha Keram w/o Mohinder Nath c/o Sat Paul Pandit & Co. Milap Chowk, Jullundur.

 (Transferor)
- Sh. Dalip Singh, Puran Singh Ss/o Budha Singh, Lukar Mandi, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the plot. Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7417 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range.
Jullundur.

Date . 31st July 1975.

Seal;

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1963.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at House No. 258, Central Town, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bhagwan Singh s/o Malba Singh s/o Khajana (Gali No. 6) H. No. 258, Central Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Bulbir Kaur w/o Teerath Singh s/o Avtar Singh, Vill. Shankar, Teh. Distt. Jullundur.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the plot. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

herein as are defined in Chapter

XXA of the 'said Act', shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7502 of Nov. 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1064.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. As per Schedule situated at Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act'

and/or

in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Karan Devi wd/o Dhole Ram r/o Dasuya.
 (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Charanjit Singh, R.O. Dasuya.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the plot, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 2590 of Nov. 1974 of Registering Authority, Dasuaya.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date . 31st July 1975.

(1) Shri Roshan Lal and Ram Kumar s/o Sh. Lal Ram Saran Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1065.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur (Bazar Kalan) (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Sh. Gulzari Lal s/o Sh. Ram Saran Pata Sh. Devi Dass, Jullundur.

(Transferee)

(Transitive)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7211 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Juliundur.

Date . 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1066.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sura Beram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bara Singh s/o Ganga Singh of V. Pati Amarkst pur, Distt. Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Swaran Singh, Karam Singh Ss/o Inder Singh 1/4, Gurmeet Singh, Kuldip Singh, Amrik Singh, Lakbir Singh, Tarlok Singh Ss/o Chain Singh 1/4, Bhpinder Singh s/o Karnail Singh of Vill. Salempur, Distt Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the land, (person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7423 of Nov. 1974 of Registering Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range,

Jullundur.

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1067.-Whereas I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25.000/and bearing

No. As per schedule situated at Chananpur Teh. & Distt,

Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Bhajan Singh, Ajit Singh Joginder Singh Ss/o Punna Singh s/o Jiwa Singh of Vill. Saprai, Tch. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Hazur Singh s/o Bhagat Singh s/o Nihal Singh of Vill. Caudianwali, Teh. & Distt. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the land (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms amd expressions herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7736 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur.

Date . 31st July 1975.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1068.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Lallian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Niranjan Singh, Mehma Singh Ss/o Sunder Singh of Lallian Kalan, Teh. & Distt. Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Sh. Didar Singh, Nirmal Singh Ss/o Swaran Singh of Vill, Lallian Kalan.

 (Transferse)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd deed No. 7737 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975.

— - .<u>....</u>----

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1069.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
20—196GI/75

- (1) Shrimati Bhupinder Kaur w/o Sh. Avtar Singh s/o Sh. Harnam Singh of 615 Sector 16/D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Ram s/o Sh. Phuman Ram, Gurcharan Singh s/o Lekh Singh, G.T. Road, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Kothi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 7318 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1070.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Kafloopur

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanan Singh adopted son of Inder Singh of V. Katloopur. Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sb. Piara Singh, Joginder Singh, Satnam Singh Ss/o S. Chanan Singh, V. Gakhal, Teh, & Distt, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 1391 of Nov. 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1071.—Whereas, 1, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Lallian Kalan (and more fully described in the Schedule

*unexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

 Shri Mal Singh s/o Inder Singh of Vill. Lallian Kalan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bachittar Singh s/o Dharam Paul Singh s/o Swaran Singh, Vill. Lallian Kalan, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7295 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullunder.

Date: 31st July 1975.

Scal:

FORM ITNS...

(2) Sh. Amar Singh, Lal Singh and Sh. Charan Singh, s/o Genda Singh in Lamapind, Teh. Jullundur. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1072.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Lamapind Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Swarn Singh s/o Sh. Milkhi Vassi Chuck Husaina, Lamapind, Teh. Jullundur,

(Transferor)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7271 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975.

(1) Sh. Rahmat Nasib s/o Sh. Labha Masih of Vill. Dhogri, Teh. Distt. Jullundur.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1073.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Gian Singh of V. Rurki Khas, Teh. Garshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7223 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1074.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kapoor Pind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagan Nath s/o Raghu Ram of Jandu Singha. (Transferow)
- (2) Shri Dayal Singh s/o Mohinder Singh & Satnam Singh s/o Santa Singh of Kapoorpind.

(Transferce)

- As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7383 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullandur

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullandur

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1075,—Whereas. I, Ravinder Kumar being the Competent Authority

under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapoor Pind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Dara Singh, Kapoor Pind.
 (Transferor)
- (2) Sh. Malkit Singh, Mohan Singh, Surinder Singh, Kewal Singh Ss/o Balwant Singh Kapoor Pind, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property.]
- (4) Any other person interested in the land, [Person whom the undersigned knows

to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land us mentioned in Regd. deed No. 7554 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE; JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1076.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill, Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Resham Singh, Ajit Singh, V. Nagra, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Charan Singh, Mohinder Singh, Amrik Singh s/o Dalip Singh, V. Nagra, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7497 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Influencer.

Date: 31st July 1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1077.—Whoreas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Bhogpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Sald Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Bakshi Singh s/o Jiwan Singh, Vill/P.O. Bhogpur.

(Transferor)

(2) Chanana Singh, Jaswant Singh, Karamjit Singh, Amrik Singh Ss/o Capt. Niranjan Singh, Sagranwalli.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7518 of Nov. 1974 of Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31st July 1975.

Scal;

21—196GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1078.—Whereas I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Panma (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanana Kaur d/o Kasar s/o Bhupa R.O. Villy Lit., P.S. Dasuya. (Transferor)
- (2) (1) Sh. Ujjagar Singh s/o Santa Singh s/o Bhula, Vill, Panma, Distt. Hoshiarpur (2) Ræm Nath, Namuna Dass, (3) Gurbhajan Singh, (4) Darshan Singh, R.O. Vill, Lit. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1228 of Nov. 1974 of Registering Authority, Bhunga.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1079.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. As per schedule situated at Nangal Thathal, Teh. Hoshiar-

pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Sh. Baboo Ram s/o Waziria, s/o Arjan R/o Nanga Thathal, Teh, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Jagish Lal, Pritam Das, Gurmit Singh Ss/o Dina Nath s/o Lachhman Das R.O. Nangal, Thatchal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1167 of Nov. 1974 of Registering Authority, Bhunga.

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Julhindur.

Date: 31st July 1975.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1080.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule situated at Thathal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Uma Wati d/o Ananta s/o Mathra Vill. That hal, Teh. Hoshlarpur. (Transferor)
- (2) (1) Mangal Singh, (2) Jagdish Singh, (3) Ravinder Lal, (4) Kashmir Devi w/o Mangal Singh; Ss/o Ram Das; Ram Das r/o Sherpur Bhatiana, Teh. Hoshlarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the plot, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd deed No. 3160 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshlarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1081.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Nagrala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagat Singh s/o Jiwan Singh s/o Mahan Singh, R.O. Nagrala. (Transferor)
- (2) Sh. Pawan Kumar s/o Ved Parkash s/o Anant Ram Khullar, Moh. Jagatpura, Hoshiarpur, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property.]
- (4) Any other person interested in the land.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 3018 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1082.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Civil Lines, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Bipan Lal s/o L. Gopi Mal, R.O. Kuthtrala house, Hoshiarpur, Mukhtrar-I-ami) Harbans Kumari Wd/o Joginder Lal, 2. Bishan Lal, Kuthlata s/o Bishan Lal, Hoshiarpur.

 (Transferor)
- (2) Sh. Yash Pal s/o Ram Dayala, R.O. Civil Lines, Hoshiarpur, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 3095 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1083.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Milap Nagar, HSP

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursurance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) (1) Sh. Des Raj Khurana s/o Sohna Ram s/o Hira Mal, R.O. Model Town Hoshiarpur, (2) Kewal Krishan s/o Sham Lal R.O. Bassi Daulat Khanpur, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh s/o Banta Singh s/o Amin Chand Vill, Man, P.S. Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 2998 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Juliundur.

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1084.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Gandhowal, Kothi No. 46/90

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Garshankar In Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harikishan Singh s/o Ghanmaya Singh s/o Shea Singh V. Gandhowal, Teh. GSR (Garshankar). (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdev Singh, Santosh Singh, Avtar Singh, Gurmej Singh Ss/o Darshan Singh, V. Gandhowal, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2485 of Nov. 1974 of Registering Authority, Garshankar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur,

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANCE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1085.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jatwali, Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Amarjit Singh s/o Resham Singh, Smt. Dhan Kaur wd/o Jwand Singh, R/o Madar village, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Joginder Singh, Ajit Singh, Nirmal Singh, Dilbagh Smein Se/o Lachhman Singh r/o Jandu Singh, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above, [Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7494 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULILUNDUR

Juliundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1086.--Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mukerian

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mukerian in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Maghar Mal s/o Gurdit Mal, vill, Mukerian.
 (Transferor)
- (2) Sh. Devinder Kumar s/o Avnashi Lal r/o Mukerian. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the House. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 1523 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

7

FORM ITNS-

(1) Sh. Budh Singh s/o Dalal Singh s/ Khushal Singh, Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July, 1975

Ref. No. AP-1087.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Hoshiarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in No. 1975 for an

Hosharpur in No. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Satwant Kaur w/o Harbaksh Singh, s/o Mehnga Singh, Vill. Khabal Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Kothi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 2975 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range.
Jullundur.

Date: 31st July 1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullandur, the 31st July 1975

Ret. No. AP-1088 .-- Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred at Hoshiarpur in Nov. 1974 under the Registration 'Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Sunder s/o Amar Nath s/o Amin Chambot Sethi, R.O. Model Town, Hoshiacpur.

(Transferor)

(2) Sint, Chander Kanta w/o Ravinder Nath Pathak s/o Bhagat Ram, R.O. Mazara Digrian, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Kothi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 2995 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jullunder.

Date: 31st July 1975

Seal ;

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1089.—Whereas, I. Ravinder Kemar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Dec. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Kimti Lal s/o Dogar Mal s/o Mebar Chand Jain, Br. Sarafan, Hoshiarpur.

('fransferor)

(2) Sh. Paras Kumar s/o Dogar Mal s/o Mahar Chand, Br. Sarapasi, Hoshiarpur,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the House, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3258 of Dec. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

Scal:

FORM ITNS----

 Mohan Lal s/o Nand Lal s/o Munshi Ram-R.O. Moh. Premgarh Hoshiarpur. (2) Nand Lal d/o Munshi Ram, R.O. Premgarh, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 31st fuly 1975

Ref. No. AP-1090.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Near Hati Bawa Mandir Krishan Nagar, Hoshiarpur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (2) Sh. Rajinder Singh Grewal of Karam Singh son Pratap Singh, R.O. Bariana, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the House (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 2973 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullandur.

Date: 31st July 1975

FORM TINS----

(1) Amar Nath s/o Sh. Mastan Chand s/o Girdhari Lal, Kacha Toba, Hoshiarpur. (Transferor)

(2) Smt. Krishna Rani w/o Dyal Chand c/o Ishar Dass, Kacha Toba, Hoshiarpur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the House. (Person

whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3136 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1091.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kacha Toba, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

FORM JTNS-----

.___<u>__</u>__.

(1) Sh. Gurmail Singh s/o Udham Singh, r/o Premga b, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1092.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R_{\tilde{\lambda}}$. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Premgarh Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Nirmal Singh s/o Takhat Singh, Viil, Mona Kalan, Teh. Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the House. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3156 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1093.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Lallian Kalan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-196GI/75

(Swjit Singh s/o Sunder Singh s/o Inder Singh of Vill. Lallian Kalan, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferer)

(2) Didar Singh, Nirmal Singh Ss/o Swaran Singh of Vill, Lallian Kalan, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 7431 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullandur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1094,—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Lamba Pind (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ram Singh s/o Assa Ram of Jullundur, Lama Pind.
 (Transferor)
- (2) Salpal s/o Proota Ram of Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. decd No. 7735 of Nov. 1974 of Registering Authority. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Juliondur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1095.—Whereas, 1, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Ratewal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ajit Ram s/o Gulzara Ram Ratewal, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Sh. Bikram Chand s/o Gulzara Ram, Lt. A.C.H. Jatewan, Distt, Karnal.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any pison interested in the House, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3502 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31st July 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 270/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 13, situated at Broad Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta, on 30-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Baloram Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd. 12/2, Palm Avenue, Calcutta-19.

(Transferce)

- (3) [Persons in occupation of the property.]
- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.

(3) S. K. Kachi.

- (4) Sri Prasanta Kr. Maity,
- (5) Sudarsan Bank.(6) Sandhya Rani Mayunder and Himanau Kr. Mayunder.
- (7) Yara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.(8) Mahadeb Nag.

- (6) Manadel Nag.
 (9) Abdul Haque.
 (10) Abdul Haque.
 (11) S. K. Tinkari.
 (12) Bhaskar Chakrabarty.
 (13) Bhaskar Chakrabarty.
 (14) Add Charaga Dhast.
- (14) Anil Kumar Dhar.

- (15) Jatindra Nath Ghosh.
 (16) Mahadeb Ch. Pal.
 (17) Anuradha Nag.
 (18) Prabhgti Chowdhury Parbati Chowdhury
 (19) Rampirt Prasad Shaw.
 (20) Arbaba Vagara Boy.
- (20) Ashoke Kumar Roy
- (21) Shib Sankar Chowdhury. (22) Rambahadur Chowdhurye.
- (23) Jagadish Chowdhury.
- (24) Sitaram Chowdhury, Sitaram Chowdhury.
- (25) Anima Nag. (26) Sanat Dutta.
- (27) Rajindra Shaw.

- (28) Tarapada Sadhar.
- (29) Ashoke Dutta. (30) Sova Shaw.
- (31) Ramlagan Shaw.
- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik. (35) Yogi Shaw.

- (36) Kunieb Shaw.
 (37) Ankal Shaw.
 (38) Dalal Nag.
 (39) Akhil Das.
 (40) Nikhil Das.
 (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi.
 (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
 (45) Gulabi Shaw.
 (46) Janak Shaw, Janak Shaw.
 (47) Lakshman Gayan.
 (48) Palan Sardar,
 (49) Muktasara Mandal.

- (49) Muktaram Morol. (50) Batuebatrik. (51) Bharat Mondal. (52) Sunil Nag.

- (53) Eela Khan.
- (54) SK Fakiruddin. (55) SK Golam.
- (56) SK Bulbul, (57) SK Dilbhar,
- (58) Central Fisherics Corpn.(59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.(61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.(63) Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd. (64) Dulal Mondal,
- Nani Nondal.
- Nirmal Paramanik. (66)

- (66) Nirmai Faramanik.
 (67) Gaya Shaw.
 (68) Asrafi Shaw.
 (69) Nikhil Ch. Kundal.
 (70) Narayan Gopal Hore.
 (71) Haram Ch. Dey.
 (72) Richaunada Das.
- (72) Bishnupada Das. (73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4 th share in all the piece and parcel of land and pond land measuring 1 Bigha 11 cottahs more or less together with all the permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as 'Broad Street Market', as per deed no. 7020 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date: 26-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 271/Acq.R-111/75-76/Cal.-Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/No. 13, situated at Broad Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta, on 30-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prowhich is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ashim Kumar Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29.

(Transferee) (2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd. 12/2, Palm

Avenue, Calcutta 19,

(Transferor)

- (3) [Persons in occupation of the property.]
- St! Ram Kumar Matadin,
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
- (3) SK. Kachi.(4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sudarsan Bank.
- (6) Sandhya Ravi Mayundul & Himansu Kr. Mayunder,
- (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.(8) Mahadeb Nag.

- (9) Abdul Haque. (10) Abdul Haque. (11) SK, Tinkari. (12) Bhaskar Chakrabarty. (13) Bhaskar Chakrabarty.
- Anil Kumar Dhar. (14)
- (15) Jatindra Nath Ghosh
- (16) Mahadeb Ch. Pal.
- (17) Manage Ca. Fai.
 (17) Anuradha Nag.
 (18) Prabhgati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
 (19) Rampirit Prasad Shaw.
 (20) Ashoke Kumar Roy.
 (21) Shib Sankar Chowdhury.
 (22) Rambahadur Chowdhury.
 (23) Leadish Chowdhury. Silvram. Chowdhury.

- (22) Rambaladur Chowdhury, Sitaram Chowdhury, (23) Jagadish Chowdhury, Sitaram Chowdhury, (24) Sitaram Chowdhury Sitaram Chowdhury, (25) Anima Nag. (26) Sanat Dutta.

- (27) Rajindra Shaw.
- (28) Tarapada Saddar.
- (29) Ashoka Dutta.(30) Sova Shaw.(31) Ramlagan Shaw.

- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramantk.
- (34) Fani Paramanik.
- (35) Yogi Shaw.

- (36) Kunieb Shaw. (37) Ankal Shaw. (38) Dulal Nag. (39) Akhil Das. (40) Nikhil Das.
- (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (42) Mirya Bagi Surya Bagi.
 (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
 (45) Gulabi Shaw.
 (46) Janak Shaw, Janak Shaw.

- (47) Lakshman Gayan. (48) Palan Sardar.
- (49) Muktaram Morol.
- (50) Batuebatrik.
- Bharat Mondal. (51)
- (52) Sunil Nag.
- (53) Lela Khan.

- (54) SK. Fākiruddin. (55) SK. Golam. (56) SK. Bulbul. (57) SK. Dilbhar.
- (58) Central Fisheries Corpn.(59) Abdul Haque.
- (60)Prasanta Kumai Maity.
- (61) (62) Ratu Thakur.
- Tara Nag.
- Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd. (63)

- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik. (67) Gaya Shaw. (68) Asrafi Shaw. (69) Nikhil Ch. Kundal.

- (70) Narayan Gopal Hore.
- (71) Haran Ch. Dey.(72) Bishnupada Das.
- (73) Bipin Chandra Bera. (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all perma nent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as Broad Street Market; as per deed no. 7021, of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date: 26-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calculfa, the 26th July, 1975

Ref. No. 272/Acq.R-JII/75-76/Cal.- Whereas, I, L. K.

Balasubramanian,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovto as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 13, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24 Pgs. on 30-11-74, for an annarent consideration which is less than the fele market

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or experience of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of ану іпсоте any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely :-

(1) Mammotho Nath Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd. 12/2. Palm, Avenue, Calcutta-19,

(Transferec)

- (3) [Persons in occupation of the property.]
- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
 (3) SK. Kachi,

(4) Sri Prasanta Kr. Maity.

(5) Sudarsan Bank.

- (6) Sandhya Ravi Mayundur & Himansu Kr. Mayunder.
- (7) Fara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.(8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque. (10) Abdul Haque. (11) SK. Tinkari,

- (12) Bhaskar Chakrabarty.(13) Bhaskar Chakrabarty.
- Anil Kumar Dhar. (14)
- (15) Jatindra Nath Ghosh. (16) Mahadeb Ch. Pal.

- (16) Mahadeb Ch. Pat.
 (17) Anuradha Nag.
 (18) Prabhgati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
 (19) Rampirit Prasad Shaw.
 (20) Ashoke Kumar Roy.
 (21) Shib Sankar Chowdhury.
 (22) Rambahadur Chowdhury.

- (25) Anima Nag. (26) Sanat Dutta.
- Rajindra Shaw
- (28) Tarapada Saddar.
- (22) Rambahadur Chowdnury.
 (23) Jagadish Chowdhury.
 (24) Sitaram Chowdhury Sitaram Chowdhury.

- (30) Sova Shaw.
- (29) Ashoka Dutta. Rambagan Shaw. (31)
- (32) (33) Pancha Naskar. Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik. (35) Yogi Shaw. (36) Kunieb Shaw. (37) Ankal Shaw.

- (37) Ankal Shaw (38) Dulal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das.

- (41) Prosadi Singh
 (42) Dulal Haldar.
 (43) Surya Bagi Surya Bagi.
 (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
 (45) Gulabi Shaw.
- (46) Janak Shaw, Janak Shaw.(47) Lakshman Gayan.
- (48)Palan Sundar,
- (49) Muktaram Morol.
- (50) Batuebatrik.

- (51) Baruebatrik. (51) Bharat Mondal. (52) Sunil Nag. (53) Fela Khan. (54) SK. Fakiruddin. (55) SK. Golam. (56) SK. Bulbul. (57) SK. Dilbhar.

- (58) Central Fisheries Corpn.
- (59)Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.
- (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag. (63) Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd. (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal. (66) Nirmal Paramanik.

- (66) Nithial Paramank. (67) Gaya Shaw. (68) Asrafi Shaw. (69) Nikhil Ch. Kundal. (70) Narayan Gopal Hore.
- (71) Haran Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das
- (73) Bipin Chandra Bera.(74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as Broad Street Market; as per deed no. 8065, of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24 Parganas.

> L. K. BALASUBRAMANIAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Calcutta-16.

Date: 26-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 273/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13, situated at Broad Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed herefo) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta, on 2-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sourendra Nath Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29,

(Transferor)

(2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd., 12/2 Palm Avenue, Calcutta-19.

(Transferce)

- (3) [Persons in occupation of the property.]
 - (1) Sri Ram Kumar Matadin.
 - (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.

- (3) SK. Kachi.(4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sudarsan Bank.(6) Sandhya Ravi Mayundur & Himansu Kr.
- Mayunder.
 (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.
 (8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque. (10) Abdul Haque.
- (11) SK. Tinkari.
- (12) Bhaskar Chakrabarty.(13) Bhaskar Chakrabarty.(14) Anil Kumar Dhar.

- (14) Anii Auth Ghosh.
 (15) Jatindra Nath Ghosh.
 (16) Mahadeb Ch. Pal.
 (17) Anuradha Nag.
 (18) Prabhgati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
- (19) Rampirit Prasad Shaw. (20) Ashoke Kumar Roy.
- (21) Shib Sankar Chowdhury. (22) Rambahadur Chowdhury
- (23) Jagadish Chowdhury. (24) Sitaram Chowdhury Sitaram Chowdhury
- (25) Anima Nag.
- (26) Sanat Dulfa. (27) Rajindra Shaw.
- (28) Tarapada Sadder.
- (29) Ashoka Dutta.

- (30) Sova Shaw.
- (31) Rambagan Shaw. (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik. (35) Yogi Shaw.
- (36) Kunieb Shaw.(37) Ankal Shaw.(38) Dulal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das. (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi. (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.

- (45) Gulabi Shaw. (46) Janak Shaw, Janak Shaw. (47) Lakshman Gayan. (48) Palan Sundar.

- (49) Muktaram Morol. (50) Batuebatrik.
- (51) Bharat Mondal.
- (52) Sunil Nag. (53) Eela Khan
- (54) SK. Fakiruddin.
- (55) SK. Golam.
- (56) SK. Bulbul. (57) SK. Dilbhar.
- (58) Central Fisheries Coron. (59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity. (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.
- Adi Ballygunge Silpa Samaty Itd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd.
- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik.
- (67) Gaya Shaw.
- (68) Asrafi Shaw.
- (69) Nikhil Ch. Kundal. (70) Narayan Gopal Hore. (71) Haran Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das.(73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as Broad Street Market; as per deed No. 7036 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date: 26-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 26th July 1975

Ref. No. 95/Acq./Saharanput/74-75/726,—Whoreas, I. F. J. Bahadur,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Chakrota Bus stand, Saharanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 11-11-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sajanwati W/o Lata Padam Prasad Jain 1/0 Vill Zadodha Panda, Teh. Devband, Moh. Rani Bazar. Distt. Saharanpur.

(Transferor

(2) Shri Lala Har Bhagwan Das Lala Karam Chand r/o 6/972, infront Chakrota Bus Stand, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Residential and commercial plot with a big shed situated in front of Chakrota Bus Stand bearing Municipal No. 6/972. Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 40.000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NAGPUR.

Nagpur, the 31st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/38/75-76.—Whereas, I, D. Ramarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Circle No. 19/27, Ward No. 1/3, House No. 2/0+3, West side portion of house situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nagpur, on 25-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Amrut Pharmacy (P) Ltd., Nagpur. Through Director Shri Prataprao s/o Krushnarao Pradhan.

(Transferor)

- (1) Shri Vinayakrao s/o Laxmanrao Bawane.
- (2) Shri Wasudeorao 3/o Laxmanrao Bawane.
- (3) Shri Madhukarrao s/o Laxmanrao Bawane.

(Transferee)

- (1) Bhartiy Hotel, Nagpur. : Ground floor,
- (2) Nagpur Satee Kendra, Nagpur.: 1st floor.
- (3) Shri D. V. Navgre, Nagpur.: 2nd floor.

Nagour Sarce Kendra, Nagour.

[Person in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West side of house No. 2/0+3, Circle No. 19/27, Ward No. 1/3 measuring 42' x 13'-9", hald portion of three storied Building situated on Sita buldi main road, Nagpur (Maharashtra State).

D. RAMARAO,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated: 31-7-1975,

Seal:

24---196GI/75

(1) Shri Surajit Dass & Miss Brinda Dass.

(2) Shrimati Bibha Roy.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shrimati Lila Das Gupta, Manju Bishnu, Debesh, Bholanath, Bomkesh & Narain Chowdhury, Dr. Bholanath Pyne, A. N. Mitra, Anil Chatterjee and Satyabrata Sarkar.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd July 1975

Ref. No. AC-221/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I,

Bhattacharyya,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/1B, situated at Jhamapukur Lane,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 7-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in Premises No. 28/1B. Jhamapukur Lane, Calcutta-9, comprising a total area of 5 cottas 2 chittaks more or less and building thereon.

> S BHATTACHARYYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 22-7-1975.

(1) Sri C. Ratnam Mudliar S/o Chinappa Mudliar, C/o Jayaram Cool Drinks, Trunk Road, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ala Lakshmi Tayaramma W/o Sreeramulu, Santhapet, Nellore, C/o Sreeramulu, Police Conatable, Kaluvai, Atmakur Tq. Nellore Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.57/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/552, situated at Sankara Agraharam, Nellore, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 4-12-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 16/552, Sankara Agraharam, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHEMDABAD**

Ahmedabad-380009, the 9th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-460(201)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 67, 68, Sub-Plot No. 26, F.P. No. 387, T.F.S. No. 19 situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20-12-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the

followl persons, namely:-- (1) Smt. Chandniben T. Desai, 30, Maharashtra Society. Ellisbridge Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Anandni Flats Co-op. Housing Society Ltd., Regd. Office: Hansa Villa Near Navrangpura, Crossing, Ahmedabad.

(Transferee)

Shri Rameshchandra Chimanlal Gandhi.
 Smt. Hemlataben K. Patel.

(3) Smt. Khorshed Maherji Avari. (4) Viraf Pesottan Dukandar.

(5) Indiraben K. Hagade. (6) Veenaben H. Desai.

C/o Anandni Flats Co-op, Hou, Soc. Ltd Nr. St. Xavier's High School, Ahmedabad-9.

[Person in occupation of the property.]

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with construction) admeasuring 607 sq. yds. bearing Survey No. 67 & 68, Sub-Plot No. 26, Final Plot No. 387 of T.P.S. No. 19 and situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J, KATHURIA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 9-7-1975

FORM ITNS-

(1) Shri Mahabir Prashad Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pitamber Lal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 7th July 1975 :

Ref. No. 31-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A House measuring 1043 sq. ft, situated at Bharoli Bazar, Deoria,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition' of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. is situated in Bharoli Bazar in Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-7-1975

(1) Shri Mahabir Prashad Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmani Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Lucknow, the 7th July 1975

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Ref. No. 52-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A House measuring 1043 sq. ft. situated at Vill. Bahroli

Bazar Distt, Deoria.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. situated at village Bahroli Bazar Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-7-1975

FORM ITNS----

(2) Smt. Latta Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 11-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A House situated at Bahroli Bazar Distt. Deoria. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Deoria on 4-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahabir Prashad Modi,

Date: 7-7-1975

(Transferor) Seal;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. is situated at village Bahroli Bazar Distt, Deoria.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

ORM 'ITKS

(1) Smt. Sushila Devi Jajodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

(2) Shri Navnect Arun.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1975

Ref. No. 9-N/Acq.-Whereas, I. Bishambhar Nath. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 271/1 Area 3633 sq. ft, situated at Manza Chandpur Dehat Distt, Veransi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market valve of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion liability of the transferor to pay tax unders the said Act in respect of any income trising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

S. M. Plot no. 271/1 having an area of 3633 sq. ft. is situated at Manza Chandpur Dehat Distt, Varansi.

BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 9-7-1975

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Radha Govinda Nandi, Rajendra Narayan Nandi, Nandolal Nandi, Radhapada Nandi, Harisadhan Nandi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chand Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th June 1975

Ref. No. AC-219/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhatta-charyya,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Mahatma Gandhi Road,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-12-74,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of land measuring 5 Cottahs more or less with building thereon at 14, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 28-6-1975

Seal ;

25-196 GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 9 FOREST PARK, BHUBANESWAR

Bhubaneswar-9, the 24th May 1975

Ref. No. 19/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. Chand,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. plot No. 105/1 & 106/2, situated at Manglabag, (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 6-12-1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Kumar Bhowsinka, Kamal Kishore Bhowsinka and Smt. Ambika Debi w/o Late Durga Dutta Bhowsinka.

(Transferor)

(2) The Utkal Automobiles, Pvt. Ltd., Cantonment Road, Cuttack town Represented by its Managing Director, Sri Nagin Bhagawanji Parikh.

(Transferee)

Y

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building situated on Cantonment Road, Manglabag of Cuttack town bearing C.S. Plot No. 105/1 and 106/2 registered on 6-12-74 in the office of the Dist. Sub-Registrar, Cuttack vide sale deed No. 7867.

G. B. CHAND,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 24-5-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 19th May 1975

Ref. No. A-99/75-76/515-36.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Baksa Patta No. 3, Dag Nos. 3097, 3098 and a part of Dag No. 3099, appertaining to Dag Nos. 3100, 3101 and 3102, situated at Silchar Town,

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Silchar on 18-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Kumar Chanda and Others as per enclosed sheet.

NAME OF TRANSFEROR

1. Shri Anil Kumar Chanda, s/o late Kamini Kumar Chanda now residing at Jithbhum, Santiniketan, Dist. Birbhum 2. Shrijukta Monika Chanda, Widow of Late Ashok Kumar Chanda, now residing at 54 E Sujan Singh Parak, New Delhi. 3. Shrijukta Anjali Paul, W/o Shri Nikhil Ranjan Paul, now residing at 54 E, Sujan Singh Park, New Delhi. 4. Srijukta Malabika Karlekar, W/o. Shri Hiranmay Karlekar now residing at 116 Golf Lings, New Delhi, 5. Shri Anjit Kumar Chanda, S/o Late Arun Kumar Chanda, now residing at Digboi, Assam. 6. Shri Amajit Kumar Chanda S/o Late Arun Kumar Chanda now residing at 131 Netaji Subhaa Road, Tollygunge, Calcutta. 7. Shrijukta Jayasree Sen, W/o Shri Samarendra Chandra Sen now residing at 182 Netaji Subhas Road, Tollygunge, Calcutta. 8. Srijukta Jayantee Nebhrajani, W/o Shri Vir Tirathdas Nebhrajani now residing at 1, Wellington Avenue, London, U.K. 9. Shrijuta Latika Sarkar, W/o Shri Chamchal Sarkar L. 1/10 Hauz Khas, New Delhi. 10. Shri Sisir Kumar Dutta, S/o Hem Chandra Dutta now residing at 16, Hindusthan Park, Ballygunge, Calcutta. 11. The aforesaid Shri Anil Kumar Chanda being one of the three Executors and trustees of the will of the aforesaid Apurva Kr. Chanda, deceased, persons 9, 10 and 11 for and on behalf of Shri Anujit Kumar Chanda Alias Terunendu alias chono.

(Transferor)

- (2) Shri Mohanlal Lala, Central Road, Silchar Town.
 (Transferce)
- (3) M/s Surma Electric Stores, Silchar, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of lands of Baksa putta No. 3 of Mouza Silchar Town, Pargana Barakpar, Sub-Registry Office at Silchar, Dist. Cachar, Assam measuring 78 ft. on East to West and 43 ft. on North to South appertaining to Dags full 3097, 3098 and a part of Dag No. 3099 and 100 ft. on East to West and 84 ft. on North to South appertaining to Dag Nos. 3100,, 3101, 3102 in full making a total area of more or less 16 kattas 2 chattaks only which is bounded on the North by the path leading to D.N.N.K. Girls' High School, seath by drain and thereafter lands of the chandas, East by D.N.N.K. Girls' High School, East by the P.W.D. Road.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Shillong.

Date: 19-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd May 1975

Ref. No. Acq.23-I-464(186)/1-1/74-75. —Whereas I, J. Kathuria.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing

No. F.P. No. 256 & 257, Sub-Plot No. 2-A, F.P.S. No. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ahmedabad on 30-12-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer ;and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) M/s Nirmal Land Corporation, Partners Bharatkumar Seetaram Delhiwala, Padina Prabhu Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shreyas shopping Centre Owners' Association Secretary, Shri Mahendrakumar Nathalal Snah, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Sub-Plot No. 2-A, Pinal Plot No. 256 & 257, of T.P.S. No. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad and having an area of 923 1/13 sq. yards (being 40/150 undivided share of 3000 sq. yds.).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1975

Ref. F. No. Acq./181/Gbd/74-75/535.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Kam Nagar, Ghaziabad, Meerui,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raj Rani W/o Sri Bodh Raj, R/O Mohalla Kumharan, Ward No. 3, Muradnagar, Pargana Jalalabad, Dist., Meerut.

(Transferor)

(2) Shrimati Mahendra Kaur W/O Shri Lakhvir Singh, R/O 161, Gopal Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) purchasers,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One house property consisting of unlinished two rooms, latrine, bathroom and kitchen in an area of 170-7/9 sq. yds. at plot No. 14, situated at Ram Nagar, Ghaziabad, Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-6-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd May 1975

Ref. No. A-95/Gau/75-76.363-73.—Whereas 1, Egbert Singh.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Dag No. 586, K. P. Patta No. 282 situated at Village Jafrigog, Mouza, Beltola,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gruhati on 4th December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dewan Suna Ulla, Lakhtokia, Gauhati, (Transferor)
 - (2) Anup Kumar Sanyal, C/o M/s Baidyenath Jewellery, Lakhtokia, Gauhmi and Dalim Pathak. Advocate, Beltola, P.O. Dishpur, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5(five) Bigha, 2/two) Kastas covered by Dag No. 586, K. P. Patta No. 282 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola in Kamrup District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 2-5-1975

Seal: 40 1 2

.....

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 30th May 1975

Ref. No. A-103/DBR/75-76/700-11.---Whereas, EGBERT SINGH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As described in the schedule* situated at Mouza Tinsukia and Rangagora of Tinsukia Sub-Division,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dibrugarh on 16-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

- (1) The Jokai (Assam) Tea Company Limited 21, Netaji Subhas Road, Calcutta.
 - (Transferor)
- (2) Shri Nandlall Agarwalla, Bishmile, P.O. Chabua, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land known as Hukanpukri T.E., containing an area of 2489.14 acres more or less together with plantations, trees and also all buildings, factories and other structures and erections thereon or therein.

SCHEDULE*

- 1. NLR Grant No. 165 (160) Dag No. 1 to 11, 13 to 25, 74, 83 86, 88 to 1034 105 to 124, 104/125 23/126 and 74/127 in Mouza Rangagora.
- 2. NLR Grant No. 236(234)—Dag No. 14 to 19, 28 to 44, 56 to 59 and 66 in Mouza Rangagora.
- 3. NLR Grant No. 257—Dag No. 27, 46 to 53, 60 to 65, 67 to 72, 75 to 82, 84 and 87 situated and lying in Mouza Rangagora, Sub-Registration Office, Tinsukia.
- 4. NLR Grant 40(37) Dag No. 60 to 64 and 79 to 83 in Mouza Tinsukia.
- 5. NLR Grant No. 76(73) Day No. 30 to 34, 36 to 39, 41 to 51, 55 to 58 and 59 in Mouza Tinsukia.
- 6. Pattah No. 1—Dag No. 1 to 22, 27 to 29, 52 to 54, 65, 66, 5/68 and 69 to 77 in Mouza Tinsukia.
 - 7. Pattab No. 1-Dag No. 104 in Mouza Rangagora.
- 8. Pattah No. 1—Dag No. 1 to 20, 23 to 28, 30, 31, 36, 40, 43 to 48 and 50 Mouza Rangagora.
- 9. Pattab No. 12—Dag No. 55, 61, 66, 67, 69 and 72 in Mouza Rangagora.
 - 10. Pattah No. 40-Dag No. 24 in Mouza Rangagora.
 - 11. Pattah No. 33—Dag No. 77 and 78 in Mouza Tinsukia.
 - 12. Pattah No. 33-Dag No. 131 in Mouza Rangagora.
- 13. Pattah No. 15.—Dag No. 30, 31, 45 and 50 in Mouza Rangagora.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Date: 30-5-1975.

(2) M/s. Barasali Tea Co. Pvt. Ltd. Na-ali, Jorhat. € (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 31st May 1975

Ref. No. A-102/JRT/75-76/685-97.--Whereas, I, Shri EGBERT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule" enclosed

situated at Mouza Khangia and Kakadanga in Sibsagar District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jorhat on 30-12-74

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons,

(1) Shri Hemendra Prasad Barooah, Shri Romendra Pd. Barooah, Smt. Kamal Kumari Barooah, Trustees of Siva Prasad Barooah Family Trust, Club Road, Siva Prasad Barooah Family Trust,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that Sangsua T.E. containing lands measuring about 1003.07 hectares (excluding 18.06 acres under Nos. 114, 115(pt), 116 and 117 of Patta No. 9 periodic of village Sangsua, Mouza Khangia) together with tea plantations and all the buildings and other structures and erections and effects of permanent nature thereon or therein, collectively known as Sangsua. T.E. in the District of Sibragar as Sangsua T.E. in the District of Sibsagar,

SCHEDULE*

No. Grant No. or patta No. Mouza.
1. P. No. 1 (Grant No. 146/387) Part Khangia.
2. Patta No. 1 part Khangia.
3. P. No. 1 Grant No. 38/413 (Pt) Khangia.
4. P. No. 1 Grant No. 163/570/179 Part Khangia.
5. P. No. 1 Grant No. 135/20 Part Khangia.
6. P. No. 1 Grant No. 135/20 Part Khangia.
7. P. N. 1 Grant No. 172/441 Khangia.
8. P. No. 0 Vhangia. Sl. No.

P. No. 9 Khangia.

P. No. 1 Khangia,

P. No. 5 Khangia.

P. No. 5 Khangia.
 P. No. 5 Khangia.
 P. No. 15 (new) Khangia.
 P. No. 11 (new) Khangia.
 P. No. 1/KA Khangia.
 P. No. 1/KA Khangia.
 P. No. 18 (new) Khangia.
 P. No. 36 Khangia.
 P. No. 284 (N. 316) Kakadanga.
 P. No. 309 Kakadanga.
 P. No. 114 Kakadanga.

EGBERT SINGH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong,

Date: 31-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 51—R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 88 situated at Maha Nagar, Lucknow

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 11-12-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chand Misra,

(Transferor)

(2) Rampiari Devi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 88 measuring 10000 Sq. Ft. is situated at Maha Nagar, Lucknow,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 7-7-1975.

Seal:

26-196GI/75

(1) Shri Mahabir Pd. Modi,

may be made in writing to the undersigned.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 54—M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Bearing No.

situated at Vill. Bharauli Bazar Distt. Deoria,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 1043 sq. ft. is situated at Vill, Bharoli Bazar, Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1975

Ref. No. 1AC. Acq. 11/845/75-76/1272.—Whereas, I, C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-A/16 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6/12/1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Σŧ,

(1) Shri Balraj Miglani s/o Shri Bheraya Lal Miglani R/o 15A/16 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brij Nandan Gupta, S/o Shri Ram Roop Gupta R/o 15A/16, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property bearing No. 15A/16 East Patel Nagar, New Delhi with lease hold rights of land measuring 200 sq. yds under the said property and bounded as under :North: G. B. P.
South: G. B. P.
East: Service Lane
West: Road.

C. V. GUPTE, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1st July, 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 25th June 1975

Ref. No. III-100/Acq/75-76/383—Whereas, I. J. Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey Plot No. 3132, Tanzi No. 1347, situated at Dumraon

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arrah on 18-12-74

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Dumraon Properties & Enterprises (P) Ltd. J. Dumraon, Dist. Bhojpure.

(Transferor)

(2) Laxmi Devi Khemani W/o Late Kashi Nath. Khemani, C/o Shankar Cloth Stores. Chowk Bazar Dumraon, Dist. Bhojpure.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

On Plot of land measuring 3 Kathas 13 Dhurs bearing Survey plot No. 3132 Tanzi No. 1347 situated at Dumraon, as clearly described in deed No. 11830 dated 18-12-74.

J. NATH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 25-6-75

1 / 11-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Patel Mavji Kanji & Bros., Jail Road Gate, Rajkot.

(Transferor)

(2) Accumax Limited, Naval Kunj Annexe, Dr. Rajendraprasad Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM, ROAD,
AIIMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 3rd July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-564(197)/16-6/74-75.—Whereas, I, $\,$ J. Kathuria

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 401, Plot No. 1 and 2 situated at Mavdi Plot, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-12-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, with compound wall, admeasuring 15555.5 sq. yards bearing Survey No. 401, Plot No. 1 and 2 of Mavdi Plot, Behind Bhaktinagar Railway Station, Rajkot and as fully described in the sale deed registered under registration No. 3811 dated 26-12-1974 by Registering Officer, Rajkot,

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 3-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 1st July 1975

Ref. No. A-107/NGG/75-76/969-79.—Whereas, I, Egbert Singh.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Dag No. 865,864,884, P.P. No. 382, situated at Haiborgaon, Nowgong,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nowgong on 23-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Motilal Da-ga, Marwaripatty, Nowgong Town (Assam).

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Agarwala Haiborgaon, Shri Deepchand Kothari Nowgong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) bigha, 1(one) katha covered by Dag No. 865, 864, 884, P.P. No. 382 situated at Haiborgaon in Nowgong Dist of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 1-7-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC No. 138/74-75--Whereas, I. K. S. Venkata-

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-42, situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on 2-12-74

¥,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sri Ananta Vijay Sridhar Naik, H. No. 5-8-42 Fatch Sultan Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nandanam Construction Company, Represented by the Managing Partners Sri N. Narahari Reddy, and Sri M. L. Prasada Rao, H. No. 3-4-863, Bakatpura, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: A building with a land II. No. 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

Area: 3460 Sq. Ft.

East—Compound Wall of the Vendor.

West-Compound wall of the Vendor.

North-Compound wall of the Vendor.

South-Compound wall of the Vendor,

K. S. VEKATARAMAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 250/Acq.R-III/75-76/Cal--Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 7-12-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose 10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Prabir Kr. Dutt 'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sri Mihir Kr. Dutt
 - 2. Sri Samir Kr. Dutt
 - 3. Sri Sisir Kr. Dutt
 - 4. Smt, Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north castern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 251/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereus, I. L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—196GI/75

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose 10/1, Rainey Park, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shri Samir Kumar Dutt 'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sri Mihir Kumar Dutt
 - 2. Sri Prabir Kumar Dutt,
 - 3. Sri Sisir Kumar Dutt.
 - 4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances. Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 252/Acq.R-III/75-76/Cal-Whereas, I. L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at alcutta on 7-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose 10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sisir Kumar Dutt 'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferce)

- (3) 1. Sri Mihir Kumar Dutt
 - 2. Sri Prabir Kumar Dutt
 - 3. Sri Samir Kumar Dutt
 - 4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances. Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 187/Acq.R-III/75-76/Cal-Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 21.

situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Calcutta on 7-12-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian.

 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose 10/14 Rainey Park, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shri Mifiir Kumar Dutt 'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Sri Prabir Kumar Dutt

2. Sri Samir Kumar Dutt

3. Sri Sisir Kumar Dutt

4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

• Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 253/Acq.R-1II/75-76/Cal—Whereas, l, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office fo the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose 10/1, Rainey Park, Calcutta,

(Transferor)

(2) Smt. Pratima Dutt
'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferce)

- (3) I. Sri Mihir Kumar Dutt
 - 2. Sri Prabir Kumar Dutt
 - 3. Sri Samir Kumar Dutt
 - 4. Sri Sisir Kumar Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal:

3 4-17/3

FORM I.T.N.S.——

(2) (1) Tophani Bora, C/o. Prabhat Bora,

(2) Anupama Bora C/o Shri Nitya Bora, Inspector Sales Tax, Nowgong.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 10th March 1975

Ref. No. A-88/GLG/74-75/4229-39.—Whereas, I, Egbert Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P. No. 1068, situated at Golaghat Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 26-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chandra Mahanta, Jorhat.

1,

(Transferor)

Date: 10-3-1975.

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lm-movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 (two) bigha, 2 (two) katta and 11 (eleven) leches covered by P. No. 1068 situated at Golaghat Town in Sibsagar District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ziaul Rahman,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aziz Ahmad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1975

Ref. No. 41-A/Acq.-Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Lalpur Hamir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilari, Distt. Moradabad on 12-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of 38—73 with tube well house and machinery in Village Lalpur Hamir, Teh. Bilari, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority; Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwnr-4, the 27th May 1975

Notice No. 77/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 10/C and C.T.S. No. 420 situated at Keshavapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 2592 on 24-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Basanagawda Fakirgowda Patil, R/o. Keshavapur, Hubli, 2. Shri Fakiragowda Basanagowda Patil, R/o. Keshavapur, Hubli. 3. Shri Narasinh Gangadhar Shevade, R/o. Malamaddi, Dharwar, Shri Devadas Narasinh Shevade, Canara Bank. Traffic Island Branch, Hubli. (Transferors)
- (2) M/s Naranji Kanju Keshavapur, Hubli through its parents-

1. Shri Naranji Kanji,

- 2. Shri Motichand Naranji. Shri Veerchand Naranji
 Shri Chamanlal Naranji and

5. Shri Ratilal Naranji,

Merchants, Keshavapur, Hubli,

(Transferees)

(3) 1. Shri Vaman Lingo Kulkarni,

2. Shri Bhimaji Narayana Dixit, Contractor, 3. Shri Venkappa Bhimappa Yadalli, Fire Wood Merchant and

4. Edward Humphreys,

All residents of Keshavapur, Hubli,

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nnon-Agricultural and Measuring 38 Gunthas Bearing R. S. No. 10C and C.T.S. No. 420 situated at Keshavapur, Hubli and Bounded;

On the East: By Hubli-Kusugal Road; On the West and North: By Public Roads; and On the South: By the Property of C.T.S. No. 419 Belon-

ging to Dr. Ahmed and Mrs.D'Souza.

R. PARTHASARATHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 27-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/245—Whereas, I, S. R. Vaish, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 548, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 13th December 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raj Kumar Jawa S/o Shri Kishan Dayal Maa, Chemist, House No. 217, Model Town, Karnal (Haryana).
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Santosh Jawa W/o Shri Ish Kumar Jawa, Plot No. 548, Raja Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 548 with constructed portion i.e. one Drawing room, under ground room, Kitchen, Bathroom & two small rooms situated in Gali No. 7, Raja Park, Jaipur. The area of the plot is 500 sq. yds.

S. R. VAISH.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maheshwar Dayal Mathur

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Dayal and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 55-R/Acq-Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 163, situated at Shahnajaf Road Lucknow fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, *908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Lucknow on 23-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of plot No. 163 measuring 16 Biswa 17 Biswansi (22932 Sqr. fts.) situated on the back side of shahnajaf Road Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-7-1975

Seal:

28-196GI/75

(2) Shri Vijai Kumar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref No. 17-V/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. S. M. 271/1 situated at Mauza Chandpur Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-12-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justiument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided portion of S.M. plot No. 271/1 measuring 3670 Sq. ft. situated at Mauza Chandpur Distt. Varanasi,

BISHAMBHAR NATH!

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

(1) Smt. Sushila Devi Jajodia.

Date 17~7~1975.

Scal:

(Transferor)

FORM ITNS----

(2) Dr. V. Sudhir, S/o V. Baliah, H. No. 3-6-563 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd July 1975

Ref. No. 82/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-6-851 situated at Shali Banda, Hyderabad (and more fully described

In the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 26-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act in

respect of any income arising from the transfer; and/or

(27 of 1957);

₩,

of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indira Suri W/o Sri Jaipal Suri, H. No. 23-6-853/4 at Shali Banda, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of house M. C. No. 23-6-851, at Rambaksh Banda, Shalibanda, Hyderabad, Area: 232.85 Sq. Metres.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-7-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1975

Ref. J. No. 1.535(EG)/74-75/Acq. File No. 200.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

11-4-10 situated at Prabhakara Street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 30-12-1974

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Dantu Venkataramanamangatayaru, Bein minor by guardian, mother Smt. Suryakantam, W/o Bhaskararao, Dantugari St. Kakinada.
 - 2. Smt. Kavuta Gowri Subhadra, W/o Renukaram Dantugari St. Kakinada,
 - 3. Sri Dantu Veeravenkatarama Subramanya Suryarao, S/o Sri D. Bhaskararao, Dantugari St. Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri P. Rajagopal, Pro. Satkar Hotel, Kakinada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule property is Land and building as regstered vide Dec. Nos. 6038/74; 6039/74 and 6040/74 of S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 30-6-1975

 $\{ f_{i,j}, f_{i,j} \}$

FORM ITNS-

(1) Shri Sripada Narasimha Somayajulu, Gangalakurru (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Garimella Visweswararao, Gangalakuriu. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J. No. I (490)/EG/74-75/Acq. File No. 213.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Land Ac. 6-83 cents situated at Gangalakurru Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambajipeta on 15-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 20th November, 1974 vide document No. 1628 registered on 7th December, 1974 before the S.R.O., Ambajipeta.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date: 21-7-1975.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. 1(560)/EG/74-75/Acq. File No. 212.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 279/3 land 1-09 with sheds, buildings etc.. Vetlapalem

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samalkota on 31-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Kondapally Ramakrishna

Kondapally Subbayamma
 Kondapally Veeravenkata Satyanarayana

4. Vegulla Suryanarayanamma.

(Transferor)

(2) t. Bikkina Krupanandam

Yenduri Kanakayya
 Yenduri Venkatarao

4. Yenduri Badri Laxminarayanamma,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 31st July 1974 vide document No. 2259 registered before the S.R.O., Samalkoto on 31-12-1974.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 21-7-1975

FORM ITNS----

(2) 1, Puchalapalli Sundarayya 2. Makineni Basaya Punnaiah

may be made in writing to the undersigned.

Moturu Hanumantharao, Prajasakti Office, Governorpeta, Vijayawada, (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 22nd July 1975

Ref. No. J. No. I(432)/KR/74-75/Acq. File No. 214.—Whereas, J. B. V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

27-30-3 situated at Governorpeta, Vijayawada

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 31-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons.

(1) Maganti Subramanyam, S/o Venkateswarlu Vijayawada.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 20th December, 1974 vide document No. 4190 registered before the S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Kakinada,

Date: 22-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 22nd July 1975

Ref. No. RAC. No. 83/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-86 (Padmavathi Rice Mill.) situated at Miryalguda, Mirvalguda,

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Miryalguda on 12-12-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) I. Palwai Viswanadham H. No. Miryalguda, P. Venkateshwerlu, H. No. 26-97
 P. Mohan Rao, H. No. 26-97 Miryalguda, Miryalguda, Nalgonda Dist.

(Transferor)

(2) I. Jaini Lingaiah S/o Peddaiah, 2. J. Shankariah,

3. J. Rangaiah, 4. J. Narsaiah, 5. J. Premsagar, all 5 are sons of Sri Peddaiah, residing at H. No. 9-11-, P.O. & Tq. Miryalguda, Nalresiding at gonda Dist.

6. G. Kotaiah, H. No. 26-62 P.O. Ty. Miryalguda,

7. P. Narayana, H. No. 10-34, Miryalguda,

8. G. Narsaiah, H. No. 24-11 at Miryalguda,

P. Veraiah, P.O. Tipparthi, Nalgonda Dist.
 P. Venkatnarsaiah, R/o Sajjapur, Tq. Huzurnagar, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Padmavathi Rice Mill, G.P. No. 1-86 at Miryal-guda Town, Viveknagan Street, Nalgonda Dist. Area: 768 Sq. Yards.

R. RANGAYYA,

Competent Authority, F

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (I/C), Hyderabad.

Date: 22-7-1975

Seal:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

CORRIGENDUM

Dharwar, the 2nd August 1975

Read "BALSE" instead of BAISE as printed in item No. 1 (Transferor) in the notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 dated 8-5-1975 published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 14.6-1975 on page 4750.

AND ALSO

read "HINDWADI" instead of Hinwadi occuring in item No. 4 [person(s) in occupation of the property] of the above notice.

> R. PARTHASARATHY, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range Dharwar.